जबलपुर
रविवार, 4 मई 2025
- वैशाख मास कृष्ण पक्ष-8
- वर्ष : 20, अंक : 4
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 35
न्यून. 25

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

आज सुबह 6 बजे खुलेंगे बद्री-विशाल के कपाट

40 क्विंटल फूलों से सजा मंदिर

एजेंसी ▶▶ चमोली

गंगोत्री-यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट खोलने के बाद अब चौथे शाम बद्रीनाथ के कपाट खुलने की तैयारी है। रविवार सुबह 6 बजे बद्रीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इसके बाद उत्तराखंड में चार धाम यात्रा का विधिवत्त शुभारंभ हो जाएगा। कपाट खोलने के दौरान बद्रीनाथ धाम को 40 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। शनिवार सुबह उद्धव,कुबेर,शंकराचार्य और गरुण जी की डोली बद्रीनाथ धाम पहुंची। पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना के बाद सुबह 6:00 बजे श्रद्धालुओं के लिए बद्रीनाथ धाम के कपाट खोल दिए जाएंगे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
कोलकाता – राजस्थान
दोपहर 3.30 बजे से
पंजाब – लखनऊ
शाम 7.30 बजे से

मंदसौर में कृषि उद्योग समागम 2025 का सीएम डॉ. मोहन यादव ने किया भव्य शुभारंभ

खेती को लाभदायक बनाने विदेशी तकनीक से लेकर स्थानीय जुगाड़ तक को प्रोत्साहित कर रही है सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र आर्थिक रूप से सम्पन्न हो रहा है। नीति आयोग के अनुसार मप्र देश में सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला राज्य है। आने वाले समय में प्रगति की गति और तेज होने वाली है। राज्य सरकार कृषकों को बिजली में आत्मनिर्भर बनाने जा रही है। अब किसान सौर ऊर्जा से स्वयं बिजली बनाएंगे और पम्प चलाएंगे। उनकी ओर से अपनी जरूरत से अधिक बिजली पैदा करने पर राज्य सरकार किसानों से बिजली खरीदेगी और उसका भुगतान भी करेगी। किसानों को मात्र 10 प्रतिशत राशि पर सौर पम्प उपलब्ध कराए जाएंगे।

जीवन बेहतर बनाने किसान खेत की एक-एक इंच जमीन को बनाएं उपयोगी

संतरे-केले जैसे प्रदेश के अन्य कृषि उत्पादों की मध्यप्रदेश के नाम पर हो ब्रांडिंग

25 गाय-भैंस पालने पर 25 प्रतिशत की सब्सिडी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गौपालन को प्रोत्साहित कर दुग्ध उत्पादन की क्षमता बढ़ाई जा रही है। गौमाता हमारी संस्कृति की प्रतीक हैं, गाय-भैंस पालन को प्रोत्साहित करने के लिए 25 गाय-भैंस पालने पर 25 प्रतिशत की सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। देश के कुल दुग्ध उत्पादन में मप्र का उत्पादन वर्तमान में 9 प्रतिशत है, इसे हमें 20 प्रतिशत तक ले जाना है। किसानों को 200 गाय-भैंस पालन अर्थात 8 यूनिट तक सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी। दूध-दही हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है, जिसके घर गाय वह गोपाल और जिस के घर गाय का कुल वह घर गोकुल का भाव हमारा परिवेश में रचा-बसा है।

हर जनपद में एक-एक वृंदावन गांव विकसित किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपना जीवन उपयोगी बनाने के लिए, किसान खेत की एक-एक इंच जमीन को बेहतर बनाएं। प्रदेश के हर जनपद में एक-एक वृंदावन गांव विकसित किया जाएगा।

खबर संक्षेप

किसान पर बाघ का हमला, मौके पर ही मौत

बालाघाट। शनिवार सुबह बालाघाट में कटंगी रेंज के कुडवा कॉलोनी के पास खेत में काम कर रहे किसान पर बाघ ने हमला कर दिया। किसान की मौके पर ही मौत हो गई। बाघ शरीर का निचला हिस्सा खा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हम लोग रोज की तरह सुबह पांच बजे खेत में काम करने पहुंच गए थे। करीब 6 बजे बाघ ने पीछे से प्रकाश पाने (45) पर हमला कर दिया और किसान को शिकार बना लिया।

स्कूल में चले लात-घूंसे दोनों को हटाया गया

खरगोन। मेनगांव स्थित शासकीय एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में महिला प्राचार्य व लाइब्रेरियन में जबरदस्त मारपीट हुई। इसका वीडियो वायरल हो गया। कलेक्टर भव्या मित्तल के आदेश पर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग प्रशांत आर्या ने प्राचार्य और लाइब्रेरियन को तत्काल हटाया। मामला शुक्रवार का है। प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग के दौरे का कारण इसे दबा दिया गया।

कार और बाइक पर पलट गया कंटेनर, दो की मौत

इंदौर। बायपास के देव गुराडिया फ्लाई ओवर के नजदीक एक बेलगाम दौड़ता कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया। कंटेनर एक कार और एक बाइक को चपेट में ले लिया। जिसके चलते बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कंटेनर खाद से लदा था, जो भोपाल की तरफ जा रहा था। कंटेनर डिवाइडर से टकराकर दूसरी तरफ पहुंच गया।

आतंकियों के खिलाफ होगी निर्णायक कार्रवाई, पाकिस्तान के खिलाफ एक और एक्शन

आयात-निर्यात पर भी रोक, पीएम मोदी बोले आतंकियों और उनके मददगारों को नहीं छोड़ेंगे

भारत ने स्पष्ट कहा- पाकिस्तान के झंडे वाले कोई भी जहाज भारत के बंदरगाहों पर नहीं लगेंगे। उसके साथ किसी तरह का कोई आयात निर्यात भी नहीं होगा और न ही डाक या पार्सल का कोई आवागमन होगा।

अंगोला की सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 200 मिलियन डॉलर देगा भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत, आतंकियों का समूल नष्ट करने का संकल्प ले चुका है। इसके लिए पाकिस्तान को चौतरफा घेरा जा रहा है। तमाम संधियों को तोड़कर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए हैं। इसके साथ एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दहाड़ लगाई है। उन्होंने खुले शब्दों में कहा कि भारत किसी भी हाल में आतंकियों और उनके मददगारों को नहीं छोड़ेगा। डेढ दर्जन से अधिक देशों का भारत को न केवल समर्थन मिला है बल्कि कई देशों ने भरोसा दिलाया है कि आतंकियों के सफाए के लिए भारत की हर तरह से मदद करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको के साथ हैदराबाद हाउस में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे ये घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अंगोला की सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 200 मिलियन डॉलर की डिफेंस क्रेडिट लाइन को स्वीकृति दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि रक्षा प्लेटफॉर्म्स के रिपेयर और सप्लाई पर भी बात हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि 38 सालों के बाद अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है।

अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको

38 साल बाद अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा हुई

डाक और पार्सल सेवाओं पर रोक, पाकिस्तानी झंडे वाले जहाज भी बैन

भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पाकिस्तान से आने वाली सभी प्रकार की डाक और पार्सल सेवाओं के आदान-प्रदान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह निर्णय हवाई और जमीनी दोनों मार्गों के लिए लागू होगा। इसके अलावा पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों का भारतीय बंदरगाहों पर प्रवेश बैन कर दिया गया है। अब डाक विभाग द्वारा जारी एक सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है, भारत सरकार ने हवाई और जमीनी मार्गों के माध्यम से पाकिस्तान से आने वाले सभी श्रेणियों के मेल और पार्सल के आदान-प्रदान को निलंबित करने का फैसला लिया है।

दोनों देशों के बीच व्यापार अब पूरी तरह से बंद

भारत ने पाकिस्तान से आने वाले या पाकिस्तान को जाने वाले सभी सामानों पर तुरंत रोक लगा दी है। यह रोक सीधे तौर पर या किसी और तरीके से आने-जाने वाले सभी सामानों पर लागू होगी। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग बंद हो गया है। भारत ने साल 2023-24 में भारत ने पाकिस्तान से 3 मिलियन डॉलर का आयात किया था। जबकि 1.2 अरब डॉलर का निर्यात किया था। इससे साफ है कि पाकिस्तान का बड़ा आर्थिक नुकसान होगा।

पाक ने अब्दाली मिसाइल का किया परीक्षण

पाकिस्तान ने शनिवार को 'अब्दाली' मिसाइल का परीक्षण किया। यह बैलिस्टिक मिसाइल 450 किमी रेंज तक सतह से सतह मार करती है। पाकिस्तानी सेना के एक बयान के अनुसार, यह प्रशिक्षण प्रक्षेपण एक्सरसाइज इंडस के तहत किया गया।पाकिस्तानी सेना ने बताया कि इस प्रक्षेपण का उद्देश्य सैनिकों की परिचालन तत्परता सुनिश्चित करना और मिसाइल के एडवांस नेविगेशन सिस्टम व बेहतर मैन्यूवर क्षमता जैसे प्रमुख तकनीकी पहलुओं को सत्यापित करना था। इस मिसाइल परीक्षण को पाकिस्तानी सेना के स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड के कमांडर, स्ट्रैटेजिक प्लान्स डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों और देश के रक्षा वैज्ञानिकों ने देखा।

पीएम मोदी से मुलाकात कर सीएम उमर ने बताए हालात

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान पहलगाम हमले और उसके बाद बने हालात के साथ साथ सुरक्षा पर चर्चा हुई। दोनों के बीच ये मीटिंग करीब 30 मिनट तक चली। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीएम को पहलगाम हमलों के बाद जम्मू-कश्मीर की स्थिति और पर्यटकों और पर्यटन उद्योग के लिए स्थिति को स्थिर करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ युद्ध और पाकिस्तान के आतंकी शिविरों/बुनियादी ढांचे पर किसी भी हमले के खिलाफ समर्थन की पुष्टि की।

गोवा शिरगांव में श्री लैराई 'जात्रा' के दौरान मची भगदड़

पीएम मोदी ने हादसे पर जताया दुख

सात लोगों की मौत 80 से ज्यादा घायल

एजेंसी ▶▶ पणजी

उत्तरी गोवा के शिरगांव में शनिवार सुबह एक धार्मिक यात्रा के दौरान मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत और करीब 80 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। हादसा श्री लैराई जात्रा के दौरान हुआ है। इस लौराई यात्रा में हर साल हजारों लोग शामिल होते हैं। हादसे में घायल हुए लोगों का हाल जानने के लिए सीएम प्रमोद सावंत घटना स्थल पर पहुंचे।

क्या है लैराई 'जात्रा'

लैराई देवी एक पूजनीय हिंदू देवी हैं, जिनकी मुख्य रूप से गोवा में, विशेषकर दक्षिण गोवा के शिरोडा गांव में पूजा की जाती है। लैराई देवी को समर्पित मंदिर स्थानीय लोगों और आस-पास के क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र है। जो हर साल बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में लैराई देवी के सम्मान में मनाया जाता है। इस उत्सव की सबसे प्रमुख विशेषता है अग्नि पर चलने की परंपरा, जिसमें धोंड कहे जाने वाले श्रद्धालु जलती हुई अंगारों पर नंगे पांव चलते हैं।

सतना गोलीकांड के आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर

पुलिस पर किया फायर, बुलेटप्रूफ जैकेट से बची एसएचओ की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतना

जिले के जैतवारा थाना परिसर में हेड कांस्टेबल पर गोली चलाने वाले आरोपी आदर्श उर्फ अच्छूं गौतम को पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ टिकुरी-अकौना रोड पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात में हुई। दरअसल, आरोपी आदर्श ने पुलिस पर गोली चलाई थी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। मुठभेड़ में एसएचओ दिलीप मिश्रा भी घायल हो गए।

- बदमाश आदर्श के पैर में लगी गोली

आरोपी ने 28 अप्रैल को मारी थी गोली

बता दें 28 अप्रैल को आरोपी अच्छू ने जैतवारा थाना परिसर में हेड कांस्टेबल प्रिंस गर्ग को गोली मारी थी। गोली उनके कंधे में ली। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गया था। घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

नीट यूजी परीक्षा आज

देश भर के 566 शहरों में एक ही पाली में होगी परीक्षा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए रविवार को देशभर में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातक (नीट यूजी) 2025 का आयोजन करेगी। यह परीक्षा देश में कुल मिलाकर 566 शहरों में आयोजित की जाएगी। इस एग्जाम के लिए एनटीए ने 30 अप्रैल को एडमिट

कार्ड जारी किए थे। जिन कैंडिडेट्स ने अब तक प्रवेश पत्र प्राप्त नहीं किया है वह ऑफिशियल वेबसाइट neet.nta.nic.in पर जाकर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

शिवपुरी में कार ने बाइक को टक्कर मारी

दो मासूम सहित परिवार के 4 लोगों की मौके पर ही मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

शनिवार दोपहर में जिले के रन्नौद थाना क्षेत्र के माढ़ा गणेशखेड़ा गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो मासूम बच्चियों समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि

टक्कर लगते ही चारों लोग सड़क पर गिर पड़े और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों में दो बच्चियों अलावा एक बुजुर्ग और एक युवक शामिल है।

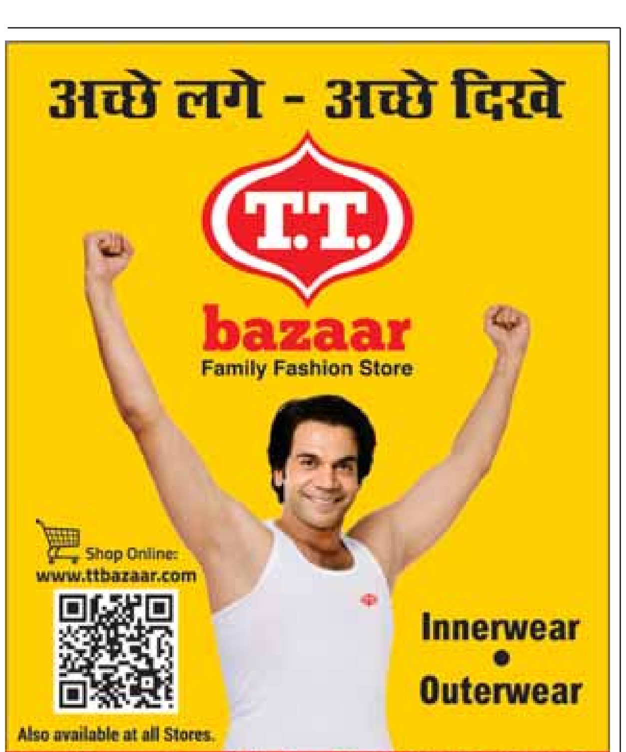

प्रदेश के आसपास दो सिस्टम सक्रिय, तीन दिन आंधी- बारिश के बीच गिरेंगे ओले

शिवपुरी, रायसेन, ग्वालियर सहित कुछ जिलों में 5 डिग्री तक गिरा पारा

भोपाल में 60 की रफ्तार से धूलभरी आंधी, कई हिस्सों में बूंदाबांदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अभी पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान और आसपास के हिमालय क्षेत्र में सक्रिय है। वहीं, मध्य प्रदेश और आसपास के हिस्सों में दो अन्य सिस्टम सक्रिय हैं। इससे प्रदेश में तीन से चार दिन आंधी, बारिश के साथ कुछ जगह ओले गिरेंगे। भोपाल में भी मौसम बदला रहेगा। इससे तापमान में अभी और कमी आएगी। शनिवार को अधिकांश जिलों में पारा गिरा।

शिवपुरी, रायसेन, ग्वालियर सहित कुछ जिलों में बारिश के बाद पारा 3 से 5 डिग्री तक गिरा है। भोपाल में आधा डिग्री गिरकर 41.1 डिग्री रहा। हालांकि, रात का 2 डिग्री बढ़कर 25.5 डिग्री रहा। दिन और रात के तापमान सामान्य के करीब रहे।

दोपहर बाद शहर में बदला मौसम

भोपाल सहित दो दर्जन से ज्यादा जिलों में दोपहर बाद मौसम में बदलाव रहा। भोपाल में भी शाम 5 बजे से 60 की रफ्तार से धूलभरी आंधी चली, जबकि कुछ हिस्सों में बौछारें भी पड़ीं। श्योपुरकलां, आगर, राजगढ़, सीहोर, रायसेन, छतरपुर, दमोह, पन्ना में कहीं तेज तो मध्यम बौछारें पड़ीं। नरसिंहपुर, कटनी और उमरिया में धूल भरी आंधी चली। शाजापुर, सांची, सागर, बुरहानपुर में हल्की आंधी चली।

आसन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नड्डा पहुंचे तमिलनाडु

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य, रसायन एवं उर्वरक मंत्री मंत्री जेपी नड्डा ने 2026 में तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को पार्टी की तमिलनाडु इकाई की तैयारियों की समीक्षा की। नड्डा ने राज्य कोर ग्रुप की बैठक में भाग लिया और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने और पार्टी के संगठनात्मक कार्य को भी आगे बढ़ाने की सलाह दी।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख और विधायक दल के नेता नैनार नागेंथिरन की अध्यक्षता में बैठक में तमिलनाडु मामलों के राष्ट्रीय सह-प्रभारी पी सुधाकर रेड्डी, राज्य इकाई के सह-संयोजक एच राजा, राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष और विधायक वनाथी श्रीनिवासन और पार्टी की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष पोन राधाकृष्णन और डॉ तमिलिसाई सौंदरराजन सहित अन्य लोग शामिल हुए।

संगठनात्मक कार्य में तेजी लाएं और द्रमुक को हटाएं

द्रमुक सरकार को सत्ता से बाहर करेंगेः नागेंद्रन

राज्य कोर ग्रुप की बैठक में भाग लिया

राज्य इकाई के प्रमुख नैनार की अध्यक्षता में की बैठक

पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी विनोज पी सेल्वम ने कहा कि बैठक में हमारे प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने 2026 के चुनाव में द्रमुक सरकार को सत्ता से बाहर करने और राज्य विधानसभा में भाजपा के अधिकतम सदस्यों की संख्या सुनिश्चित करने का संकल्प व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय शैव सिद्धांत सम्मेलन का उद्घाटन किया

शैव सिद्धांत ने तमिल पहचान को आकार दिया

नड्डा यहां एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में धर्मपुरम अधीनम के तत्वावधान में आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय शैव सिद्धांत सम्मेलन में भाग लेने के लिए आए हैं। नड्डा ने कहा कि तमिल धरती में गहराई से निहित शैव सिद्धांत ने भक्ति, सदाचार और दैवीय कृपा से मुक्ति पर जोर देकर तमिल पहचान को आकार दिया है। शैव सिद्धांत महज एक धार्मिक दर्शन नहीं है बल्कि यह एक सभ्यतागत सिद्धांत है जो आत्मा, परमात्मा और जगत के बीच पवित्र संबंध की शिक्षा देता है। उन्होंने यहां कट्टनकुलथुर में तिरुकायिलया परंपरा धर्मपुरम अधीनम के अंतरराष्ट्रीय शैव सिद्धांत अनुसंधान संस्थान, धर्मपुरम और एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के तत्वावधान में आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय शैव सिद्धांत सम्मेलन का उद्घाटन किया।

संत अप्पार, सुंदरार और तिरुग्नना संबंदर का गुणगान किया

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु पवित्र भूमि है और संगम कवियों तथा शैव संतों ने इस दर्शन को पोषित किया। उन्होंने कहा कि थेवरम और थिरुवसगम को प्रतिदिन बहुत जोश के साथ गाया जाता था, जो हमारे पूर्वजों की शाश्वत भक्ति को प्रतिध्वनित करता था। संत अप्पार, सुंदरार और तिरुग्नना संबंदर द्वारा रचित पवित्र थेवरम (तमिल भक्ति भजन) दिव्यता की ओर ले जाता है।

कुलाधिपति टीआर को सराहा

नड्डा ने शिक्षा और आध्यात्मिकता में योगदान के लिए एसआरएम विश्वविद्यालय के संस्थापक-कुलाधिपति टी आर पारिवेंधर की सराहना की। उन्होंने सम्मेलन के आयोजन के लिए धर्मपुरम अधीनम को भी धन्यवाद दिया। कुलाधिपति पारीवेंधर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि हम सम्मेलन के लिए उनके अनुग्रहपूर्ण संदेश और आशीर्वाद के लिए पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति अत्यंत आभारी हैं। उनके शब्द हमें भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं।

खबर संक्षेप

जयपुर-जोधपुर इंटरसिटी के इंजन से निकला धुआं

जयपुर। राजस्थान में जयपुर और जोधपुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस में आज उस

समय यात्री सहम गए जब ट्रेन के इंजन से धुंआ निकलता दिखाई दिया।एक्सप्रेस के इंजन से धुआं निकलता देख ट्रेन में सवार यात्रियों में दहशत फैल गई हालांकि किसी तरह की कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।यह घटना नागौर जिले के गोटन रेलवे स्टेशन के पास शनिवार को हुई।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) 2025 के लिए

नामांकन आमंत्रित किए हैं। नामांकन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 18 वर्ष से कम आयु के उन युवाओं को सम्मानित करता है, जिन्होंने निम्नलिखित 6 श्रेणियों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। लोग प्रविष्ठि भेज सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में हार्डकोर नक्सली मुठभेड़ में ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों के साथ हुए मुठभेड़ में एक हार्डकोर नक्सली मारा गया। उसके

सिर पर 8 लाख रुपए का इनाम था। इस साल अब तक राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 145 नक्सली मारे जा चुके हैं। गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में नक्सली मारा गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

हिंदू एक्टिविस्ट हत्या मामले में 8 गिरफ्तार

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के मामले में 8लोगों को गिरफ्तार किया

है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार सभी आरोपी 'सफवान' गैंग से जुड़े हैं। मोहम्मद फाजिल की 2022 की बहुचर्चित हत्या के मुख्य आरोपी सुहास की 1 मई की रात को बाजपे के किन्निकंबला में अज्ञात हमलावरों के एक समूह ने हत्या कर दी थी।

फंदे से लटके मिले महिला, 3 बेटियों के शव

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी शहर में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। शनिवार को

30 वर्षीय एक महिला और उसकी तीन नाबालिग बेटियों के शव उनके घर में फंदे से लटके पाए गए। मृतक महिला का पति रात की डयूटी करके सुबह घर लौटा तो उसने महिला और उसकी तीन बेटियों के शवों को पंखे से बंधे फंदों से लटका देखा।

बालाकोट हमले पर चन्नी के सवाल उठाने के बाद पात्रा का पलटवार

कांग्रेस की बैठक को 'पाकिस्तान कार्यसमिति' बताया, इसने पाक को 'अक्सीजन' मुहैया कराई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बालाकोट में किए गए हवाई हमले की प्रमाणिकता पर सवाल उठाने संबंधी कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी की टिप्पणी को लेकर विपक्षी दल की आलोचना की

भाजपा ने 2019 के पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद बालाकोट में किए गए हवाई हमले की प्रमाणिकता पर सवाल उठाने संबंधी कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी की टिप्पणी को लेकर विपक्षी दल की शनिवार को आलोचना की और कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान को बार-बार 'ऑक्सीजन' मुहैया करा रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बाहर से यह कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) है, लेकिन भीतर से यह पाकिस्तान कार्यसमिति की तरह काम करती है। पात्रा ने कहा कि कांग्रेस में यह चलन बन गया है कि इसके प्रस्ताव एवं इसका नेतृत्व किसी और स्वर में बोलते हैं, जबकि इसके कई अन्य नेता किसी और सुर में बात करते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में पाकिस्तान समर्थक नेता भरे पड़े हैं जो भारत के हितों के खिलाफ बयान देते हैं। उन्होंने कांग्रेस के उस पत्र को लेकर उपहास किया जिसमें पार्टी के पदाधिकारियों को इस मुद्दे पर पार्टी के आधिकारिक रुख के अनुसार काम करने की सलाह दी गई है।

नेतृत्व कुछ और बोल रहा तो इनके नेतागण अलग

कांग्रेस में पाकिस्तान समर्थक नेता भरे पड़े

कांग्रेस पाकिस्तान को संदेश देने का प्रयास करेगी

पात्रा ने कहा कि जैसे ही कांग्रेस नेताओं को सरकार की योजनाओं के बारे में पता चलेगा, वे पाकिस्तान को संदेश देने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की कथित पाक यात्रा को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा द्वारा उन पर बार-बार किए गए हमले का भी जिक्र किया। पात्रा ने कहा कि सरमा ने यह भी कहा है कि गोगोई के बच्चे भारतीय नागरिक नहीं हैं।

सेना और भारतीयों का मनोबल गिराया

पात्रा ने पूछा कि क्या कांग्रेस नेताओं की इस तरह की विवादास्पद टिप्पणियों से सशस्त्र बलों और आम तौर पर भारतीयों का मनोबल कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सरकार से आतंकवादी हमले के बाद अपनी रणनीति बताने को कहा है।

60 साल में कांग्रेस ने क्यों नहीं कराई जाति गणना?

पात्रा ने जातिगत गणना की सरकार की घोषणा का श्रेय लेने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि सत्ता में अपने 60 साल से अधिक के कार्यकाल में पार्टी ने कभी यह काम नहीं किया लेकिन मोदी सरकार स्वतंत्र भारत की पहली जातिगत गणना करेगी।

कांग्रेस नेताओं ने अब फिर अनर्गल बयान दिए

पात्राने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के रुख पर सवाल उठाने के लिए एक पाकिस्तानी सांसद ने अखिलेश यादव जैसे विपक्षी दलों के नेताओं और आप जैसे दलों को उद्धृत किया था तथा अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी पड़ोसी देश में प्रशंसा पाने के लिए इन नेताओं में शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं। पात्रा ने पहलगाम आतंकी हमले से संबंधित कई कांग्रेस नेताओं की अन्य विवादास्पद टिप्पणियों का हवाला देते हुए पार्टी की आधिकारिक घोषणाओं और उसके सदस्यों की सार्वजनिक टिप्पणियों में अंतर को लेकर पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, महाराष्ट्र के विधायक विजय वडेट्टीवार, हिमाचल प्रदेश के मंत्री इंदर सिंह और राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाड्रा की टिप्पणियों पर नाराजगी जताई।

'जगन्नाथ धाम' तो पुरी में मौजूद, बंगाल में कैसे होगा?

पश्चिम बंगाल के दीघा में नवनिर्मित मंदिर को 'जगन्नाथ धाम' नाम दिए जाने संबंधी विवाद के बीच पात्रा ने जोर देकर कहा कि केवल एक ही जगन्नाथ मंदिर हो सकता है जो ओडिशा के पुरी में मौजूद है। पात्रा लोकसभा में पुरी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

चन्नी ने 'समानांतर' संवाददाता सम्मेलन में बालाकोट कार्रवाई पर उठाए थे सवाल

सीडब्ल्यूसी ने प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र से आग्रह किया गया कि वह आतंकवाद का लगातार समर्थन करते रहे पाक को दंडित

करने के वास्ते दृढ़ता से काम करे। चन्नी ने एक 'समानांतर' संवाददाता सम्मेलन किया जिसमें उन्होंने बालाकोट में किए गए भारत के हवाई हमले की वास्तविकता पर सवाल उठाया और पीएम पर भी तंज कसा। कांग्रेस पाक सेना एवं आतंकवादियों को ऑक्सीजन देने तथा उनका मनोबल बढ़ाने का मौका नहीं छोड़ती।

लोगों को पता नहीं चलेगा बम? फिर मुकरे चन्नी

चन्नी ने कहा था कि 40 सैनिक मारे गए। हमने कभी नहीं देखा कि पाक में कहां हमले किए गए। बम फेंके, तो क्या लोगों को पता नहीं चलेगा? चन्नी ने कहा कि मैं हमेशा से इसकी (सबूत की) मांग करता रहा हूं। भाजपा द्वारा हमला करने के बाद कांग्रेस नेता ने अपने बयान से पलटते हुए कहा कि किसी सबूत की जरूरत नहीं है।

अदालत ने सुनाया अंतिम फैसला

अब केवल तीन मंजिल नहीं पूरी संजौली मस्जिद गिरेगी

नगर निगम आयुक्त भूपिंदर की अदालत का आदेश

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के संजौली क्षेत्र में स्थित मस्जिद को लेकर नगर निगम अदालत ने अंतिम फैसला सुना दिया है। पूरी मस्जिद के अवैध घोषित कर उसे पूरी तरह गिराने का आदेश दिया गया है। इससे पहले अदालत ने 5 अक्टूबर 2024 को मस्जिद की ऊपरी 3मंजिलों को गिराने का आदेश दिया था। शिमला नगर निगम आयुक्त भूपिंदर अत्री की अदालत ने शनिवार को सुनवाई के बाद पूरे निर्माण को अवैध करार देते हुए संजौली मस्जिद को पूरी तरह से गिराने का आदेश जारी कर दिया। यह फैसला उस समय आया जब वक्फ बोर्ड की ओर से अदालत में मस्जिद की जमीन का मालिकाना हक साबित करने के लिए कोई पुख्ता दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। मस्जिद निर्माण से संबंधित कोई वैध नक्शा या नगर निगम की स्वीकृति भी पेश नहीं की गई। इससे पहले कोर्ट नेऊपरी तीन मंजिलों को गिराने का आदेश दिया था, लेकिन मस्जिद कमेटी ने कार्रवाई नहीं की।

अवैध निर्माण पर सख्त रुख

नगर निगम अदालत ने मस्जिद के बची हुई दो मंजिलों को भी अवैध माना और उन्हें गिराने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान वक्फ बोर्ड के वकील ने दलील दी कि मस्जिद का अस्तित्व 1947 से पहले का है और यह पुनर्निर्माण है। इस पर अदालत ने सवाल उठाया कि अगर यह पहले से मौजूद थी तो नए निर्माण के लिए नगर निगम की मंजूरी क्यों नहीं ली गई?नियमों को ताक पर रखकर सारी मस्जिद बनाई गई। 45 मिनट तक चली बहस के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा और दोपहर एक बजे के बाद अत्री ने फैसला सुनाया। इसमें साफ कहा कि पूरी मस्जिद अवैध है, इसे गिराया जाए।

मस्जिद कमेटी ने नहीं की थी कार्रवाई

5 अक्टूबर 2024 को नगर निगम अदालत ने मस्जिद की ऊपरी 3 मंजिलों को गिराने का आदेश दिया था, जिसे दो महीने के भीतर पूरा करना था। लेकिन मस्जिद कमेटी द्वारा समय-सीमा में कार्य पूरा नहीं किया जा सका। बाद में दो बार और समय मांगा गया, परंतु अब भी एक मंजिल और पिलर का काम अधूरा है।

कर्नाटक के मंत्री ने कहा

मोदी और शाह मुझे बम दें, मैं पाकिस्तान पर हमला करूंगा

■ यह नाटकीय बयान वायरल हो रहा

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के आवास और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बीजेड जमीर अहमद खान का एक हालिया बयान चर्चा का विषय बन गया है। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच पैदा हुए तनाव को बीच मंत्री जमीर अहमद खान का कहना है कि अगर पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह उन्हें अनुमति दें तो वे पड़ोसी देश से जंग के लिए खुद ही फिदायीन हमलावर बनकर जाने के लिए तैयार हूं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया गया उनका यह नाटकीय बयान तुरंत वायरल हो गया। मैं खुद सीमा पर जाकर युद्ध करने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा, हम सब भारतीय हैं, हम हिंदुस्तानी हैं। हमारा पाकिस्तान से कोई नाता नहीं है। पाकिस्तान हमेशा से हमारा दुश्मन मुल्क रहा है। मैं पाकिस्तान जाकर युद्ध करने के लिए तैयार हूं।

ओवैसी ने पाक-बांग्लादेश को लताड़ा

पहले तुम 'घर' में घुस जाते थे अब हम घर में घुसकर मारेंगे

■ पीएम मोदी अब ठोस कदम उठाएं

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर पाकिस्तान और बांग्लादेश को लताड़ लगाई है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में जो हुआ वह दर्दनाक है। उन्होंने पीएम मोदी से आतंकियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लेने की अपील की है। उन्होंने पाकिस्तान को फेल्ड नेशन बताया।

बांग्लादेश पर उन्होंने कहा कि जो देश तुम्हें मिला है, वह हमारी वजह से मिला है। हम देख रहे हैं कई साल से पाकिस्तान से लोग आकर हमारे यहां लोगों की जान ले लेते हैं। हम मोदी जी से अपील करते हैं वे ठोस कदम उठाएं ताकि पाक दोबारा ऐसा न करे। आखिरकार ओवैसी ने कहा कि पहले आतंकी और पनहगार घर में घुस जाते थे अब हम घर में घुसकर मारेंगे।

मधेपुरा में रैली और सभा के दौरान हादसा

वक्फ बिल के विरोध में था आयोजन

भरभराकर गिर गया मंच, पूर्व शिक्षा मंत्री समेत कई नेता हो गए घायल

एजेंसी ▶▶ मधेपुरा

वक्फ बिल के विरोध में शनिवार को सिंहेश्वर प्रखंड के झिटकिया से जिले भर से पहुंचे मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुलूस निकाला। जुलूस को राजद और भाकपा नेताओं का भी समर्थन प्राप्त था। जुलूस झिटकिया से चलकर समाहरणालय के समीप कला भवन परिसर पहुंच सभा में तब्दील हो गया। सभा मंच पर वक्फ कानून के विरोध में नेताओं ने बोलना शुरू किया कि मंच पर लोगों की भीड़ इतनी बढ़ गई कि मंच टूट के गिर गया।

घायलों का किया गया इलाज

मंच टूटने से सदर राजद विधायक सह पूर्व मंत्री प्रो. चंद्रशेखर, भाकपा नेता प्रमोद प्रभाकर सहित अन्य लोग जख्मी हो गए। सभी जख्मियों को सदर अस्पताल लाया गया। वक्फ कानून के विरोध में निकाले गए जुलूस का नेतृत्व कर रहे परवेज आलम ने वक्फ कानून को काला कानून करार देते हुए कहा कि यह कानून लाकर सरकार वक्फ संपत्तियों पर अपना दखल बढ़ाने की साजिश रचा है। फिलहाल यहां किसी बड़े हादसे की बात सामने नहीं आई है।

जागरुकता बढ़ेगी वेस्टर्न रेलवे ने नई पहल की शुरुआत की

अब रेल पैसेंजर को सुरक्षा और मैसेज देगा 'छोटा भीम'

रेलवे स्टेशनों, पोस्टरों, स्कूलों, टीवी और रेडियो पर आएंगे संदेश

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अब रेलवे सुरक्षा की बात होगी तो छोटा भीम भी साथ होगा। पश्चिम रेलवे ने देश के पॉपुलर कार्टून कैरेक्टर छोटा भीम के साथ मिलकर एक अनूठी पहल की शुरुआत की है। इसका मकसद है रेल यात्रियों को मजेदार अंदाज में सुरक्षा को लेकर जागरूक करना। देशभर में बच्चों के चहेते सुपरहीरो छोटा भीम अब रेलवे स्टेशनों, पोस्टरों, स्कूलों, टीवी और रेडियो पर रेलवे सुरक्षा के मैसेज देते नजर आएंगे।

सुरक्षित यात्रा, जिम्मेदार यात्री का मिशन शुरू

इस साझेदारी के तहत आने वाले एक साल तक छोटा भीम और उसके दोस्त रेलवे परिसर में सुरक्षा नियमों, प्लेटफॉर्म पर सावधानी, ट्रेनों में सही व्यवहार जैसे संदेशों को मनोरंजक रूप से प्रस्तुत करेंगे। प्रिंट, डिजिटल, टीवी, रेडियो और स्कूल कैंपेन में इन पात्रों का उपयोग किया जाएगा ताकि बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर वर्ग के यात्री तक ये जरूरी मैसेज पहुंच सके.

जियो वर्ल्ड सेंटर में लगी मुहर

यह अनोखा सहयोग वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के दौरान मुंबई स्थित जियो वर्ल्ड सेंटर में तय हुआ। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक और ग्रीन गोल्ड एनिमेशन प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और एमडी राजीव चिलाकलापुडी ने लेटर ऑफ कोलेबरेशन पर हस्ताक्षर किए।

यह समाज में पॉजिटिव बदलाव का जरिया भी बनेगा

छोटा भीम न सिर्फ बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाता है बल्कि अब वह समाज में पॉजिटिव बदलाव का जरिया भी बनेगा। खास बात ये है कि इस बार छोटा भीम सिर्फ लड्डू नहीं खाएगा बल्कि यात्रियों को सिखाएगा कि सुरक्षित यात्रा कैसे की जाती है। विनीत अभिषेक ने कहा कि हम चाहते हैं कि सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को भी लोग रुचि से समझें। छोटा भीम की पॉपुलैरिटी और बच्चों में उसकी पकड़ इस मैसेज को और प्रभावशाली बनाएगी।

मथुरा में दर्दनाक हादसा

कार ने टेंपो में मारी टक्कर तो घायलों को डंपर ने रौंदा, 4 मरे

एजेंसी ▶▶ मथुरा

यहां तेज रफ्तार थार और सवारी टेंपो की टक्कर में कई लोग घायल हो गए। सड़क पर चीख-पुकार मची थी, तभी तेज रफ्तार में आ रहे डंपर ने घायलों को कुचल दिया। 4 लोगों की मौत हो गई। घटनास्थल का दृश्य देख लोगों की चीख निकल गई। हादसा मथुरा के थाना जैत क्षेत्र के रामताल नगला की रोड पर कृष्णा कुटीर के समीप हुआ। तेज रफ्तार कार ने सवारी टेंपो को चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में घायल सड़क पर मदद के लिए

क्षेत्र के रामताल नगला की रोड पर टक्कर

पुकार रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार में आ रहे डंपर ने घायलों को कुचल दिया। सड़क पर खून से सने शव बिखरे पड़े थे। घटनास्थल का दृश्य देख लोगों की चीख निकल गई। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दी।

एंथनी अल्बनीज लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के पीएम पद के लिए चुने गए हैं। वह पिछले 21 वर्षों में ऐसी जीत दर्ज करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई पीएम बन गए हैं। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। विपक्षी नेता पीटर डटन ने शनिवार के चुनाव में हार स्वीकार कर ली है

सिंगापुर में हुए चुनाव, सत्तारूढ़ पीएपी और विपक्षी वर्कर्स पार्टी में कड़ा मुकाबला

ऑस्ट्रेलिया में आम चुनाव में लेबर पार्टी को मिली जीत

एंथनी अल्बनीज दूसरी बार बने पीएम पीएम मोदी ने शानदार जीत की दी बधाई

एजेंसी ▶▶ मेलबर्न

एंथनी अल्बनीज लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया के पीएम पद के लिए चुने गए हैं। वह पिछले 21 वर्षों में ऐसी जीत दर्ज करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई पीएम बन गए हैं। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा।

विपक्षी नेता पीटर डटन ने शनिवार के चुनाव में हार स्वीकार करते हुए कहा कि हमने इस (चुनाव प्रचार) अभियान के दौरान अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, यह स्पष्ट हो गया है, और मैं इसके लिए पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं। उन्होंने कहा कि इससे पहले, मैंने पीएम अल्बनीज को उनकी सफलता पर बधाई देने के लिए फोन किया। यह लेबर पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है।

भारत साझा दृष्टिकोण के साथ काम करने को तैयार

विपक्षी नेता पीटर डटन बोले- हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके

शानदार जनादेश स्थायी विश्वास दर्शाता

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एंथनी अल्बनीज को उनकी शानदार जीत और ऑस्ट्रेलिया के पीएम के रूप में पुनः निर्वाचित होने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एंथनी अल्बनीज को शानदार जीत और ऑस्ट्रेलिया के पीएम के रूप में पुनः निर्वाचित होने पर बधाई! यह शानदार जनादेश आपके नेतृत्व में ऑस्ट्रेलियाई लोगों के स्थायी विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मैं भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को लेकर आशान्वित हूं।

ऑस्ट्रेलिया में सभी को वोट डालना जरूरी

ऑस्ट्रेलिया में 18 साल या इससे ज्यादा उम्र के सभी नागरिकों को अनिवार्य रूप से वोट देना होता है और अगर गैर जरूरी कारण से वो ऐसा नहीं करते हैं तो उन पर 20 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना लगाया जा सकता है। यहां पीएम बनने के लिए उम्र तय नहीं है। दूसरे शब्दों में कहें तो 18 साल या ज्यादा उम्र के जो लोग वोटिंग कर सकते हैं, वो चुनाव भी लड़ सकते हैं और पीएम भी बन सकते हैं।

दक्षिण कोरिया में सत्तारूढ़ पार्टी ने किम मून को बनाया राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी

सिओल (दक्षिण कोरिया)। पूर्व श्रम मंत्री और दक्षिणपंथी नेता किम मून सू को दक्षिण कोरिया की मुख्य कंजर्वेटिव पार्टी का राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया गया है। देश में तीन जून को राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। किम को लिबरल उम्मीदवार ली जेई-म्युंग से कड़े

मुकाबले का सामना करना पड़ेगा। पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) के प्रारंभिक चुनाव शनिवार को खत्म हुए। इस चुनाव में किम ने 56.5 फीसदी वोट हासिल किए और अपने एकमात्र प्रतिद्वंद्वी हान डोंग-हुन को हरा दिया। अन्य उम्मीदवार पहले ही दौर में बाहर हो गए थे। इस जीत के बाद किम ने कहा कि मैं ली जेई-म्युंग और उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी को सत्ता में आने से रोकने के लिए किसी से भी मजबूत गठबंधन करूंगा। मैं इसे इस तरह से करूंगा कि जनता और पार्टी भी स्वीकार करे और आखिर में मैं जीत हासिल करूंगा।

शाम पांच बजे तक 82 प्रतिशत मतदान हुआ

सिंगापुर सिटी। सिंगापुर में भी शनिवार को संसदीय चुनाव के लिए वोटिंग हुई। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला 1965 से सत्ता पर काबिज पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) और प्रमुख विपक्षी दल वर्कर्स पार्टी (डब्ल्यूपी) के बीच है। इन दोनों के अलावा कई अन्य छोटे दल भी चुनावी मैदान में हैं। चुनाव का परिणाम आज 4 मई को आ सकता है।

मतदान के लिए विद्यालयों, सार्वजनिक आवास ब्लॉकों और अन्य क्षेत्रों में 1,200 से अधिक मतदान केंद्र बनाए गए थे और मतदान के लिए 12 घंटे की अवधि तय की गई थी। सिंगापुर में मतदान अनिवार्य है, जहां लगभग 27.6 लाख मतदाता हैं। पीएपी पहले ही 97 संसदीय सीट में से पांच पर निर्विरोध निर्वाचित हो चुकी है।

सिर्फ पीएपी ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही

चुनाव में 11 पार्टियां हिस्सा ले रही हैं, लेकिन सिर्फ पीएपी ही सभी 97 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। जबकि वर्कर्स पार्टी सिर्फ 26 सीटों के लिए चुनाव लड़ रही है। सिर्फ छह पार्टियां ही 10 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। 2020 के आम चुनाव में कुल 93 सीटों के लिए वोटिंग की गई थी, जिसमें पीएपी ने 83 सीटें जीती थीं, उसे 61.24% वोट मिले थे। जबकि वर्कर्स पार्टी ने 10 सीटें जीती थीं। इस बार के चुनाव में आर्थिक विकास, रोजगार, बढ़ती महंगाई, हेल्थ, एजुकेशन और अल्पसंख्यक समुदाय की सरकार में हिस्सेदारी एक प्रमुख मुद्दा है।

वांग पीएम पद के दावेदार

15 मई 2024 को ली सीन लूंग की जगह लॉरेंस वॉन्ग ने सिंगापुर के पीएम संभाला था। वो पीएपी के महासचिव भी हैं। इससे पहले वो वित्त मंत्री और उपपीएम के जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। कोविड-19 के वक्त लिए गए फैसलों और आर्थिक नीतियों की वजह से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी।

खबर संक्षेप

अजमेर में रह रहे छह बांग्लादेशी नागरिक पकड़े

जयपुर। राजस्थान में विशेष अभियान के तहत पुलिस ने अजमेर में अवैध रूप से रह रहे छह

बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। अजमेर की जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि शुक्रवार को 2151 संदिग्धों के दस्तावेजों की जांच की गई जिनमें से दराह इलाके में चार और सरवाड़ से दो को पकड़ा गया।

अर्जेंटीना में 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना में 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया है। यह भूकंप भारतीय समयानुसार

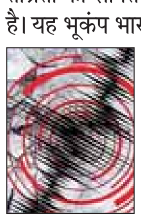

शाम 6:30 बजे आया है। भूकंप का केंद्र अर्जेंटीना के दक्षिणी राज्य उशुआइया से 222 किमी दूर समुद्र में ड्रेक पैसेज में था, जिसकी गहराई 10 किमी थी। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक उसी जगह 15 मिनट में लगातार 5.4, 5.7 और 5.6 तीव्रता के 3 आफ्टर शॉक भी आए।

पहलगाम आतंकी घटना के बाद देश के भीतर और अन्य देशों में सुरक्षा एजेंसी अलर्ट पर

भारत से मिली सूचना, संदिग्ध आतंकियों की तलाश में कोलंबो एयरपोर्ट पर हुई सघन जांच

भारत की खुफिया एजेंसियों से मिली सूचना के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले में शामिल छह संदिग्ध चेन्नई से श्रीलंका भाग सकते हैं। इस सूचना के बाद श्रीलंकाई अधिकारियों ने चेन्नई से कोलंबो पहुंची श्रीलंकन एयरलाइंस की फ्लाइट यूएल-122 पर सर्च ऑपरेशन किया।

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश सहित पड़ोसी राज्यों में संदिग्धों की तलाश तेज हो चुकी है। पूरे देश के भीतर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इस घटना के बाद भारत और पड़ोसी देशों में अलर्ट जारी है। इस बीच बड़ी खबर मिली कि चेन्नई से पहलगाम हमले से जुड़े संदिग्ध श्रीलंका भाग सकते हैं, भारत से मिली इस सूचना के आधार पर श्रीलंका के बंदरनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (कोलंबो एयरपोर्ट) पर शनिवार को एक स्पेशल सर्च ऑपरेशन चलाया गया। श्रीलंकाई पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि भारत की खुफिया एजेंसियों से मिली सूचना के मुताबिक पहलगाम आतंकी हमले में शामिल छह संदिग्ध चेन्नई से श्रीलंका भाग सकते हैं।

खास बातें

- इसकी वजह से कोलंबो से सिंगापुर की अगली उड़ान यूएल 308 में देरी हुई
- श्रीलंका में एयरपोर्ट, समुद्री बंदरगाहों और सीमाओं पर निगरानी बढ़ाई गई है

सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

एयरलाइंस ने यह भी स्पष्ट किया कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इधर, इस खुफिया सूचना के बाद श्रीलंका ने एयरपोर्ट, समुद्री बंदरगाहों और सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों से संदिग्ध आतंकियों के श्रीलंका भागने की आशंका को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने सख्ती बढ़ा दी है।

सुरक्षा मानकों को पूरा किया

श्रीलंकन एयरलाइंस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि फ्लाइट यूएल 122 (विमान 4आर-एएलएस), 3 मई को दोपहर 11:59 बजे चेन्नई से कोलंबो पहुंची। स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर फ्लाइट की गहन जांच की गई। सुरक्षा मानकों को पूरा करने के बाद विमान को क्लीयर कर दिया गया। हालांकि, इस प्रक्रिया की वजह से अगली उड़ान यूएल 308 (कोलंबो से सिंगापुर) में देरी हुई।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति बोले भारत के साथ संबंध और मजबूत

श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने कहा है कि भारत के साथ रक्षा समझौता जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। दिसानायके विपक्ष की इस आलोचना का जवाब दे रहे थे कि उनकी नेशनल पीपुल्स पॉवर (एनपीपी) सरकार ने भारत के साथ एक गुप्त रक्षा समझौता किया था, जब पीएम नरेंद्र मोदी 4 से 6 अप्रैल तक श्रीलंका की यात्रा पर थे और वह मांग कर रहा है कि समझौता ज्ञापन का खुलासा किया जाए। दिसानायके ने शुक्रवार को कहा कि वे (विपक्ष) झूठी कहानियां गढ़ रहे हैं। देशों के बीच समझौते हैं, वे दोनों पक्षों के लिए खुले हैं। अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। समझौते के एक खंड में यह कहा गया है।

भारत और ब्रिटेन के बीच एमओयू

दोनों देशों ने नए सांस्कृतिक समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी ▶▶ लंदन

ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मामलों की मंत्री लिसा नंदी इस हफ्ते अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे पर हैं। नई दिल्ली में उन्होंने भारत के संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। दोनों देशों ने एक नए सांस्कृतिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। ब्रिटेन के संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग ने एक बयान में कहा कि ब्रिटेन और भारत कला और रचनात्मक क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करते हैं। यह समझौता हमारे कलाकारों, सांस्कृतिक संस्थानों और रचनात्मक व्यवसायों के लिए, सहयोग, नवाचार और आर्थिक विकास के नए अवसर खोलेगा।

सांस्कृतिक संपत्ति की मिलकर करेंगे

इस नए समझौते के क्रियान्वयन में भारत में ब्रिटिश काउंसिल और भारतीय संस्कृति मंत्रालय की भागीदारी होगी। साथ ही ब्रिटेन की आर्ट्स काउंसिल इंग्लैंड, ब्रिटिश लाइब्रेरी, ब्रिटिश म्यूजियम, नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम, साइंस म्यूजियम ग्रुप और वी एंड ए म्यूजियम जैसी प्रमुख सांस्कृतिक संस्थाएं भी इसमें शामिल होंगी। विभाग ने कहा कि इस पहले ब्रिटिश म्यूजियम को ऐसी नई साझेदारियां शुरू करने का मौका मिलेगा, जिनमें प्रदर्शनियों या जन केंद्रित कार्यक्रमों के जरिए ब्रिटेन में रहने वाले प्रवासी भारतीय समुदाय को जोड़ा जा सकेगा।

आप दुखी होते हैं तो हम भी दुखी होते हैं

लिसा नंदी ने पहलगाम हमले को लेकर कहा, हमारे पीएम कीर स्टार्मर ने सीधे पीएम नरेंद्र मोदी को अपनी संवेदनाएं भेजी हैं और इस खौफनाक हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने आगे कहा, आतंकवाद के खिलाफ ब्रिटेन हमेशा भारत के साथ खड़ा है, चाहे वह ब्रिटेन में हो या भारत में हो। हम जानते हैं कि भारत इस हमले से बहुत आहत है और भारत के साथ हमारा बहुत पुराना और गहरा संबंध है। जब आप दुखी होते हैं, तो हम भी दुखी होते हैं।

चीन और यूएस के बीच टैरिफ पर तनातनी

सीआईए का चीनी अधिकारियों को संदेश- हमारे साथ काम करने आएं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

चीन से टैरिफ को लेकर चल रही तनातनी के बीच अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) ने चीनी सरकारी अधिकारियों को मंदारिन भाषा में एक वीडियो संदेश दिया है। सीआईए ने कहा है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार में अपनी जगह को लेकर चिंतित अधिकारी हमारे साथ काम करने के लिए आ सकते हैं।

सीआईए ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर मंदारिन भाषा में दो वीडियो जारी किए, जिसमें असंतुष्ट चीनी अधिकारियों को सीआईए से संपर्क करने के लिए आमंत्रित किया गया।

चीनी अधिकारियों की भर्ती करना मकसद

रैटक्लिफ ने कहा कि इन वीडियो का मकसद गुप्त जानकारी चुराने के लिए चीनी अधिकारियों की भर्ती करना है। उन्होंने कहा कि चीन आर्थिक, सैन्य और तकनीकी रूप से दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहता है। हमारी एजेंसी को इस खतरे का जवाब तेजी, चालाकी और मजबूती के साथ देना होगा, और ये वीडियो ऐसा करने के तरीकों में से एक है।

मस्क को डोज की सुरक्षा प्रणालियों तक दें पहुंच

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से एक अपील की, जिसमें कहा गया है कि एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई-डोज) को अमेरिका के लाखों लोगों के निजी डेटा वाले सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों तक पहुंचने की अनुमति दी जाए। यह अपील मैरीलैंड के एक न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ की गई है। सॉलिसिटर जनरल जॉन सॉयर ने तर्क दिया कि सामाजिक सुरक्षा डेटा तक पहुंच में न्यायाधीश का प्रतिबंध डोज टीम के महत्वपूर्ण कार्य में बाधा डाल रहा है। यह सरकार के फैसलों में अनुचित रूप से हस्तक्षेप है। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे 12 मई तक प्रशासन की अपील पर जवाब मांगा है।

पुलिसकर्मी अली ने अदालत से राहत मिलने पर कहा

अपने 'भारत' की सेवा करने के लिए पैदा हुआ, आधा जीवन समर्पित किया

एजेंसी ▶▶ जम्मू

पाकिस्तान भेजे जाने से अदालत द्वारा अंतरिम राहत मिलने के कुछ दिन बाद शनिवार को 45 वर्षीय पुलिसकर्मी इफ्तिखार अली ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अपने देश भारत की सेवा करने के लिए ही जन्म लिया है। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के समय पर हस्तक्षेप के कारण अली और उनके आठ भाई-बहनों को आखिरी वक्त पर पाकिस्तान भेजे जाने से रोक दिया गया। पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मेंढर उपमंडल के निवासी अली ने अपना लगभग आधा जीवन पुलिस बल को समर्पित किया है।

पीएम मोदी और गृह मंत्री की प्रशंसा की

अली ने पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें विश्वास है कि देश का नेतृत्व उन्हें महज इस "साजिश" के आधार पर दुश्मन देश को नहीं सौंपने देगा कि वह जम्मू-कश्मीर के उस हिस्से से ताल्लुक रखते हैं, जो पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। अली के विस्तारित परिवार के नौ सदस्य उन दो दर्जन से अधिक लोगों में शामिल थे।

इंस्टाग्राम को-फाउंडर ने लगाए गंभीर आरोप

एआई कंपनियों से कहा- यूजर्स की जिंदगी में 'दखल देना' बनी आदत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंस्टाग्राम के को-फाउंडर केविन सिस्ट्रोम ने एआई चैटबॉट्स को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एआई कंपनियां यूजर्स की सही मदद करने के बजाय उन्हें बार-बार उलझाने में लगी हैं ताकि लोग ज्यादा देर तक चैटबॉट्स का इस्तेमाल करें। केविन सिस्ट्रोम ने अमेरिका के कैलिफोर्निया में हुए स्टार्टअपग्रिड इवेंट में कहा कि कई बार जब वह किसी चैटबॉट से सवाल पूछते हैं, तो वह जवाब देने के बाद खुद एक और सवाल पूछ देता है। इससे चैट लंबी चलती है, लेकिन जवाबों की गुणवत्ता कम होती है।

ओपनएआई ने दी सफाई

सिस्ट्रोम की इस टिप्पणी के बाद ओपनएआई कंपनी ने कहा कि उनका मॉडल कई बार अच्छा उत्तर देने के लिए अधिक जानकारी मांगता है, इसीलिए वह यूजर से फॉलो-अप सवाल करता है। कुछ उपयोगकर्ताओं ने शिकायत की है कि चैटजीपीटी बहुत चापलूस और जरूरत से ज्यादा 'दोस्ताना' हो गया है। जीपीटी-4ओ मॉडल के अपडेट के बाद ये बदलाव देखने को मिले।

अमेरिका और ईयू देशों का तोड़ा घमंड

रूस ने यूक्रेन के 170 ड्रोन और यूरोपीय देशों से आपूर्ति वाली 8 मिसाइलें मार गिराईं

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस की सेना ने यूरोप और अमेरिका के घमंड को युद्ध के मैदान में चकनाचूर कर दिया है। मॉस्को ने दावा किया कि उसने क्रीमिया और यूक्रेन की सीमा से लगते उसके इलाकों को निशाना बनाकर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात किए गए हमले पर जवाबी कार्रवाई की और 170 ड्रोन तथा 10 से अधिक मिसाइलों को मार गिराया।

मिसाइलें काला सागर के ऊपर नष्ट कीं

मंत्रालय ने दावा किया कि इनके अलावा, ब्रिटेन द्वारा आपूर्ति की गई 8 'स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइलें' और यूक्रेन द्वारा विकसित तीन नेप्च्यून-एमडी निर्देशित मिसाइलें भी काला सागर के ऊपर नष्ट कर दी गई। शनिवार तड़के काला सागर के ऊपर यूक्रेनी नौसेना के 14 ड्रोन नष्ट कर दिए गए। इस बीच, कुछ क्षेत्रों के गवर्नर ने यूक्रेन द्वारा किए गए ड्रोन हमलों में आम लोगों को नुकसान पहुंचने की जानकारी दी है।

हैरत अंगेज कारनामा: 20 साल में 200 बार खुद को जहरीले सांपों से कटवाया

टिम के खून में ऐसे एंटी बॉडीज जो कई तरह के जहरीले सांपों से बचा सकते हैं

अमेरिकी शख्स के खून से वैज्ञानिकों ने बनाया अनोखा 'एंटीवेनम' डोज

◆ मांबा, कोबरा, ताइपन, क्रेट से जहर लेकर खुद को 700 से ज्यादा इंजेक्शन लगाए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक अमेरिकी शख्स टिम फ्राइड ने 20 सालों में 200 बार खुद को सांपों से कटवाया है। दरअसल, टिम फ्राइड सांपों के जहर से खुद को इम्युन बनाना चाहता था। उसकी चाहत थी कि दुनिया को ऐसा एंटीवेनम (सांप के जहर को बेअसर करने वाला दवा) मिले, जो सभी जहरीले सांप के जहर को बेअसर कर दे। सांप से कटवाने के बाद टिम एक बार कोमा में भी पहुंच गया, लेकिन उसके इस कारनामे ने कमाल कर दिया है। इसकी वजह से उसके खून में सांप के जहर को बेअसर करने की क्षमता बन गई। अब उसके खून का इस्तेमाल कर दवा बनाई गई है। वैज्ञानिकों ने कहा कि टिम के खून में ऐसे एंटीबॉडीज हैं, जो कई तरह के जहरीले सांपों से बचा सकती हैं। इन एंटीबॉडीज जानवरों पर टेस्ट किया गया है, जो जानलेवा जहर से बचाने में सफल रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अभी जो एंटीवेनम मौजूद हैं वे सिर्फ खास तरह के सांपों के जहर पर ही काम करते हैं। जबकि टिम फ्राइड की 20 साल की मेहनत से ऐसा एंटीवेनम बनाया गया है, जो किसी भी सांप के काटने पर काम आए।

शोधकर्ताओं ने खास इम्युनिटी डिफेंस की खोज शुरू की

शोधकर्ताओं की एक टीम ने खास इम्युनिटी डिफेंस की खोज शुरू की। इसे ब्रॉडली न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडीज कहा जाता है। इस दौरान बायोटेक कंपनी सेंटिवैक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉक्टर जैकब ग्लानविले को टिम फ्राइड के बारे में जानकारी मिली। जैकब ने बताया कि मैंने सोचा अगर दुनिया में किसी ने इन ब्रॉडली न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडीज को विकसित किया है तो वह टिम ही होगा।

टिम ने सांपों का जहर शरीर में उतारा

टिम फ्राइड ने दुनिया के सबसे खतरनाक सांपों में शामिल मांबा, कोबरा, ताइपन और क्रेट से जहर लेकर खुद को 700 से ज्यादा इंजेक्शन लगाए। टिम पहले ट्रक मैकेनिक थे। एक बार दो कोबरा सांपों ने उन्हें बहुत जल्दी-जल्दी काटा। इसकी वजह से वह कोमा में चले गए थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनका दुनिया के लोगों के लिए बेहतर इलाज विकसित करने का मकसद था और वह इसके लिए कोशिश करते रहे।

अजय देवगन से हिला बॉक्स ऑफिस...

मुंबई। अजय देवगन की 'रेड 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों में गजब का क्रेज देखने को मिल रहा है। पहले दिन मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर दोहरे अंकों में ओपनिंग दर्ज की। सफल फ्रैंचाइज का हिस्सा रही इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर करीब 18 करोड़ रुपये की कमाई की। 'रेड 2' को ओपनिंग डे पर मजदूर दिवस की छुट्टी का सहारा मिला। रिपोर्ट के मुताबिक अजय देवगन की मूवी ने दो दिनों में वर्ल्डवाइड 40.50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। जल्द ही यह 50 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी। शुक्रवार, 02 मई 2025 को रेड 2 की कुल हिंदी ऑक्यूपेंसी 19.23 प्रतिशत थी।

लाइफ Style

चित्रांगदा

'अधिक गोरी' नहीं होने के कारण रिजेक्ट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिल्म एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने सनसनीखेज खुलासा किया है कि एक नामी टेलकम पाउडर बनाने वाली कंपनी ने उनके स्किन के कलर को लेकर उन्हें रिजेक्ट किया था। चित्रांगदा सिंह ने हजारों ख्वाहिशें ऐसी फिल्म में अहम भूमिका निभाई थी।

चित्रांगदा सिंह को हाल ही में फिल्म गैसलाइट में देखा गया है। यह एक मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है। इसमें उनके अलावा सारा अली खान और विक्रांत मेस्सी की अहम भूमिका है। उन्होंने 2005 में आई फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी से डेब्यू किया था। इसके पहले उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में काम किया है। अब उन्होंने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने अपनी जर्नी के बारे में बात की है। चित्रांगदा सिंह ने खुलासा किया कि उन्हें एक बड़ी टेलकम पाउडर ब्रांड ने रिजेक्ट किया था। वह कहती हैं, मैं म्यूजिक वीडियो करती थी लेकिन मुझे एक बड़े टेलकम पाउडर कंपनी ने अधिक गोरी नहीं होने के कारण रिजेक्ट कर दिया था। तब मैंने फिल्म के लिए ऑडिशन दिया और मुझे लगा कि मुझमें वह बात नहीं है और तभी मुझे फिल्म का ऑफर आया। तब मुझे लगा कि यह अच्छी बात है। उन्हें लग रहा है कि मैं अच्छा काम करूंगी और मैंने देखा कि कई लोगों ने उस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था तो अगर मैं ईमानदारी से कहूं तो उस वक्त मैं वाकई फिल्म करना चाहती थी। चित्रांगदा सिंह ने यह भी कहा कि जब वह फिल्म कर रही थी, तब उन्होंने यही सोचा कि यह सुधीर मिश्रा की फिल्म है। इसके अलावा वह और कुछ नहीं सोच रही थी।

हॉलीवुड मसाला

'थंडरबोल्ट्स' की सीन पर बड़ा खुलासा

लॉस एंजिलिस। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'थंडरबोल्ट्स*' को लेकर फैंस में उत्साह चरम पर है। हाल ही में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स खासकर रेडिट पर फिल्म की पोस्ट-क्रेडिट सीन को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। कई फैंस का मानना था कि यह सीन न केवल 'फैंटास्टिक फोर' की एंट्री का संकेत देता है, बल्कि 'एवेंजर्सः डूम्सडे' से भी जुड़ा है। अब फिल्म के निर्देशक जेक श्रेयर ने एक इंटरव्यू में इन अटकलों को सच करार दिया है।

उसने मेरा साथ..., छलके मिरियम हेली के आंसू...

लॉस एंजिलिस। हॉलीवुड के पूर्व दिग्गज निर्माता हार्वे वीनस्टीन के खिलाफ चल रहे यौन उत्पीड़न के मुकदमे में एक पीड़िता ने कोर्ट में भावुक होकर अपना पक्ष रखा। 48 वर्षीय मिरियम हेली ने शुक्रवार को गवाही देते हुए कहा, उसने मुझ पर हमला किया, मैंने नहीं। यह कहते हुए उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। यह मामला करीब दो दशक पुराना है, जिसमें हेली ने वीनस्टीन पर जबरन यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। न्यूयॉर्क की अदालत में वीनस्टीन के खिलाफ नए सिरे से मुकदमा चल रहा है। इस मामले में हेली पहली गवाही देने वाली पीड़िता हैं। उन्होंने चौथे दिन गवाही दी। इस दौरान वीनस्टीन के वकील जेनिफर बोनजीन ने उनसे कड़े सवाल किए, जिससे हेली भावुक हो गईं। वकील ने पूछा कि क्या हेली की सहमति से यह सब हुआ था।

बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड नहीं मिलने से रोई थीं

मुंबई। अनुष्का शर्मा बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक मानी जाती है। हाल में एक्ट्रेस ने अपना 37वां जन्मदिन मनाया। अनुष्का शर्मा ने 2008 में फिल्म 'रब ने बना दी जोड़ी' से एक्टिंग की शुरुआत की थी। इस फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वायरल हो रहे वीडियो में अनुष्का ने बताया की जब उनको फिल्मफेयर का बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड नहीं मिलने पर उनको कैसा लगा था। 2018 में एक इंटरव्यू में अनुष्का ने बताया था कि, उन्हें पूरा भरोसा था कि वो फिल्मफेयर का बेस्ट डेब्यू अवॉर्ड जीतेंगी। लेकिन उस साल यह अवॉर्ड आमिर खान की फिल्म 'गजनी' की एक्ट्रेस आसिन को मिला था। अवॉर्ड न मिलने से वह बहुत दुखी और परेशान हो गई थीं।

ठंडे बस्ते में गई सल्लू की गंगा राम...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 'सिकंदर' के बाद से अपनी नई फिल्मों को लेकर लगातार चर्चा में बने हैं। खबर थी कि वह 'गंगा राम' नाम की फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। अब इस फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है। खबर है कि बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान ने अपनी आगामी फिल्म 'गंगा राम' को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इस फैसले के पीछे उनके फैंस की नाराजगी और चिंता है, जिन्होंने फिल्म की घोषणा के बाद सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर अपनी नाखुशी जाहिर की थी। 'गंगा राम' में सलमान खान के साथ संजय दत्त मुख्य भूमिका में नजर आने वाले थे और इस फिल्म को नए डायरेक्टर कृष अहिर निर्देशित करने वाले थे, लेकिन जैसे ही फिल्म की घोषणा हुई, सलमान के फैंस ने इस प्रोजेक्ट पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

टीवी मसाला

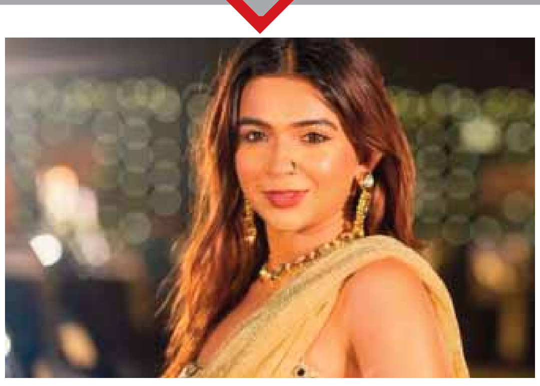

'मेरी मां को रेप की धमकियां मिलीं', अपूर्वा का छलका दर्द

मुंबई। 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में अपने आपत्तिजनक बयान की वजह से विवादों में घिरी अपूर्वा मुखीजा ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने खुलासा किया कि इस विवाद को उनके साथ उनके परिवार पर भी गहरा असर पड़ा। उन्होंने बताया कि कैसे अचानक वायरल होने के बाद अजनबी लोग उनके माता-पिता के सोशल मीडिया अकाउंट तक पहुंच गए और उनके बुरा बर्ताव करने लगें। इसके चलते उनकी मां की तबीयत भी बिगड़ गई। अपूर्वा मुखीजा ने युवा से कहा, 'लोगों ने मेरे माता-पिता के सोशल मीडिया अकाउंट खोज लिए। मेरी मां का अकाउंट पब्लिक था और जब यह सब हो रहा था, तो पहले दो दिनों तक मैं केवल अपने बारे में सोच रही थी। अपूर्वा ने कहा, 'मेरी मां को बहुत सारे अपशब्द और रेप की धमकियां मिलीं। मुझे तीन दिन तक पता नहीं चला। मैंने अपने भाई को फोन किया और उसने मुझे बताया कि मां का ब्लड प्रेशर बढ़ गया है। इससे दिल का दौरा पड़ सकता है।

सना मकबूल बोलीं- मेरी मर्जी मैं चाहे जैसी दिखूं...

मुंबई। बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 की विनर सना मकबूल के फैन पेज द्वारा एक वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो में अभिनेत्री ट्रोलर्स को करारा जवाब देती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बढ़े हुए वजन को लेकर बॉडी शेम किए जाने पर प्रतिक्रिया दी है। वीडियो में उन्होंने साझा किया कि शायद लोगों को नहीं पता कि वह किस दौर से गुजर रही हैं। वीडियो पर गुरुवार 1 मई का तारीख भी लिखी है। वायरल हो रहे वीडियो में सना को कहते हुए सुना जा सकता है, 'हाय दोस्तों, आप में से बहुत से लोग मुझसे कह रहे हैं कि मेरा वजन बढ़ गया है। गाल भर गए हैं। सच कहूं तो पहले इस बात का फर्क पड़ता था, लेकिन अब फर्क नहीं पड़ता। मेरी बॉडी है। मैं चाहे जैसी भी लगूं, जैसा भी हो यह मेरा शरीर है। यह मेरी मर्जी है कि मैं कैसी दिखूं। मुझे लगता है कि मैं शानदार दिखती हूं। मैं शानदार हूं।'

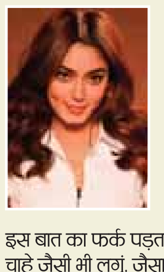

'चीजें थाली में सजा कर नहीं मिलती'

मुंबई। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट यानी वेव्स समिट का आगाज मायानगरी मुंबई में एक मई को हुआ। इस समिट का आगाज पीएम मोदी ने किया। इसमें फिल्मी दुनिया से जुड़े तमाम बड़ी हस्तियों ने भी हिस्सा लिया। बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान ने भी समिट में हिस्सा लिया और फिल्म इंडस्ट्री में इनसाइडर और आउटसाइडर यानी अंदर से जुड़े लोगों और बाहर से आए नए कलाकारों के बीच के फर्क पर खुलकर बात की। वेव्स 2025 सम्मेलन के दौरान शाहरुख खान ने कहा, मैं एक बात साफ करना चाहता हूं 'भूख' एक बहुत बड़ा शब्द है। मुझे इनसाइडर और आउटसाइडर के बीच बनाए गए भेद से दिक्कत है। शाहरुख की यह बात एक गहरी और समझदारी भरी चर्चा की शुरुआत थी। उनके शब्द सीधे दिल को छूने वाले थे।

सेल्फी ना लेने पर ट्रोल हुए अल्लू

मुंबई। अल्लू अर्जुन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिनेता अल्लू अर्जुन एक प्रशंसक के साथ सेल्फी लेने से इनकार करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद यूजर्स ने उनके इस रवैये के लिए अभिनेता की आलोचना करनी शुरू कर दी। दरअसल, शुक्रवार को अल्लू अर्जुन 'वेव्स 2025' में हिस्सा लेने के लिए मुंबई पहुंचे थे। इस दौरान जैसे ही वह अपनी कार से बाहर निकले उनके एक प्रशंसक ने उनके सेल्फी के लिए अनुरोध किया। हालांकि, अभिनेता उसके साथ फोटो लेने के लिए नहीं रुके। बल्कि उसके कंधे पर हाथ थपथपाते हुए चले गए। उनके सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा भी फैन को हटने का इशारा करते हुए देखा गया।अभिनेता का यह रवैया सोशल मीडिया यूजर्स को पसंद नहीं आया।

फुलेरा में सज गया चुनावी मैदान होगा जोरदार घमासान...

मुंबई। फुलेरा गांव की 'पंचायत' वापस आ रही है। प्राइम वीडियो के पसंदीदा शो 'पंचायत' के चौथे सीजन का टीजर आज जारी हो गया है। जो इस बात की झलक दिखाता है कि इस बार फुलेरा में प्रधानी का चुनाव होने जा रहा है। प्रधान जी के सामने एक बार फिर भूषण यानी कि बनराकस चुनौती बनकर खड़ा है। अब चुनाव का नतीजा क्या रहता है और क्या भूषण प्रधान जी पर भारी पड़ेगा, ये 2 जुलाई को ही पता चलेगा। प्राइम वीडियो की ओर से इस टीजर को ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर जारी किया गया है। टीजर की शुरूआत होती है एक वॉइस ओवर और पंचायत के कुछ सीन के साथ। वॉइस ओवर में कहा जाता है, "भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और इस लोकतंत्र का एक छोटा सा हिस्सा है हमारा फुलेरा गांव। जहां इस साल होगा बड़ा घमासान, जब इलेक्शन में लड़ बैठेंगे हमारे प्रधान जी और भूषण। आइयेगा जरूर हमारे फुलेरा का चुनाव देखने।"

इस बार थीम है 'सुपरफाइनः टेलरिंग ब्लैक स्टाइल'

कल सजेगी मेट गाला की महफिल, 76 साल पहले हुई थी शुरुआत

__लॉस एंजिलिस।__ फैशन की सबसे बड़ी शाम और सबसे बड़े फैशन शो मेट गाला में शिरकत करना हर सेलेब्रिटी के लिए एक उपलब्धि की बात होती है। हर साल की तरह इस बार भी मेट गाला वापस आ रहा है। 5 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट में एक बार फिर से मेट गाला की महफिल सजने वाली है। दुनिया भर की मशहूर हस्तियां और डिजाइनर अपनी थीम के अलग-अलग पोशाकों में नजर आएंगे। जानते हैं मेट गाला की इस बार की थीम के बारे में और इसमें कौन-कौन हस्तियां होंगी शामिल।

1948 में हुई मेट गाला की शुरूआत : सबसे पहले जिनको नहीं पता उन्हें ये बता दें कि मेट गाला है क्या और इसकी शुरूआत कबसे हुई। मेट गाला एक चैरिटी इवेंट है, जो हर साल न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट्स के कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट में आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम की शुरूआत साल 1948 में सोसाइटी मिडनाइट डिनर के रूप में हुई थी।

कौन करता है मेट गाला की थीम का चयन : मेट गाला का आयोजन और इसकी अध्यक्षता वोग मैगजीन की एडिटर-इन-चीफ अन्ना विंटोर साल 1995 से कर रही हैं। आमतौर पर इसका आयोजन हर साल मई के पहले सोमवार को किया जाता है। इस बार भी इसका आयोजन इसी दिन पर किया जा रहा है। वहीं मेट गाला की थीम का चयन भी एना विंटोर ही करती हैं। साथ ही मेहमानों का चयन भी एना विंटोर और उनकी टीम करती है।

मेट गाला 2025 की थीम

इस बार मेट गाला 2025 की थीम 'सुपरफाइनः टेलरिंग ब्लैक स्टाइल' है, जो फैशन के जरिए ब्लैक आइडेंटिटी की अहमियत को दिखाएगा। जबकि इस बार ड्रेस कोड 'टेलर्ड फॉर यू' रखा गया है, जिसमें मेन्स वियर और सूटिंग पर ध्यान दिया जाएगा। इस बार की थीम मोनिका एल. मिलर की 2009 की किताब 'स्लेव्स टू फैशनः ब्लैक डैंडीज्म एंड द स्टाइलिंग ऑफ ब्लैक डायस्पोरिक आइडेंटिटी' से प्रेरित है।

दुनियाभर की इन दिग्गज हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद

मेट गाला में सबकी नजरें टिकी होती हैं इसकी गेस्ट लिस्ट पर। हर कोई ये जानना चाहता है कि मेट गाला में कौन-कौन गेस्ट शामिल होंगे। इस बार की भी लिस्ट जो सामने आ रही है, उसमें दुनियाभर की कई दिग्गज हस्तियां शामिल हैं। अब तक सामने आ रही रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार रेड कार्पेट पर जो हस्तियां शामिल होंगी, उनमें जॉय किंग, मिरांडा केर, क्लो सेविग्नी, क्लैरो और एम्मा चेम्बरलेन के नाम शामिल हैं। इसके अलावा हॉलीवुड से निकोल किडमैन और जो सलदाना, मोनिका बारबरो, डैमसन इदरीस और मैल्कम वाशिंगटन के भी मेट गाला 2025 में शिरकत करने की उम्मीद है। साथ ही टर्नर-स्मिथ, जैनिक्जा ब्रावो और मॉडल उगबाद अब्दी भी रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरती नजर आएंगी।

बेमौसम बारिश व ओले गिरने से मौसम के मिजाज बदले

ओला वृष्टि और बारिश से अन्नदाता फिर संकट में

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में शनिवार की दोपहर मौसम विभाग की चेतावनी के मुताबिक पश्चिमी विक्षोप की वजह से मौसम ने अचानक करवट ली और 15 मिनिट तक की तेज बारिश के बीच ओला वृष्टि हुई। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से अन्नदाता एक बार फिर संकट में आ गया। कटाई के बाद जिन किसानों का गेहूं खेतों में या खरीदी केंद्र के बाहर पड़ा है उस गेहूं की चमक फीकी पड़ने की संभावना हैं। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में बदलाव आया और बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की वजह से सबकुछ अस्त-व्यस्त हो गया। बेमौसम बारिश और ओला गिरने से गेहूं व चना सहित अन्य दलहनी फसलों को भारी नुकसान हुआ।

▶ गेहूं की कटी फसल को क्षति

बेमौसम बारिश व ओला वृष्टि की वजह से जिन किसानों के गेहूं की फसल कटकर खलियानों मे रखी है या जिन किसानों का गेहूं तुलाई के लिए खरीदी केंद्रों के बाहर पड़ा है उसे नुकसान पहुंचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार की वजह से पनागर तहसील के ग्राम खजरी खिरिया, बरौदा, मचला, सिहोरा तहसील के गोसलपुर, रामपुर, दर्शनी, पौड़ापौडी, पाटन तहसील के ग्राम खिरवा, बरगी तहसील के खिरका खेड़ा सहित अन्य गांव में कटाई के बाद रखी गेहूं की फसल भींग गई। वहीं दलहनी फसलों में उड़द, मसूर, सरसों की फसलों की अभी बुवाई हुई है। उसको भी आंशिक क्षति पहुंची है।

▶ ऐसे रहे मौसम के मिजाज

मौसम विभाग की मानें तो राजस्थान के ऊपर बने चक्रवात के कारण हालत बिगड़े। अचानक बादल छायें और बारिश होने लगी। उसके बाद मौसम खुल गया और धूप भी निकली। बेमौसम ओला पानी से पिछले 24 घंटे के दौरान तापमान में गिरावट आई। नगर का अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सामान्य से 1 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 25.0 सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया है। कुल वर्षा 03.02 मिलीमीटर हुई। अब तक बेमौसम बारिश 10.03 मिलीमीटर हो चुकी है। सुबह की आर्द्रता 56 प्रतिशत और शाम की 56 प्रतिशत दर्ज की गई है। सूर्योदय सुबह 5.35 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 6.39 मिनिट पर होगा।

▶ तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी

स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले 24 घंटों के दौरान भी संभाग के कुछ जिलों में कही कही वर्षा, गरज चमक के साथ ओला वृष्टि की चेतावनी दी है। वहीं 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी भी दी है। पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिणी हवायें 6 से 7 प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। प्रदेश में सबसे अधिक 44.2 डिग्री तापमान रतलाम जिले में दर्ज किया गया।

▶ 15 से 20 ग्राम के गिरे ओले

शनिवार की दोपहर में शहर का नजारा ही बदल गया, सुबह से आसमान पर बादलों की आवाजाही बनी रही। दोपहर 2 बजे के लगभग अचानक पानी के साथ ओले गिरना शुरु हो गए, जिससे लोग इधर से उधर भागते नजर आए, वाहनों की रफ्तार अचानक कम हो गई, लोग सिर छिपाने के लिए जगह तलाशते नजर आए, प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो कहीं 15 से 20 ग्राम के वजनी के ओले गिरे है।

▶ बारिश के बीच विद्युत व्यवस्था छिन्न भिन्न

बारिश के दौरान चली हवाओं की वजह से बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई। हनुमानताल, अंधेर देव, मदार टेकरी, सराफा, अधारताल, फूटाताल, गुरंदी, घमापुर आदि क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था प्रभावित हुई। करीब 4 घंटे के बाद विद्युत व्यवस्था बहाल हो सकी इस बीच बिजली का आना जाना लगा रहा। रिछाई फीडर इमलिया में लाइट बंद हुई तो आने का नाम ही नहीं ली।

आवासीय कालोनी विकसित करने के अनुबंध से जुड़ा बहुचर्चित प्रकरण

एक करोड़ 72 लाख की धोखाधड़ी के आरोपित संदीप ठाकुर को जमानत नहीं

▶ कोर्ट ने कहा-छल व आपाधिक न्याय भंग गंभीर प्रकृति का आरोप, नहीं दे सकते राहत

हरिभूमि जबलपुर।

जिला अदालत ने एक करोड़ 72 लाख की धोखाधड़ी के आरोपित बजरंग नगर, करमेता, माढ़ोताल निवासी संदीप ठाकुर को जमानत देने से इनकार कर दिया। अपर सत्र न्यायाधीश महिमा कछवाहा की कोर्ट ने आरोपी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। मामला आवासीय कालोनी विकसति करने के अनुबंध से संबंधित है। कोर्ट ने पूरे मामले का अवलोकन करने के बाद अपने आदेश में साफ किया कि प्रथमदृष्ट्य आरोपित के निर्दोष होने की संभावना प्रकट नहीं हो रही है। छल व आपाधिक न्याय भंग गंभीर प्रकृति का आरोप है, इसलिए जमानत नहीं दी जा सकती।

मामले की सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक सरोज तिवारी व आपत्तिकर्ता मेसर्स गजानंद डवलपर्स पार्टनर पंकज सराफ, प्रकाश अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता रवींद्रनाथ चतुर्वेदी ने जमानत आवेदन का विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि आरोपित आवेदक के विरुद्ध माढ़ोताल पुलिस ने धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। उस पर आरोप है कि उसने रिमझा स्थिति आपत्तिकर्ताओं की कृषि भूमि में आवासीय कालोनी विकसित करने का अनुबंध किया था। दो माह में विकास कार्य पूर्ण करने का वादा किया था। आपसी सहमति से यह अवधि तीन माह तक बढ़ाई जा सकेगी। इसके साथ ही 850 रुपये वर्गफीट के हिसाब से भूखंडों का विक्रय आवेदक विकासकर्ता की हैसियत से करेगा। प्राप्त होने वाली राशि भूमि स्वामी आपत्तिकर्ताओं को देगा। लेकिन आवेदक ने ऐसा नहीं किया। कई बार भुगतान के लिए कहने पर भी राशि हड़पे रहा। यहां तक कि आपत्तिकर्ताओं को परिवार सहित जान से मारने की धमकी पर उतारू हो गया। इस वजह से आपत्तिकर्ता व उनके परिवार असुरक्षित अनुभव कर रहे हैं। यदि जमानत का लाभ मिला तो आवेदक साक्ष्यों को प्रभावित कर सकता है। अदालत ने तर्क से सहमत होकर जमानत देने से इनकार कर दिया।

पूर्व आदेश का पालन कर रिपोर्ट पेश करें, वरना आयुक्त उच्च शिक्षा वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हाजिर हों

▶ हाईकोर्ट का निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक अवमानना मामले में शासन को निर्देश दिए कि पूर्व आदेश का पालन कर रिपोर्ट पेश करें, वरना आयुक्त उच्च शिक्षा वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हाजिर हों। जस्टिस एके सिंह की सिंगल बेंच ने मामले पर अगली सुनवाई 19 जून को नियत की। डीएन जैन महाविद्यालय जबलपुर से सेवानिवृत्त ग्रंथपाल अशोक गुप्ता की ओर से अधिवक्ता प्रभात कुमार असाटी ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट ने 9 मई 2024 को विभाग को निर्देश दिए थे कि याचिकाकर्ता को 8 प्रतिशत ब्याज के साथ सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाए। आदेश का पालन नहीं होने पर अवमानना याचिका दायर की गई। कोर्ट को बताया गया कि शासन की ओर से प्रस्तुत रिव्यू और अपील भी निरस्त हो चुकी है, इसके बावजूद आदेश का पालन नहीं हुआ। आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग की ओर से आदेश पालन की रिपोर्ट पेश करने 4 सप्ताह की मोहलत मांगी।

सिमरिया गांव में महिलाओं का हल्ला बोल

लाठियां लेकर शराब दुकान बंद कराने पहुंचीं महिलाएं

हरिभूमि जबलपुर।

चरगवां से लगभग 15 किलोमीटर दूर आदिवासी बहुल सिमरिया गांव शनिवार को उस समय चर्चा में आ गया जब दर्जनों महिलाएं लाठियां डंडे लेकर शराब दुकान खोले जाने के विरोध में निर्माण स्थल पर पहुंच गर्इं। महिलाओं की इस कार्रवाई से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। विरोध की खबर मिलते ही आबकारी विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन महिलाओं का आक्रोश शांत नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, सिमरिया गांव में शराब की एक नई दुकान खोली जा रही थी और ठेकेदार ने निर्माण कार्य शुरू भी कर दिया था। जैसे ही गांव की महिलाओं को इस बात की भनक लगी, वे अन्य आसपास के गांवों की महिलाओं के साथ लाठी-डंडे लेकर स्थल पर पहुंच गर्इं और निर्माण कार्य को तुरंत रुकवा दिया। पुलिस और आबकारी अधिकारियों ने महिलाओं को समझाने की कोशिश की, लेकिन महिलाओं ने साफ कहा कि अगर यह दुकान खुली, तो गांव का माहौल बिगड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी गांवों में शांति और सुरक्षा का माहौल है, लेकिन शराब दुकान खुलने से न सिर्फ पुरुषों में शराबखोरी बढ़ेगी, बल्कि नाबालिग बच्चे भी इसकी चपेट में आ सकते हैं।

शराब विरोध में बनी महिलाओं की टीम

स्थानीय महिलाओं का कहना है कि वे वर्षों से अपने घर के पुरुषों की शराबखोरी से परेशान हैं। आए दिन घरेलू हिंसा, आर्थिक तंगी और बच्चों की उपेक्षा जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में उन्होंने एक स्वयंसेवी टीम बनाई है जो नई शराब दुकानों का विरोध कर रही है, और जल्द ही पहले से चल रही दुकानों के खिलाफ भी मोर्चा खोलने की तैयारी कर रही है। महिलाओं का कहना है, ''जहां भी शराब की दुकान खुलती है, वहां महिलाओं का जीवन दूभर हो जाता है। छोटी उम्र के बच्चे भी इसकी लत में पड़ जाते हैं, और पूरा सामाजिक ढांचा चरमरा जाता है।

धरने की चेतावनी

महिलाओं ने प्रशासन को साफ चेतावनी दी है कि यदि शराब दुकान का निर्माण कार्य तुरंत नहीं रोका गया, तो वे वहीं पर धरने पर बैठ जाएंगी। इस विरोध के बाद अब प्रशासन की ओर से स्थिति की समीक्षा की जा रही है, लेकिन महिलाओं के तेवर से साफ है कि वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

कलेक्टर व एसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 5 मई को रिवझा और पवई के प्रस्तावित कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर दीपक सक्सेना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत व अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ मझौली के पास स्थित रिवझा और पाटन विकासखंड के उड़ना के पास स्थित पवई में आयोजित कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं के साथ हेलीपेड का भी जायजा लिया। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त आयोजित कार्यक्रमों की सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सक्सेना ने मझौली स्थित विष्णु बराह मंदिर पहुंचकर भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि रिवझा और पवई दोनो जगह भागवत कथा आयोजित होंगे।

जेल आर्केस्ट्रा के कलाकार बाहर भी दिखा सकेंगे हुनर

चीफ जस्टिस ने सृजनशील बंदियों को प्रोत्साहन राशि के दिए निर्देश

▶ कारागारों में बृहद स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन
▶ बंदियों ने पेंटिंग व चरखा का उपहार भेंट किया
▶ हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति की पहल

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में हाई कोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर अंतर्गत आने वाली समस्त जेलों में बृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत ने पेंटिंग, स्कैच बनाने वाले व आर्केस्ट्रा के कलाकार बंदियों के अलावा योगा टीम के बंदियों के खातों में एक हजार रुपये प्रोत्साहन राशि जमा करने के निर्देश विधिक सहायता अंतर्गत प्रदान किए।

चीफ जस्टिस कैत ने जेल आर्केस्ट्रा के कलाकारों को बाहर भी कार्यक्रम करने की अनुमति के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के भी निर्देश दिए। जेल में बंदियों द्वारा निर्मित समोसे तथा अन्य व्यंजनों के विक्रय हेतु प्रोत्साहन के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश को जेल बंदियों द्वारा बनाई गई पेंटिंगग व चरखा भेंट किया गया।

गार्ड आफ आनर दिया

इस कार्यक्रम में सीजे सुरेश कुमार कैत, प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव कुमार सचदेवा, न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन, न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल का पुष्पगुच्छ से स्वागत करने के साथ ही गार्ड आफ आनर दिया गया। इसी के साथ बृहद स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ हुआ। मुख्य न्यायाधीश सहित अन्य ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की शयिका पर पुष्पांजलि अर्पित की। वार्ड का अवलोकन किया। जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर द्वारा कार्यक्रम का परिचय दिया गया। केन्द्रीय जेल जबलपुर का भौतिक रूप से तथा अन्य जेलों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों का वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से अवलोकन करके शिविर के संबंध में चर्चा की गई। बंदियों को सम्बोधित भी किया गया। शिक्षा एवं विधिक सहायता तथा प्रशिक्षण व पुनर्वास पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में जेल बंदियों द्वारा मनमोहक गायन की भी प्रस्तुतियां दी गंई। जेल में बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों का भी अवलोकन किया गया। जेल पाकशाला, बंदी योगा व जेल अस्पताल, जेल बंदी बैरिक व जेल वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग का भी अवलोकन किया गया है।

इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जबलपुर आलोक अवस्थी, सदस्य-सचिव मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप मित्तल, रजिस्ट्रार जनरल धरमिन्दर सिंह, रजिस्ट्रार/सचिव हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति जबलपुर अर्चना सिंह, रजिस्ट्रार न्यायिक वंदन मेहता, अतिरिक्त-सचिव अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शक्ति वर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी प्रदीप सिंह, दिग्विजय सिंह, शक्ति रावत का सहयोग रहा। अधिष्ठाता, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कालेज के आदेशानुसार जेल में पुरूष महिला बंदियों का विशेष स्वास्थ्य परीक्षण किये जाने हेतु कैम्प में जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, अस्थि रोग, स्किन एंड वीडी, गायनिक, डेंटल, न्यूरोलाजी, मनोरोग, नेत्र, शिशु, कैसर, नेफ्रोलाजी, ईएनटी विभाग के 17 चिकित्सकों के द्वारा 410 पुरूष बंदी, 52 महिला बंदी तथा 06 बच्चों सहित कुल 468 का चैकअप किया गया है।

शहर के घरों में नर्मदा जल पहुंचाना हमारा दायित्व : निगमाध्यक्ष

जबलपुर। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत 312 करोड़ रूपये से होने वाले कार्य की शुरूआत हो गई है। 312 करोड़ रूपये में से सबसे बड़ी राशि केन्ट विधानसभा क्षेत्र को दी गई है, जिसके अंतर्गत शनिवार को तिलहरी के रानी अवंती बाई वार्ड में उच्चस्तरीय पानी टंकी के निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी एवं नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज ने किया। इस अवसर पर महापौर अन्नू ने जानकारी देते हुए बताया कि अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत 312 करोड़ रूपये की राशि से होने वाले कार्य का प्रारंभ नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज के वार्ड से हुई है। उन्होंने बताया कि कल दिनांक 04 मई से ही निर्माण कार्य शुरू होगा।

भूमिपूजन समारोह के अवसर पर केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने ज केन्ट विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों का नर्मदा जल पाने की सौगात से अभिभूत हुए और कहा कि केन्ट विधान सभा क्षेत्र के नागरिकों का आज सपना साकार हुआ है। उच्चस्तरीय पानी की टंकी का निर्माण शुरू होना नागरिकों के लिए एक बड़ी सौगात है। उन्होंने बताया कि अब शहर के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के साथ-साथ केन्ट विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों के घरों में भी नर्मदा जल पहुँचेगा। इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज ने शहर के सभी घरों में भी नर्मदा जल पहुंचाना हमारा दायित्व था। जिसके लिए हम सभी प्रयास किये और आज उसका परिणाम जमीनीधरातल पर दिखाई देने लगा है। भूमिपूजन समारोह के दौरान एम.आई.सी. सदस्य दामोदर सोनी, पार्षद सुश्री कृष्णा चौधरी, पवन यादव, संजय ठाकुर, बलराम बागड़ी, महेन्द्र सिंह, संतोष वैरागी, आशीष झारिया, राजेश रजक, सीताराम यादव, अमर सिंह महोबिया, नितिन भरोसा, ओमप्रकाश खत्री, प्रदीप, नीरज बसेड़िया, भारत बिरहा, सुनील तिवारी, स्वदेश मलिक, नरेन्द्र महोबिया, पवन महोबिया, मनीष महावत, विशाल तिवारी एवं अन्य सभी गणमान्य नागरिक मंच पर उपस्थित रहे। मंच का संचालन श्रीमती विभा उपाध्याय एवं आभार प्रदर्शन सौरभ गोयल ने किया।

पाटन में सिविल अस्पताल का शुभारंभ और नुनसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री

हरिभूमि जबलपुर।

प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है और आने वाले समय में मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव देखने मिलेंगे। ये विचार उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नुनसर में लगभग 2 करोड़ 95 लाख रुपये से बने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये व्यक्त किये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करना है, ताकि लोगों को स्थानीय स्तर पर ही अच्छा उपचार मिल सके और उन्हें इलाज के लिये जिला अस्पताल या शहर की ओर न जाना पड़े।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने नुनसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण करने के पहले पाटन में सिविल अस्पताल का शुभारंभ किया। उन्होंने करीब 12 करोड़ रूपये की लागत से बने सिविल अस्पताल की ओपीडी, आईसीयू, एनबीएसयू, एनआरसी, एक्स-रे और पैथालॉजी कक्ष सहित प्रत्येक वार्ड का भ्रमण किया और उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर सांसद आशीष दुबे, विधायक अजय विश्नोई, आदर्श विश्नोई, नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह एवं भाजपा के ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल उनके साथ थे।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नुनसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये बताया कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने राज्य सरकार ने साढ़े तीन हजार चिकित्सकों की तथा दस हजार पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टॉफ के साथ ही आउटसोर्स से सोलह हजार कर्मियों भर्ती भी की जा रही है। इनमें सफाई कर्मी, सुरक्षा कर्मी एवं अन्य जरूरी स्टाफ शामिल होगा।

उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कटंगी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल में उन्नयन के विधायक अजय विश्नोई के आग्रह को स्वीकार करते हुये कहा कि जल्दी ही इसका परीक्षण कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने उप स्वास्थ्य केंद्रों का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उन्नयन करने फिजिबिलिटी टेस्ट कराया जा रहा है। इसमें उपयुक्त पाये जाने पर स्वास्थ्य केंद्रों का उन्नयन का निर्णय लिया जाएगा।

सांसद आशीष दुबे ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नुनसर के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये पाटन विधानसभा क्षेत्र के निवासियों को एक साथ दो बड़ी सौगात मिलने पर बधाई दी।

विधायक अजय विश्नोई ने लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये पाटन में सिविल अस्पताल और नुनसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना को वर्षों पहले देखे सपने को साकार होने जैसा बताया। उन्होंने बताया कि नुनसर में जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को स्वीकृति दी गई थी तब जमीन की उपलब्धता एक कठिनाई थी। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की भूमि का चयन इसके लिये किया गया और स्वास्थ्य विभाग को हस्तातंरण की प्रक्रिया पूरी की गई। विश्नोई ने इस मौके पर पाटन में सिविल अस्पताल को उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा क्षेत्र की जनता को दी गई बड़ी सौगात बताया और इसके लिये जनता की ओर से उनका आभार जताया। उन्होंने बताया कि पाटन का अस्पताल पहले 30 बिस्तरों का था अब यह 100 बिस्तरों के सिविल अस्पताल में तब्दील हो गया है।

विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल ने की नाम बदलने की घोषणा

मेडीकल यूनिवर्सिटी अब महर्षि सुश्रुत के नाम से जानी जाएगी

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र के राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगूभाई पटेल ने यहां घोषणा की, कि मेडीकल आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर अब महर्षि सुश्रुत आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि आयुर्विज्ञान हमें विरासत में मिला है। हमारी संस्कृति के मूल्यों में यह समाहित है। शल्य चिकित्सा (सर्जरी) के पितामाह और सुश्रुत संहिता के प्रणेता आचार्य सुश्रुत का जन्म छटवीं शताब्दी ईसा पूर्व काशी में हुआ था। उन्होंने भगवान धनवंतरी से शिक्षा ग्रहण की थी। उन्हें विश्वामित्र का पुत्र भी कहा जाता है। राज्यपाल यहां नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्टेट कल्चर ऑडिटोरियम घंटाघर में आयोजित मेडीकल यूनिवर्सिटी के द्वितीय दिक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने कहा कि मेडीकल छात्रों को चिकित्सा विज्ञान के आधुनिक ज्ञान से परिचित होना आवश्यक है। उन्होंने आव्हान किया कि सभी चिकित्सक सेवा भावना के साथ मरीजों का उपचार करें और चिकित्सा विज्ञान में नए नए कीर्तिमान स्थापित करने अनुसंधान में भी ध्यान दें।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, मेडीकल यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ अशोक खंडेलवाल, रजिस्ट्रार डॉ पुष्पेंद्र बघेल भी मंचासीन थे। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुलगुरु ने शब्दसुमन से अतिथियों का स्वागत किया। रजिस्ट्रार डॉ बघेल ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

श्योपुर और सिंगरौली में खुलेंगे मेडीकल कॉलेज : शुक्ल

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने इस अवसर पर घोषणा की, कि मप्र के श्योपुर व सिंगरौली जिलें में शीघ्र ही मेडिकल कालेज खोले जाएगें. उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी मेडीकल कॉलेज में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने के लिए सरकार कृत संकल्पित है। शीघ्र की चिकित्सकों के खाली पद भरे जायेंगे और स्वास्थ्य सुविधाओं व संस्थानों को अपडेट किया जाएगा।

महापौर ने मांगी एम्स की सौगात

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने दीक्षांत समारोह में प्रदेश के डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री से मांग की थी कि जबलपुर जैसे संभागीय मुख्यालय में एम्स हॉस्पिटल की सौगात मिलें तो बहुत लाभकारी होगा, इससे न केवल जबलपुर बल्कि आसपास के जिलों के लोग भी लाभान्वित होंगे। समारोह को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने भी संबोधित किया।

76 छात्र छात्राओं को मिले गोल्डमैडल

दीक्षांत समारोह में 76 छात्र, छात्रों को गोल्ड मैडल प्रदान किए गए। समारोह में 32 हजार छात्र छात्राओं की उपाधि मान्य की जाएंगी. भावी चिकित्सकों ने पीड़ित मानवता की सेवा करने की शपथ भी ली हैं।

ये रहे मौजूद

दीक्षांत समारोह में कलेक्टर दीपक सक्सेना, एसपी संपत उपाध्याय, अपर कलेक्टर श्रीमति मिशा सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आनंद कलादंगी, मेडीकल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलगुरु डॉ डीपी लोकवाणी, डॉ राजेश धीरावाणी, मेडीकल कॉलेज के डीन नवीन सक्सेना, प्राशासनिक अधिकारी व चिकित्सक जगत की हस्तियां मौजूद रही।

नर्मदा तटों पर स्नान दान के साथ धार्मिक आयोजन

गंगा सप्तमी पर नर्मदा तटों में उमड़ी भीड़

जबलपुर। नर्मदा भक्तों के लिए शनिवार का दिन हर्षित करने वाला दिन रहा क्योंकि गंगा सप्तमी पर मां गंगा, नर्मदा जी से मिलने के लिए आईं और इस मिलन के योग में नर्मदा तटों में लोगों ने स्नान, पुण्य दान कर अपने जीवन को धन्य किया। इस मौके पर सुबह से ही गौरीघाट, उमाघाट, तिलवाराघाट, भेड़ाघाट में स्नानार्थियों का मेला लगा रहा। नर्मदा तटों पर विभिन्न धार्मिक आयोजन भी हुये। गौरतलब है कि वर्ष में दो बार मां गंगा अपनी बहन नर्मदा जी से मिलने के लिए आती हैं। पहला गंगा सप्तमी और दूसरा गंगा दशहरा को। इसके लिए नर्मदा तट में विशेष तौर पर श्रद्धालु मां नर्मदा और मां गंगा का पूजन करने के लिए पहुचंते हैं। शनिवार को नर्मदा पावन तट का नजारा ही अलग था। बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाट पर पहुंचे। सबसे पहले भक्तों ने स्नान किया, नर्मदाष्टक का पाठ किया उसके पश्चात मां रेवा की आरती की। इस दौरान हर तरफ नर्मदे हर-हर का जयघोष गूंज रहा था।

खबर संक्षेप

प्रो. अरुण शुक्ल, हिन्दी अध्ययन मंडल के अध्यक्ष नियुक्त

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय जबलपुर के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल को हिन्दी अध्ययन मंडल, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने प्रो. अरुण शुक्ल को अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाऐं प्रेषित करते हुये हर्ष व्यक्त किया।

इंटक ने मनाया अपना स्थापना दिवस

जबलपुर। इंटक स्थापना दिवस के अवसर पर 03 मई को इंटक कार्यालय एल-1 हाथीताल कॉलोनी जबलपुर में इंटक नेता कृपाशंकर वर्मा की अध्यक्षता में इंटक संगठनों की मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में मप्र इंटक मंत्री-द्वय शंकरदयाल शर्मा एवं विनोद पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि केन्द्र व राज्य सरकारों की मजदूर, किसान एवं जनविरोधी नीतियों के विरोध में केन्द्रीय श्रम संगठनों ने अभा संयुक्त अभियान समिति इंटक, एटक, सीटू, एचएमएस, एआईटीयूसी सहित (एकमात्र बीएमएस को छोड़कर) सभी संगठनों ने 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है, इसे सफल बनाने 04 मई को रेलवे स्टेशन माल गोदाम के सामने रेलवे इंस्टीट्यूट के हॉल में मध्यान्ह 12 बजे से सभी यूनियन के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित है।

शांतम प्रज्ञा आश्रम में मनाई गई जगद्गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती

जबलपुर। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर शांतम प्रज्ञा आश्रम नशा मुक्ति, मनोआरोग्य, दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र गोहलपुर में पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आदि शंकराचार्य जी के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। आश्रम संचालक मनोवैज्ञानिक, दार्शनिक मुकेश कुमार सेन ने आदि शंकराचार्य जी के जीवन से संबंधित विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया आदि शंकराचार्यजी भारत के ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के महान दार्शनिक, तत्ववेत्ता, आध्यात्मिक गुरु हैं, उन्होंने निर्वाण शतकम, भज गोविंदम, एक श्लोकी जैसे महान ग्रंथों की रचना की। आज भी आदि शंकराचार्य का अद्वैत वेदांत दर्शन उतना ही प्रासंगिक है। साथ ही आश्रम में उपचार ले रहे नशा पीड़ितों ने निर्वाण शतकम और भज गोविंदम का सामूहिक गान कर शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

हज जाने वाले जायरीन का किया इस्तकबाल

जबलपुर। मस्जिद फैज़ाने मदीना में हज यात्रा पर जाने वाले हजरात का मोहम्मद जावेद अत्तारी अशरफी साहब ने हाजी सहीम, हाजी अब्दुल वहीद का इस्तकबाल किया, इस दौरान मन्सूर भाई, साबिर भाई, जहीर भाई, अदील भाई, आकीब भाई ने भी मुबारकबाद दी।

ग्रीष्मकालीन मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शुभारंभ आज

जबलपुर। मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी ऑफ इंडिया के संस्थापक अंतरराष्ट्रीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षक राजकुमार यादव ने बताया कि मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी ऑफ इंडिया, जिला जुजित्सु संघ जबलपुर एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 04 मई से 15 जून तक किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ आज 04 मई को मानव क्रीड़ा एवं कला एकेडमी ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा रॉक फोर्ड सोफ्टसोल परिसर महानद्दा मदन महल जबलपुर में किया जा रहा है।

संत रविदास विचार मंच की सभा आज

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 04 मई को मध्यान्ह 12.30 बजे से लालमाटी झामनदास चौक खेरमाई मंदिर में मंच की सभा आयोजित है। इस सभा के मुख्य अतिथि शारदा प्रसाद चौधरी होंगे, अध्यक्षता रामसिपाही सेठ करेंगे। मंच के राहुल चौधरी, एड. प्रहलाद चौधरी, श्यामलाल चौधरी, नेमचंद्र सूर्यवंशी, कमल चौधरी, रामसिपाही सेठ, रामबाई, सियाबाई, चंदाबाई, मीना चौधरी, गुड्डीबाई सहित अन्य ने सभा में उपस्थिति का आग्रह किया है।

जाति जनगणना की समय-सीमा के साथ हिस्सेदारी भी अनुपात में तय हो

जबलपुर। शहर के विविध सामाजिक संगठनों ने प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर इस पहल को सामाजिक समावेशन की दिशा में युगांतकारी कदम करार दिया है। इन संगठनों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर जाति जनगणना की स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करने की पुरजोर मांग रखी। इस ज्ञापन में आग्रह किया गया कि जनगणना की प्रक्रिया को शीघ्र शुरू किया जाए, ताकि वंचित और हाशिए पर खड़े समुदायों को उचित प्रतिनिधित्व और संसाधनों का न्यायोचित वितरण सुनिश्चित किया जा सके। प्रतिनिधि मंडल ने इस ऐतिहासिक निर्णय पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव तथा दक्षिण भारत के कई प्रबुद्ध नेताओं के प्रति आभार भी प्रकट किया, जिन्होंने जातिगत आंकड़ों के संकलन की पुरज़ोर वकालत की थी। ज्ञापन सौंपते समय रामरतन यादव, घनश्याम यादव, बैजनाथ कुशवाहा, नोखेलाल प्रजा, रामकुमार पटेल, नरेश चक्रवर्ती, शैलेश लोधी, इंद्र कुमार कुलस्ते, उपस्थित रहे। संगठनों का मानना है कि यह कवायद समाज के वास्तविक ढांचे को समझने का अवसर प्रदान करेगी, जिससे नीतिगत स्तर पर न्यायसंगत परिवर्तन संभव हो सकेंगे।

पवई धाम में श्री शिव समाराधन महायज्ञ का आयोजन

मन की थकान मिटाने की श्रेष्ठ औषधि है कथा: इंद्रेशजी महाराज

पाटन। शरीर की थकान मिटाने के अनेक उपाय हैं, अनेक दवाइयां है परंतु मन की थकान मिटाने की श्रेष्ठ औषधि श्रीमद् भागवत कथा है, वास्तव में कथा से सीखने वाले या कथा का अभिप्राय समझने वाले ही सच्चे श्रोता होते हैं। हमारे आपके अनेक जन्मों के जब पुण्य का उदय होता है तब हमें भगवान की कथा प्राप्त होती है। सभी वेदों का सरल भाव भागवत में विद्यमान है। जिस तरह मक्खन में दूध, दही, छाछ सभी तत्व होते हैं परंतु मक्खन की कीमत अधिक होती है, क्योंकि मक्खन सार है और सार की कीमत अधिक होती है, अंधकार दूर करने का सामर्थ्य घी में है, दूध में नहीं है, दूध से हम दीपक प्रज्वलित नहीं कर सकते। भागवत रूपी मक्खन हमारे ज्ञान रूपी दिए को जलाने वाला घी है। उक्त उद्गार पवई धाम अमरपुर में पूज्य संत महेंद्रानंद जी महाराज के सानिध्य में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के अवसर पर देश के ख्याति प्राप्त प्रवक्ता इंद्रेश जी महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वक्ता नारद का स्वरूप माना जाता है, अस्तु श्रोता की वक्ता के प्रति नारद दृष्टि होना चाहिए। जो वक्ता श्रोता को नारायण की प्राप्ति करा दे, वह नारद स्वरूप होता है। हमारा उद्देश्य यदि श्रेष्ठ है तो हमारी क्रिया भी वैसी होती है और मेहनत भले ज्यादा लगे पर उद्देश्य की श्रेष्ठता सफलता अवश्य दिलाती है। इंद्रेश उपाध्याय जी ने कहा कि कहा कि यह जबलपुर क्षेत्र अत्यन्त पुण्यवान है, क्योकि यह माँ नर्मदा का पवित्र तट है यहाँ जगत की माँ नर्मदा वास करती है, जिनमें शिव वास करते हैं।

प्रेम मंदिर में आज मनाया जाएगा भगवान चित्रगुप्त का प्राकट्योत्सव

जबलपुर। भगवान श्री चित्रगुप्त के प्राकट्योत्सव (गंगा सप्तमी) दिवस के अवसर पर संस्कारधानी के सभी मंदिरों में विभिन्न आयोजन होंगे, मुख्य आयाजन विश्व कायस्थ संगठन विकास के तत्वावधान में प्रेम मंदिर राइट टाउन में 04 मई को शाम 6.30 बजे से शुरू होंगे एवं हवन, पूजन, महाआरती के पश्चात भजन संध्या और सम्मान समारोह के साथ महाप्रसाद का वितरण होगा। आयोजन समिति के राजीव लाल श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, अविनाश निगम, हर्ष श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त का स्मरण करने मात्र से ही असंख्य पापों का क्षय होता है एवं पूजन, दर्शन से पुण्य का उदय होता है। साथ ही शिवहरि श्रीवास्तव, आनंद निधि, विनोद भटनागर ने बताया कि इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों एवं प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। संस्कारधानी के समस्त चित्रांश बंधुओं से सपिरवार आयोजन में उपस्थिति की अपील शिवहरि श्रीवास्तव, हरीश वर्मा, गोपाल श्रीवास्तव, ऋषि श्रीवास्तव, किरण श्रीवास्तव, कविता सिन्हा, डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, एड. रीना सक्सेना, डॉ. एसके वर्मा, महेन्द्र ब्यौहार, नीरज वर्मा, दुर्गे शश्रीवास्तव, मदन श्रीवास्तव सहित अन्य ने की है।

वन परिक्षेत्र के नये कार्यालय का लोकार्पण

सिहोरा। वन परिक्षेत्र सिहोरा के नवीन कार्यालय भवन के बन जाने से अब कर्मचारियों को कार्य करने के साथ आने वाले अन्य लोगों को परेशानी नहीं होगी उक्ताशय के विचार विधायक संतोष बरकडे ने वन परिक्षेत्र सिहोरा के नवीन भवन के लोकार्पण के अवसर पर व्यक्त किए। वन परिक्षेत्र कार्यालय एंव बाउंड्री बाल का निर्माण कैम्पा योजना से 24 लाख रुपये की लागत किया गया है। जिसमें कर्मचारियों के बैठने हेतु बढ़िया व्यवस्था कि गई है। इस अवसर पर ऋषि मिश्रा डीएफओ,मानिक लाल बरकडे एसडीओ,प्रदीप श्रीवास्तव एसडीओ जबलपुर, अपूर्व शर्मा एसडीओ पनागर, आदि उपस्थित थे।

सबसे पुरानी समस्या का होगा स्थाई समाधान : आशीष दुबे

- नगर के मठहा तालाब सौंदर्यीकरण का भूमिपूजन
- 93 लाख रुपए की लागत सुंदर बनेगा तालाब

हरिभूमि सिहोरा।

सरकार की अमृत 2 योजना से सिहोरा के बीचों बीच वार्ड क्रमांक 5 में स्थित मठहा तालाब का विकास होने से निश्चित रुप से क्षेत्रीय लोगों के लिए एक अच्छा एंव व्यवस्थित स्थल बनेगा जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुबह टहलने के लिए भी अच्छा होगा इस प्रोजेक्ट के माध्यम से नगर की सबसे पुरानी और बड़ी समस्या का स्थाई समाधान होगा एंव शहर के मध्य एक सुंदर धरोहर तैयार होगी। उक्ताशय के विचार जबलपुर सांसद आशीष दुबे ने मठहा तालाब सौंदर्यीकरण के भूमिपूजन अवसर पर व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन विधायक संतोष बरकडे,पूर्व विधायक दिलीप दुबे के विशिष्ट आतिथ्य एंव नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दुबे की अध्यक्षता में किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दुबे के प्रयासों से लम्बे समय के बाद आखिरकार मठहा तालाब के सौंदर्यीकरण के विकास की योजना बनने से नगरवासियों में हर्ष व्याप्त है सम्पूर्ण तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य अमृत 2.0 योजना में मिशन योजना अंतर्गत वाटर वॉडी रिज्यूविनेशन में 93.62 लाख की लागत से होगा। करीब दो दशक से यहां के निवासी इसकी गंदगी और बदबू से परेशान थे जिससे अब उन्हें निजात मिल जाएगी।

6 घंटे का चिंतन उपवास बना विचारों का आंदोलन

धर्मनिरपेक्ष भारत की पुकार, जबलपुर से उठी चेतना की आवाज़

जबलपुर। देश में बढ़ती सांप्रदायिकता और धर्म के नाम पर समाज को विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ जबलपुर से एक सशक्त वैचारिक संदेश सामने आया। शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ 'नाटी' शर्मा के नेतृत्व में टाउन हॉल स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा परिसर में आयोजित एक दिवसीय "चिंतन उपवास" ने संविधान की धर्मनिरपेक्ष आत्मा की पुकार को नया बल दिया। दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक चली इस मौन और शांतिपूर्ण तपस्या में न सिर्फ पार्टी कार्यकर्ता बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं और आम नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान बारिश हुई, लेकिन प्रतिभागियों का संकल्प डिगा नहीं। "हमारा चिंतन ही हमारा विरोध है" की भावना के साथ सभी उपस्थितजन डटे रहे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्री सौरभ शर्मा ने कहा, "यह उपवास केवल राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है। हमारा मौन ही हमारी आवाज़ है एक चेतावनी, कि भारत की आत्मा धर्मनिरपेक्ष है और हम उसकी रक्षा हर कीमत पर करेंगे। कार्यक्रम में शामिल मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री और विधायक लखन घनघोरिया ने इसे नफरत के खिलाफ प्रेम और संविधानिक मूल्यों की सच्ची अभिव्यक्ति करार दिया और इसे जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया।

श्रीमती कमला मिश्रा- नेहरू रेलवे कॉलोनी हाउबाग निवासी श्री चिंता हरण मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती कमला मिश्रा (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कंचन खत्री- बेदी नगर मदनमहल निवासी श्री राजेंद्र खत्री की धर्मपत्नी श्रीमती कंचन खत्री (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती चंद्रकांता शर्मा- चंसोरिया कम्पाउंड सदर निवासी श्री केबी शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रकांता शर्मा (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ओमकार सिंह- ककरैया तलैया गोरखपुर निवासी श्री दिलीप सिंह के पुत्र श्री ओमकार सिंह (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुंदरी देवी- दत्त टाउनशिप तिलहरी निवासी श्री वैद्यनाथ सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती सुंदरी देवी (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ममता बाई रैकवार- नई बस्ती माढ़ोताल निवासी श्री किशोरी लाल रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती ममता बाई उर्फ संतो रैकवार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री बुद्धसेन पटेल- सीओडी कॉलोनी सुहागी अधारताल निवासी श्री बुद्धसेन पटेल (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आभा आर्य- नेपियर टाउन निवासी श्री अशोक आर्य की धर्मपत्नी श्रीमती आभा आर्य (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शारदा चौधरी- कछियाना द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री शारदा चौधरी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कौशल कुमार मिश्रा- नगर परिषद के पास कैमोर निवासी श्री कौशल कुमार मिश्रा (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती निर्मला यादव- मोहनिया रांझी निवासी श्री राजकुमार यादव की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला यादव (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मोहन बाई- पोलीपाथर निवासी श्री रवि बालकिशन की धर्मपत्नी श्रीमती मोहन बाई का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती उमा देवी श्रीवास्तव- धनवंतरी नगर निवासी श्री पीके श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती उमा देवी श्रीवास्तव (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

नाम सुधार की सूचना

मैं, मंजू मल्लाह पत्नी स्व. राजेन्द्र कुमार (Manju Mallah W/o Late Rajendra Kumar), उम्र लगभग 55 वर्ष, सर्व साधारण को सूचित कर रही हूं कि पी.सी.डी.ए. (पेंशन) इलाहाबाद से जारी पी.पी.ओ. एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम मंजू (Manju) दर्ज है जोकि गलत है जबकि मेरा सही नाम मंजू मल्लाह (Manju Mallah) है जो मेरे आधार कार्ड, पेनकार्ड, वोटर आई. डी, ड्रायविंग लायसेंस एवं बैंक खाता में दर्ज है। मैंने अपने नाम सुधार की समस्त वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण की है अत: अब मुझे मेरे सही नाम मंजू मल्लाह (Manju Mallah) के नाम से जाना पहचाना जावे एवं पी.सी.डी.ए. (पेंशन) इलाहाबाद जारी पी.पी.ओ. एवं मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे।

(Manju Mallah)
निवासी नई बस्ती, सुभाष नगर, खेरमाई मंदिर के पास, बिलपुरा रोड, राँझी, जबलपुर (म.प्र.) 482005

FOR CHANGE OF NAME

It is for general information that I, **UMA BAI SAHU** W/o Late **TRIVENI PRASAD SAHU,** declare that name of mine has been wrongly written as **UMA BAI** in Pension Payment Order of P.C.D.A. (Pension) Allahabad and in my C.G.H.S. Card. The actual name of mine is **UMA BAI SAHU,** which may be amended accordingly.

It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

(UMA BAI SAHU)
Res. H. No. 312, Vinoba Bhave Ward, East Ghamapur, Jabalpur (M.P.) 482001

अगर ज्यादा कट गया है टैक्स तो घबराएं नहीं, पूरा पैसा होगा वापस

कर की बात
बिजनेस डेस्क

एक्सपर्ट बोले, टीडीएस कटने के बाद भी आसानी से वापस पा सकते पैसे ■ गलत कैलकुलेशन या नियमों की जानकारी न होने से कट जाता है पैसा ■ ज्यादा कटे हुए टैक्स का रिफंड क्लेम कर सकते हैं आप ■ फॉर्म 26एएस की मदद से लगा सकते हैं पता

अगर आप भी आईटीआर जमा करवाते हैं और आपका पैसा ज्यादा कट गया है तो घबराएं नहीं, यह सारा पैसा आपको वापस मिल सकता है। बस आपको थोड़ा संयम के साथ कुछ नियमों का पालन करना होगा। टीडीएस यानी टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स, एक ऐसा टैक्स है जो आपकी कमाई पर स्रोत पर ही काट लिया जाता है। चाहे आपकी सैलरी हो, फिक्स्ड डिपॉजिट का ब्याज हो, किराए की आय हो या प्रोफेशनल फीस, इन सब पर टीडीएस कट सकता है। लेकिन कई बार गलत कैलकुलेशन या नियमों की जानकारी न होने की वजह से जरूरत से ज्यादा टीडीएस कट जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा हुआ है, तो घबराने की जरूरत नहीं। आप न सिर्फ ये चेक कर सकते हैं कि कितना टीडीएस कटा, बल्कि ज्यादा कटे हुए टैक्स का रिफंड भी क्लेम कर सकते हैं।

टीडीएस क्या होता है : सबसे पहले समझते हैं कि टीडीएस है क्या। मान लीजिए आप किसी कंपनी में काम करते हैं और आपकी सैलरी 50,000 रुपये महीना है। कंपनी आपको पूरी सैलरी देने से पहले उसमें से कुछ टैक्स काट लेती है और उसे सरकार के पास जमा कर देती है। यही टीडीएस है। ये टैक्स आपकी कमाई के हिसाब से और सरकार के टैक्स स्लैब के आधार पर कटता है। सैलरी के अलावा, बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट के ब्याज पर, किराए की आय पर, या फ्रीलांस काम की फीस पर भी टीडीएस कट सकता है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि आपकी कुल आय टैक्सेबल लिमिट से कम होती है, फिर भी टीडीएस कट जाता है। या फिर गलत टैक्स स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स काट लिया जाता है। ऐसे में आप ज्यादा कटे हुए टैक्स को रिफंड के तौर पर वापस पा सकते हैं। इसके लिए आपको पहले चेक करना होगा कि कितना टीडीएस कटा और क्या वो सही था।

ज्यादा टीडीएस कटने का पता कैसे लगाएं

टैक्स और इनवेस्टमेंट एक्सपर्ट बताते हैं, अगर आपको लगता है कि आपका टीडीएस जरूरत से ज्यादा कट गया है, तो सबसे पहले आपको अपनी टैक्स डिटेल्स चेक करनी होंगी। इसके लिए फॉर्म 26एएस आपको मदद कर सकता है।"

कैसे चेक करें

सबसे पहले फॉर्म 26एएस डाउनलोड करें। फॉर्म 26एएस एक तरह का टैक्स स्टेटमेंट है, जिसमें आपके पूरे साल के टीडीएस की पूरी जानकारी होती है। ये इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर मिलता है। इसे चेक करने के लिए इनकम टैक्स की ऑफिशियल वेबसाइट **www.incometax.gov.in** पर जाएं। अगर आपने पहले रजिस्टर नहीं किया है, तो 'रजिस्टर यूअरसेल्फ ' पर क्लिक करके अपना पैन नंबर, नाम, जन्मतिथि और दूसरी डिटेल्स डालकर रजिस्टर करें। रजिस्ट्रेशन के बाद, अपने पैन नंबर (जो यूजर आईडी होता है) और पासवर्ड से लॉगिन करें। लॉगिन करने के बाद 'व्यू टैक्स क्रेडिट स्टेटमेंट (फॉर्म 26एएस)' का ऑप्शन चुनें। आपको एक नई वेबसाइट टीआरएसीईएस पर ले जाया जाएगा। यहां से आप फॉर्म 26एएस डाउनलोड कर सकते हैं। इस फॉर्म में आपको सारी डिटेल्स मिलेंगी, जैसे कितना टीडीएस कटा है, किसने काटा (जैसे आपका एम्प्लॉयर या बैंक), और वो टैक्स सरकार के पास जमा हुआ या नहीं। फॉर्म 16 या टीडीएस सर्टिफिकेट से मिलान करें

एम्प्लॉयर आपको फॉर्म 16 देता है

अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो आपका एम्प्लॉयर आपको फॉर्म 16 देता है। ये एक ऐसा डॉक्यूमेंट है, जिसमें आपकी सैलरी और उस पर कटे टीडीएस की पूरी जानकारी होती है। अगर आपने फ्रीलांसिंग की है या किराए की आय है, तो आपको टीडीएस सर्टिफिकेट मिलता है। इन डॉक्यूमेंट्स में दी गई टीडीएस की रकम को फॉर्म 26एएस से मिलाएं। अगर कोई गड़बड़ी दिखे, जैसे फॉर्म 26एएस में ज्यादा टीडीएस दिख रहा हो, तो ये ज्यादा कटने का सबूत है।

टैक्सेबल इनकम का हिसाब लगाएं

अब आपको अपनी कुल आय और टैक्स स्लैब का हिसाब लगाना होगा। मान लीजिए आपकी सालाना आय 7 लाख रुपये से कम है, तो न्यू टैक्स रिजीम में आपको कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा। लेकिन अगर आपका टीडीएस कट गया है, तो वो पूरा रकम रिफंड के लिए क्लेम की जा सकती है। इसके लिए आप अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट की मदद ले सकते हैं या ऑनलाइन टैक्स कैलकुलेटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां बताते चलें कि इस साल के बजट में न्यू टैक्स रिजीम में सालाना आय की लिमिट 12 लाख रुपये सालाना कर दी गई है।

टीडीएस का रिफंड कैसे क्लेम करें?

जैन कहते हैं, "अगर आपको पक्का पता चल गया है कि आपका टीडीएस ज्यादा कट गया है, तो अब बात आती है रिफंड क्लेम करने की। इसके लिए आपको इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना होगा।" आइए, इसे स्टेप-बाय-स्टेप समझते हैं।

समय पर आईटीआर फाइल करें

जितनी जल्दी आप आईटीआर फाइल करेंगे, उतनी जल्दी आपका रिफंड प्रोसेस शुरू होगा। आमतौर पर आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई होती है, लेकिन अगर आप ये डेडलाइन मिस कर देते हैं, तो भी आप लेट फीस के साथ रिटर्न फाइल कर सकते हैं। आईटीआर फाइल करते समय सही आईटीआर फॉर्म चुनें। अगर आप सैलरीड हैं, तो आईटीआर-1 या आईटीआर-2 काम करेगा। अगर बिजनेस या प्रोफेशनल इनकम है, तो आईटीआर-3 या आईटीआर-4 चुनें। फॉर्म 26एएस और फॉर्म 16 की डिटेल्स के आधार पर अपनी आय और टीडीएस की जानकारी सही-सही भरें। अगर आपने टैक्स बचाने के लिए कोई इन्वेस्टमेंट किया है (जैसे पीपीएफ, ईएलएसएस, या इंश्योरेंस), तो उसकी डिटेल्स भी डालें।

रिफंड की डिटेल्स सही भरें

आईटीआर फॉर्म में एक सेक्शन होता है, जहां आपको अपने बैंक अकाउंट की डिटेल्स देनी होती हैं, जैसे अकाउंट नंबर और आईएफएससी कोड। ये इसलिए जरूरी है क्योंकि आपका रिफंड सीधे आपके बैंक अकाउंट में आएगा। सुनिश्चित करें कि ये डिटेल्स बिल्कुल सही हों, वरना रिफंड में देरी हो सकती है।

आईटीआर को वेरीफाई करें

आईटीआर फाइल करने के बाद उसे वेरीफाई करना जरूरी है। आप इसे ऑनलाइन आधार ओटीपी के जरिए, डिजिटल सिग्नेचर से, या आईटीआर-V फॉर्म को प्रिंट करके इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भेजकर वेरीफाई कर सकते हैं। वेरिफिकेशन के बिना आपका रिफंड प्रोसेस शुरू नहीं होगा।

रिफंड का स्टेटस कैसे चेक करें?

आईटीआर फाइल करने के बाद आप अपने रिफंड का स्टेटस चेक कर सकते हैं। इसके लिए इनकम टैक्स की वेबसाइट पर लॉगिन करें। 'व्यू रिटर्न फॉर्म' ऑप्शन पर क्लिक करें। अपने फाइनेंशियल ईयर और आईटीआर फॉर्म का स्टेटस चुनें।

यह मिलेगी जानकारी

यहां आपको पता चलेगा कि आपका रिफंड प्रोसेस हो रहा है, अप्रूव हो गया है, या किसी वजह से रिजेक्ट हुआ है। अगर रिफंड में देरी हो रही है, तो आप इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते हैं या ऑनलाइन फाइल कर सकते हैं।

रिफंड में देरी होने पर क्या करें?

कई बार रिफंड प्रोसेस में 6 महीने तक का समय लग सकता है। अगर आपको लगता है कि देरी हो रही है, तो सबसे पहले चेक करें कि आपका आईटीआर सही तरीके से फाइल और वेरीफाई हुआ है या नहीं। अगर कोई गलती हुई है, तो आप रिवाइज्ड आईटीआर फाइल कर सकते हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से संपर्क करें और अपनी पैन डिटेल्स देकर रिफंड स्टेटस के बारे में पूछें। अगर डिपार्टमेंट की तरफ से देरी होती है, तो आपको 6% सालाना की दर से ब्याज भी मिल सकता है।"

टीडीएस कटने से कैसे बचें?

बलवंत जैन कहते हैं, "अगर आपकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो आप टीडीएस कटने से बच सकते हैं। इसके लिए फॉर्म 15जी (अगर आप 60 साल से कम उम्र के हैं) या फॉर्म 15एच (60 साल से ज्यादा उम्र के लिए) अपने बैंक या एम्प्लॉयर को जमा करें। ये फॉर्म बताते हैं कि आपकी आय टैक्सेबल नहीं है, इसलिए टीडीएस नहीं काटा जाए। अपने एम्प्लॉयर को अपनी इन्वेस्टमेंट डिटेल्स (जैसे पीपीएफ, इंश्योरेंस) समय पर दें, ताकि वो सही टैक्स कैलकुलेट करें। वे आगे कहते हैं, इन स्टेप्स को फॉलो करके आप न सिर्फ ज्यादा टीडीएस कटने की समस्या को पकड़ सकते हैं, बल्कि रिफंड भी आसानी से क्लेम कर सकते हैं। बस जरूरी है कि आप सही जानकारी के साथ समय पर कदम उठाएं।

टैक्स के लिए कौन सी रिजीम बेहतर

1. पुरानी टैक्स रिजीम

पुरानी टैक्स रिजीम में आप विभिन्न कटौतियों और छूटों का लाभ उठा सकते हैं, जैसे कि धारा 80सी के तहत कटौती, धारा 80डी के तहत स्वास्थ्य बीमा कटौती, आदि।

2. नई टैक्स रिजीम

नई टैक्स रिजीम में टैक्स दरें कम हैं, लेकिन अधिकांश कटौतियों और छूटों को हटा दिया गया है।

इन कारकों पर निर्भर

1. आपकी आय

यदि आपकी आय अधिक है और आप विभिन्न कटौतियों और छूटों का लाभ उठा सकते हैं, तो पुरानी टैक्स रिजीम आपके लिए बेहतर हो सकती है।

2. आपके निवेश

यदि आप विभिन्न निवेश विकल्पों में निवेश करते हैं जो टैक्स कटौती के लिए योग्य हैं, तो पुरानी टैक्स रिजीम आपके लिए बेहतर हो सकती है।

3. आपकी आवश्यकताएं

यदि आप एक सरल और कम टैक्स दर वाली रिजीम चाहते हैं, तो नई टैक्स रिजीम आपके लिए बेहतर हो सकती है।

विशेषज्ञ से परामर्श लें

यह अनुशंसा की जाती है कि आप अपनी व्यक्तिगत वित्तीय स्थिति और आवश्यकताओं का मूल्यांकन करें और एक टैक्स विशेषज्ञ से परामर्श लें ताकि आप अपने लिए सबसे अच्छी टैक्स रिजीम का चयन कर सकें।

इन इक्विटी फंड्स ने एक साल में 29 फीसदी तक रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

पिछले एक साल के दौरान शेयर बाजार में काफी उथल-पुथल का माहौल देखने को मिला। इस माहौल की वजह से इक्विटी में पैसे लगाने वाले निवेशकों में काफी बेचैनी भी रही है। फिर चाहे वे इक्विटी में सीधे निवेश करने वाले इनवेस्टर हों या इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले छोटे निवेशक, लेकिन इस उथल-पुथल के बीच भी इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की हर कैटेगरी की कुछ स्कीम्स ने पिछले 1 साल में आकर्षक रिटर्न दिए हैं। इन कैटेगरी टॉपर स्कीम्स के डायरेक्ट प्लान्स का पिछले एक साल का रिटर्न 12% से लेकर 29% तक रहा है। इससे पता चलता है कि इन म्यूचुअल फंड स्कीम्स के मैनेजर्स की निवेश रणनीति बाजार की हलचलों के बीच भी निवेशकों को मुनाफा दिलाने में सफल रही है। निवेशक भी इन फंडों में निवेश कर खुद को खुशनसीब मान रहे हैं। चूंकि जब बाजार में गिरावट का दौर था तब ये फंड अच्छा मुनाफा दे रहे थे।

ज्यादा मुनाफा देने वाला टॉप इक्विटी फंड/1 साल का रिटर्न

- मोतीलाल ओसवाल लार्ज कैप फंड : 23.59% (रेगुलर), 25.29% (डायरेक्ट)
- इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड : 14.79% (रेगुलर), 16.13% (डायरेक्ट)
- एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड : 14.87% (रेगुलर), 15.63% (डायरेक्ट)
- एसबीआई मल्टीकैप फंड : 13.43% (रेगुलर), 14.36 % (डायरेक्ट)
- इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड : 16.43% (रेगुलर), 17.86% (डायरेक्ट)
- बंधन स्मॉल कैप फंड : 12.99% (रेगुलर), 14.52% (डायरेक्ट)
- यूटीआई वैल्यू फंड : 12.78% (रेगुलर), 13.56% (डायरेक्ट)
- व्हाइटओक कैपिटल ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड : 13.13% (रेगुलर), 15 % (डायरेक्ट)
- इनवेस्को इंडिया कॉन्ट्रा फंड : 11.86% (रेगुलर), 13.11% (डायरेक्ट)
- यूटीआई डिविडेंड यील्ड फंड : 11.80% (रेगुलर), 12.48% (डायरेक्ट)
- एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड : 15.25% (रेगुलर), 16.52% (डायरेक्ट)
- एचडीएफसीफार्मा एंड हेल्थकेयर फंड (कैटेगरी : थीमैटिक/सेक्टोरल फंड) : 28.13% (रेगुलर), 29.69% (डायरेक्ट)

एक साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप इक्विटी फंड : एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएफएफआई) के पोर्टल पर तमाम इक्विटी फंड्स को 12 सब कैटेगरी में बांटकर दिखाया गया है। हमने यहां इनमें से हर कैटेगरी में पिछले 1 साल के दौरान सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाली स्कीम के रेगुलर और डायरेक्ट प्लान के रिटर्न के आंकड़े दिए हैं। इन योजनाओं में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड और इनवेस्को इंडिया से लेकर यूटीआई म्यूचुअल फंड तक कई दिग्गज फंड हाउस की स्कीम शामिल हैं। जिन्होंने निवेशकों को खूब लुभाया और अच्छा रिटर्न देकर मालामाल कर दिया। जिसने भी इन फंडों में निवेश किया, उसने ही अच्छा मुनाफा कमाया और अपनी रकम को कई गुना बढ़ा लिया।

लार्ज कैप और सेक्टोरल फंड रहे आगे

अपनी-अपनी कैटेगरी में टॉप करने वाले फंड्स के एक साल के रिटर्न को ध्यान से देखने पर पता चलता है कि इस लिस्ट में एचडीएफसी फार्मा एंड हेल्थकेयर फंड के डायरेक्ट प्लान ने सबसे ज्यादा 29.69% रिटर्न दिया है. जबकि 25.29% रिटर्न के साथ मोतीलाल ओसवाल लार्ज कैप फंड का डायरेक्ट प्लान दूसरे नंबर पर है. दिलचस्प बात यह है कि कैटेगरी में टॉप करने वाले इस लार्ज कैप फंड का 1 साल का मुनाफा स्मॉल कैप फंड कैटेगरी की टॉपर स्कीम, बंधन स्मॉल कैप फंड से काफी अधिक है, जिसके डायरेक्ट प्लान का 1 साल का रिटर्न 14.52% है. मिड कैप फंड कैटेगरी की टॉपर स्कीम, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड के डायरेक्ट प्लान का रिटर्न भी 17.86% ही है. यानी उथल-पुथल भरे बाजार में टॉप लार्ज कैप फंड ने इन दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है.

पिछले रिटर्न के जारी रहने की गारंटी नहीं

हमने एएमएफआई के पोर्टल पर मौजूद रिटर्न के जो आंकड़े लिए हैं, वे 25 अप्रैल 2025 अपडेटेड हैं. इन पर पिछले कुछ दिनों के दौरान शेयर बाजार में हुई रिकवरी का असर भी नजर आ रहा है. आपको बता दें कि पिछले 1 महीने के दौरान निफ्टी 50 (निफ्टी 50) इंडेक्स करीब 5% बढ़ा है, जबकि मौजूदा कैलेंडर इयर (2025) के दौरान अब तक (वाईटीडी) इस इंडेक्स में करीब 2.5% की बढ़त दिखी है. वहीं पिछले 1 साल में यह करीब 7.5% ऊपर आया है. हमने ऊपर जो जानकारी दी है, उनका मकसद सिर्फ कुछ दिलचस्प आंकड़े पेश करना है. यहां यह याद रखना जरूरी है कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती और उनमें निवेश के साथ मार्केट रिस्क हमेशा जुड़ा रहता है. यही वजह है कि अधिकांश इक्विटी म्यूचुअल फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत ज्यादा जोखिम वी की रेटिंग दी जाती है।

क्या है इक्विटी फंड्स

इक्विटी फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड्स का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है। इसकी विशेषताएं हैं। इक्विटी फंड्स इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं। इक्विटी फंड्स लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं। इक्विटी फंड्स में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

कुछ मुख्य फायदे

1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड्स लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड्स विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड्स का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

इक्विटी फंड्स के प्रकार

1. **लार्ज-कैप फंड्स:** लार्ज-कैप फंड्स बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।
2. **मिड-कैप फंड्स:** मिड-कैप फंड्स मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।
3. स्मॉल-कैप फंड्स: स्मॉल-कैप फंड्स छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।

(डिस्क्लेमर इक्विटी फंड्स में निवेश करने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने निवेश लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता को समझें और अपने निवेश विकल्पों का चयन करें।)

पीएफ ट्रांसफर और विड्रॉल करना अब बेहद आसान, ईपीएफओ ने कर दिया सिस्टम अपग्रेड

बिजनेस डेस्क

कर्मचारियों के लिए एक बेहद सूकून भरी बात है। दरअसल, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पेंशन निकासी से जुड़ी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कई नए बदलावों की घोषणा की। इन बदलावों का उद्देश्य क्लेम की प्रक्रिया को तेज करना और कागजी काम को कम करना है। कुछ डिजिटल और पेपरलेस उपायों से न केवल समय बचेगा, बल्कि क्लेम रिजेक्शन की संभावना भी बेहद कम होगी। ईपीएफओ सदस्य थोड़ी सावधानी के साथ आसानी से अपने क्लेम को हासिल कर सकेंगे। दावों के निपटानों में भी तेजी आएगी।

जानिए क्या-क्या बदला गया है

- घर की मरम्मत करवाने के लिए एडवांस : अब कर्मचारी खुद ही डिक्लेरेशन देकर पैराग्राफ 68बी(7) के तहत घर में कुछ काम करवाने के लिए या मरम्मत करने के लिए एडवांस ले सकेंगे।
- बैंक अकाउंट लिंक करना हुआ आसान : अब बैंक खाते को यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) से जोड़ने के लिए न तो नियोक्ता की मंजूरी चाहिए और न ही बैंक दस्तावेज अपलोड करने की जरूरत है।
- चेहरे की पहचान से यूएएन एक्टिवेशन : अब उमंग ऐप के जरिए फेस ऑथेंटिकेशन से भी यूएएन को एक्टिव किया जा सकता है।
- फॉर्म 13 में बदलाव : ईपीएफओ ने ट्रांसफर क्लेम प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए फॉर्म 13 को नया रूप दिया है।
- पेंशनर्स के लिए डिअरनेस रिलीफ में संशोधन: पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत दरों को भी संशोधित किया गया है।
- ईपीएफओ का कहना है कि इन डिजिटल और पेपरलेस उपायों से न केवल समय बचेगा, बल्कि क्लेम रिजेक्शन की संभावना भी कम होगी।
- सेल्फ डिक्लरेशन से घर सुधार के लिए पीएफ निकालना आसान

अब चेक या पासबुक की कॉपी अपलोड करने की जरूरत नहीं

ईपीएफओ के नए सर्कुलर से पीएफ क्लेम की प्रक्रिया और भी आसान हो गई है। अब खाते से जुड़ी जानकारी के लिए चेक लीफ या पासबुक की फोटो अपलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा, बैंक अकाउंट लिंक कराने के लिए नियोक्ता (एम्प्लॉयर) की मंजूरी भी जरूरी नहीं रह गई है।

अब सदस्य बैंक खाता लिंक कर सकेंगे

इस बदलाव से कमजोर क्वालिटी की फोटो या गलत दस्तावेज अपलोड होने की वजह से जो क्लेम रिजेक्ट होते थे, उनकी संख्या काफी कम होगी। साथ ही, सदस्यों को ज्यादा तेज और सुविधाजनक अनुभव मिलेगा। ईपीएफओ ने अपने सॉफ्टवेयर सिस्टम को अपग्रेड किया है, जिससे अब पीएफ निकालने के दावों की जांच और मंजूरी की प्रक्रिया अपने आप हो जाएगी। पहले जहां दावों को निपटाने में 10 से 15 वर्किंग डेज लगते थे, अब यह समय घटकर एक हफ्ते से भी कम हो सकता है।

"नए सिस्टम में दावों की प्रोसेसिंग काफी तेजी से होगी, जिससे उनका निपटारा भी जल्दी किया जा सकेगा।"

उमंग ऐप से पीएफ सेवा और भी सुरक्षित

- उमंग ऐप में अब आधार से जुड़ी फेस ऑथेंटिकेशन सुविधा शुरू कर दी गई है। यह फीचर 8 अप्रैल से लागू हुआ है और इसका मकसद पीएफ से जुड़ी सेवाओं को और सुरक्षित बनाना है।
- शुरुआत में यह सुविधा यूएएन एक्टिवेशन के लिए लाई गई है, लेकिन जल्द ही इसे पीएफ की पूरी निकासी जैसी सेवाओं तक बढ़ाया जाएगा।
- इस तकनीक की मदद से यूजर की जानकारी अपने आप भरी जाती है, जिससे डेटा में गलती की संभावना कम हो जाती है और धोखाधड़ी से बचाव होता है।

2025 में ईपीएफओ से जुड़े कुछ और अहम बदलाव

- फॉर्म 13 में बदलाव : नौकरी बदलने पर पीएफ ट्रांसफर की प्रक्रिया अब ऑनलाइन और आसान हो गई है।

समय से पहले तोड़ना चाहते हैं एफडी, तो जान लें कैसे बचेंगे जुर्माने से

अलर्ट | बिजनेस डेस्क

■ अगर आप बीच में एफडी तोड़ते हैं तो सही रणनीति अपनाएं
■ नुकसान को कम कर सकेंगे और जुर्माने को भी घटा सकेंगे

फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) लंबे समय से अपनी स्थिरता और गारंटीड रिटर्न के लिए लोगों की पसंद रहे हैं। लेकिन, जीवन की अनिश्चितताओं के कारण कई बार निवेशकों को अपनी एफडी समय से पहले तोड़नी पड़ती है, जिससे जुर्माना लगता है और रिटर्न कम हो जाता है। निवेशकों को इस नुकसान से बचाने के लिए, जानकारों ने कई सुझाव दिए हैं। उन्होंने बताया कि कैसे सही रणनीति इस नुकसान को कम कर सकती है और आपके जुर्माने को घटा सकती है। पब्लिक सेक्टर बैंक समय से पहले एफडी तोड़ने पर सबसे कम जुर्माना लगाते हैं। पब्लिक सेक्टर बैंक आमतौर पर प्राइवेट सेक्टर बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोऑपरेटिव बैंक की तुलना में कम जुर्माना लगाते हैं। पब्लिक सेक्टर बैंक सभी वर्गों, खासकर कम आय वाले लोगों की सेवा करने के अपने व्यापक उद्देश्य के कारण अधिक उदार होते हैं। इस वजह से उनका जुर्माना कम होता है। पब्लिक सेक्टर बैंकों में जुर्माना आमतौर पर 0.50% से 1% के बीच होता है। वहीं, प्राइवेट सेक्टर और स्मॉल फाइनेंस बैंक 1% से 1.50% तक जुर्माना लगा सकते हैं, जिससे इन बैंकों में FD समय से पहले तोड़ना निवेशकों के लिए अधिक महंगा पड़ता है।

ब्याज की जुर्माने में क्या भूमिका

कई निवेशक सोचते हैं कि ब्याज की गणना का समय मासिक, त्रैमासिक, छमाही या सालाना एफडी समय से पहले तोड़ने पर होने वाले नुकसान को प्रभावित करता है। लेकिन शेट्टी ने इस बारे में स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, एफडी में ब्याज की गणना का समय इस बात पर असर डालता है कि जमा अवधि के दौरान ब्याज कैसे बढ़ता है। लेकिन जब एफडी को समय से पहले तोड़ा जाता है, तो जुर्माना उस कम ब्याज दर के आधार पर लगता है, जो एफडी के वास्तविक अवधि के लिए लागू होती है। यह जुर्माने की गणना पर सीधे असर नहीं डालता।" इसलिए, भले ही ब्याज की गणना का समय पूरी अवधि तक एफडी चलने पर कुल रिटर्न को प्रभावित करता हो, लेकिन समय से पहले तोड़ने पर जुर्माने को कम करने में इसकी भूमिका बहुत कम होती है। शेट्टी सलाह देते हैं कि कम जुर्माना वाले बैंक चुनें और अगर समय से पहले तोड़ने की संभावना हो, तो कम अवधि की एफडी चुनें।

स्मार्ट तरीके से बनाएं अपनी रणनीति एफडी लैडरिंग

कुल निवेश को कई एफडी में बांटकर, अलग-अलग समय पर परिपक्व होने वाली एफडी बनाएँ। इससे निवेशकों को समय-समय पर अपने पैसे तक पहुँच मिलती है। ऐसा करने से निवेशक अपनी पूरी जमा राशि को समय से पहले तोड़े बिना, नियमित अंतराल पर अपने फंड का कुछ हिस्सा निकाल सकते हैं।"

स्वीप-इन सुविधा

कई बैंक स्वीप-इन खाते की सुविधा देते हैं, जिसमें बचत खाते में अतिरिक्त राशि अपने आप एफडी में चली जाती है। ये जमा राशि बिना किसी जुर्माने के आसानी से निकाली जा सकती है और बचत खाते की सुविधा के साथ-साथ एफडी के अधिक रिटर्न भी देती है।

एफडी पर लोन

एफडी तोड़ने के बजाय, निवेशक इसपर लोन ले सकते हैं। "बैंक आमतौर पर एफडी की 90% तक की राशि पर लोन देते हैं, जिसका ब्याज एफडी की ब्याज दर से थोड़ा अधिक होता है। यह विकल्प जुर्माने से बचने में मदद करता है और निवेश को भी बनाए रखता है।"

क्या है एफडी

एफडी (फिक्स्ड डिपॉजिट) एक प्रकार का बचत विकल्प है जो बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा प्रदान किया जाता है। इसमें आप एक निश्चित राशि जमा करते हैं जो एक निश्चित अवधि के लिए जमा रहती है और आपको एक निश्चित ब्याज दर पर ब्याज मिलता है। यह एक अच्छा निवेश विकल्प हो सकता है यदि आप सुरक्षित और निश्चित रिटर्न चाहते हैं और आपको अपने पैसे को एक निश्चित अवधि के लिए जमा रखने में कोई समस्या नहीं है।

एफडी की कुछ विशेषताएं

निश्चित अवधि: एफडी की अवधि निश्चित होती है, जो कुछ महीनों से लेकर कई वर्षों तक हो सकती है।

निश्चित ब्याज दर: एफडी पर ब्याज दर निश्चित होती है, जो आमतौर पर अवधि और जमा राशि पर निर्भर करती है।

गारंटीड रिटर्न: एफडी पर रिटर्न गारंटीड होता है, जिसका अर्थ है कि आपको निश्चित ब्याज दर पर ब्याज मिलेगा।

एफडी के कुछ मुख्य फायदे

सुरक्षित निवेश: एफडी एक सुरक्षित निवेश विकल्प है, क्योंकि इसमें आपका पैसा बैंक या वित्तीय संस्थान के पास जमा रहता है।
निश्चित रिटर्न: एफडी पर रिटर्न निश्चित होता है, जिससे आपको पता होता है कि आपको कितना ब्याज मिलेगा।
लिक्विडिटी: एफडी में लिक्विडिटी होती है, क्योंकि आप अपनी जमा राशि को अवधि से पहले भी निकाल सकते हैं, हालांकि इसमें कुछ जुर्माना लग सकता है।

एफडी के कुछ नुकसान

कम रिटर्न: एफडी पर रिटर्न अन्य निवेश विकल्पों की तुलना में कम हो सकता है।
जुर्माना: यदि आप अपनी जमा राशि को अवधि से पहले निकालते हैं तो आपको जुर्माना देना पड़ सकता है।

पहलगाम आतंकी हमले से सन्न व शोकाकुल देश में सरकार ने राष्ट्रीय जनगणना के साथ जाति गणना कराने का ऐलान कर समूचे आवाम को चौंका दिया है। एक समय तक संसद से सड़क व अदालत तक पीएम नरेन्द्र मोदी नीत राजग सरकार और भाजपा जाति गणना के मुखर विरोधी रहीं, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की जाति गणना की मांग को सामाजिक भेदभाव बढ़ाने वाली बता कर खारिज करती रहीं, हालांकि विपक्ष में रहते हुए भाजपा जाति जनगणना की मांग करती रही थी। जाति जनगणना कराने के कई मायने निकाले जा रहे हैं। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल सरकार के इस कदम को दबाव में लिया गया निर्णय बताते हुए अपनी जीत बता रहे हैं, तो विश्लेषक व राजनीतिक के जानकार मान रहे हैं कि पीएम मोदी ने जाति गणना की घोषणा कर राहुल गांधी व विपक्ष के मुद्दे की हवा निकाल दी है। राष्ट्रीय जनगणना कब होगी, जिसमें जातियों के हिसाब से गिनती होगी, इसकी कोई भी समय सीमा नहीं बताई गई है। वर्ष 2026 में परिसीमन होना है तो माना जा रहा है कि उससे पहले जनगणना हो जाएगी। जाति गणना के बाद आंकड़े जारी होंगे या नहीं, यह भी नहीं पता। इस आंकड़े के राजनीतिक दुरूपयोग तो नहीं होंगे या इससे सामाजिक विभाजन तो नहीं बढ़ेगा यह भी आशंका है। तमाम पहलुओं का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

जातिगणना के आंकड़ों का सदुपयोग हो

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

पहलगाम आतंकवादी हमले और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई और तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल द्वारा जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने के निर्णय ने राष्ट्रीय विमर्श को कुछ समय के लिए एक सीमा तक दूसरा मोड़ भी दिया है। हमारे देश में गंभीर दूरगामी परिणाम वाले विषयों के भी राजनीतिक दुरुपयोग करने की ऐसी घातक प्रवृत्ति है जिसमें वास्तविक मुद्दे ओझल हो जाते हैं। भारत की एकता -अखंडता, सामाजिक सद्भाव आदि की दृष्टि से जाति जनगणना ऐसा कदम है जिसके सदुपयोग - दुरुपयोग दोनों की संभावनाएं हैं। 1979 में मंडल आयोग का गठन और इसे राष्ट्रीय स्तर पर 1990 में लागू किए जाने के पीछे राजनीति ही थी।

शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार अचानक जनगणना के साथ जातिगणना करने की घोषणा कर देगी। पूरा देश पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद गुस्से में है, सरकार भी लगातार कठोर तेवर अपनाए हुए है, कूटनीतिक मोर्चे पर सक्रिय होने के साथ पाकिस्तान की घेरेबंदी की जा रही है, कश्मीर के अंदर आतंकवादियों और उनके समर्थकों ,जिन्हें ओवरग्राउंड वर्कर्स कहते हैं के घर ध्वस्त किए जा रहे हैं तथा स्वयं प्रधानमंत्री चीफ ऑफ़ डिफेंस स्टाफ, सेना के तीनों प्रमुखों, प्रमुख मंत्रियों, मंत्रिमंडल की प्रमुख समितियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। इन सारी गतिविधियों के बीच अचानक इस निर्णय ने निश्चित रूप से लोगों को चौंकाया है।

राजनीतिक दुरूपयोग की आशंका

निस्संदेह, पहलगाम आतंकवादी हमले और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई और तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल द्वारा जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने के निर्णय ने राष्ट्रीय विमर्श को कुछ समय के लिए एक सीमा तक दूसरा मोड़ भी दिया है। हमारे देश में गंभीर दूरगामी परिणाम वाले विषयों के भी राजनीतिक दुरुपयोग करने की ऐसी घातक प्रवृत्ति है जिसमें वास्तविक मुद्दे ओझल हो जाते हैं। भारत की एकता -अखंडता, सामाजिक सद्भाव आदि की दृष्टि से जाति जनगणना ऐसा कदम है जिसके सदुपयोग - दुरुपयोग दोनों की संभावनाएं हैं और उनके खतरे भी बड़े हैं। इसके बावजूद राजनीति होगी और हो रही है। 1979 में मंडल आयोग का गठन, उसकी रिपोर्ट और राष्ट्रीय स्तर पर 1990 में लागू किए जाने के पीछे भी राजनीति थी। इससे शुरू सामाजिक-राजनीतिक- सांस्कृतिक उथल-पुथल का दौर पूरी तरह कभी स्थिर नहीं हुआ क्योंकि इसे वास्तविक सामाजिक न्याय का ईमानदार-जिम्मेदार अंग बनाने की बजाय मंडलवादी नेताओं की अदूरदर्शिता और संकुचित सोच के कारण इसका घातक दुरूपयोग हुआ। पूरे देश की राजनीति और सत्ता संरचना के वर्णक्रम में आमूल बदलाव आया, पर अदूरदर्शी, नासमझ नेताओं और उनके परिवारों के हाथों कई राज्यों की राजनीति केंद्रित होने के कारण देश को ऐसा नुकसान भी उठाना पड़ा जिसकी भरपाई संभव नहीं हो पा रही।

कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियां इसे अपनी विजय बता सकती है, क्योंकि पिछले साढ़े तीन वर्षों से ये इसकी आवाज उठा रहे थे। 2024 लोकसभा चुनाव में जाति जनगणना को एक बड़ा मुद्दा बनाया गया। यह भी सच है कि राहुल गांधी जाति जनगणना के साथ संपत्ति सर्वे से लेकर संख्या के आधार पर संसाधनों के बंटवारे जैसे अतिवादी वादे कर रहे थे। भाजपा का पहला स्टैंड था कि यह व्यावहारिक नहीं है और एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय में सरकार ने यही शपथ पत्र दिया था। दूसरी ओर किसी भी मंत्री या नेता ने जाति जनगणना का नाम लेकर विरोध नहीं किया। बिहार में तो तब विपक्ष में रहते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई ने नीतीश कुमार द्वारा जाति सर्वे करने का समर्थन कर दिया। पिछले वर्ष के उत्तरार्ध से मोदी सरकार की ओर से जाति जनगणना करने का संकेत मिलने लगा। जब सरकार की ओर से आगामी जनगणना की बात आई तो गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले वर्ष अगस्त में एक प्रश्न के उत्तर में कहा था कि समय आने पर इसका निर्णय होगा। भारत में मजहब परिवर्तन के बावजूद मुसलमानों में भी पूर्व हिंदुओं की जाति कायम है और उनकी गणना होगी। विपक्ष और आम भाजपा विरोधी इस पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे, यह भी देखना होगा।

मुस्लिम जातियों की भी हो गणना

गणना सभी की होनी है तो उसमें मुस्लिम जातियों की भी होनी चाहिए। देश को पता चलना चाहिए कि जातिविहीन मजहब का भारतीय सच क्या है। राहुल गांधी हो या अन्य नेता जाति जनगणना की मांग का श्रेय लेने के साथ उनका मुसलमानों के अंदर जाति की गणना पर अपना स्टैंड स्पष्ट करना पड़ेगा। ऐसा तो नहीं हो सकता कि भारत में केवल हिंदुओं के अंदर जाति की गणना हो और दूसरे मजहब को इससे अलग रखा जाए। वे कभी भी हिंदुओं से बाहर जाति गणना की न कल्पना करते थे न बात। इसलिए जाति गणना पर राजनीति खासकर श्रेय लेने की राजनीति जितनी मानी जा रही है उतनी सरल सपाट और आसान नहीं है। जाति गणना से संबंधित कुछ बातें अवश्य ध्यान रखनी चाहिए। 2011 की जनगणना के समय भी जाति जनगणना की जबरदस्त मांग उठी थी और संसद का रिकॉर्ड देखें तो भाजपा भी सरकार से इसकी मांग कर रही थी। यूपीए सरकार ने इसे संविधान के तहत जनगणना आयुक्त के अधीन मान्य तरीके से कराने की जगह ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के रूप में कराया तो उसके भी निहितार्थ थे। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की, पूरा परिश्रम करने के बावजूद नहीं कर सकी क्योंकि पूरी रिपोर्ट त्रुटियों से भरी थी। लगभग 46 लाख जातियां और गोत्र आ गए थे। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जाति-जनजाति को छोड़कर अन्य जातियों की गणना नहीं करने का निर्णय लिया तो सोच यही थी कि अंग्रेज जाति भेद उभार कर भारत में अपनी सत्ता बनाये रखने के लक्ष्य से ऐसा कर रहे थे जिससे बचना है। यह सच है कि एक समय सामाजिक दृष्टि से गहरे अन्वेषण और व्यावहारिकता से निर्मित सशक्त जाति व्यवस्था भारत के स्वावलंबी और आदर्श देश का कारण था तो कालांतर में जाति भेद, ऊंच-नीच और छुआछूत ने देश को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया।

क्या ऊंच-नीच व भेदभाव से मुक्ति मिलेगी

ध्यान रखिए कि अंग्रेजों ने 1853 में नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंस में पहली जनगणना कराई और उसके बाद जातिवार गणना का विचार किया। तब सेन्शस एडमिनिस्ट्रेटर एचएच रिजले की अगुवाई में विचार हुआ और किसे व किस जाति का माना जाए, इसके लिए वर्ण व्यवस्था और पेशे के अनुसार जाति समूह बनाए गए। बावजूद 1901 में पहली जनगणना हुई लेकिन अंग्रेजों की दृष्टि से भी जाति पूर्ण जनगणना केवल 1931 में संभव हो सकी। दरअसल, भारत की जाति व्यवस्था को समझना अंग्रेजों के वश की बात नहीं थी। 1901 में 1646 जातियां थी तो 1931 की जनगणना में 4147 और 2011 में करीब 46 लाख। 1980 के मंडल आयोग रिपोर्ट में भी 3428 अन्य पिछड़ी जातियों की सूची थी। एक ही जाति श्रेणी के अलग-अलग राज्य के साथ एक ही राज्य में अलग-अलग नाम और गोत्र हैं। इसलिए शत- प्रतिशत मान्य और सुसंबद्ध जातिगत आंकड़ा देना गणना के बावजूद अत्यंत कठिन होगा। एक उदाहरण देखिए। 1931 में महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग में आने वाली जातियों की संख्या 494 थी, जबकि 2011 की गणना में यह संख्या 4 लाख 28 हजार 677 पाई गई। इससे कल्पना की जा सकती है कि जाति की गणना और फिर संपूर्ण स्पष्ट रिपोर्ट ले आना आसान नहीं होगा। मोदी सरकार ने 2011 की गणना पर गहराई से काम किया, इसलिए उसे इसका अनुभव है। मूल बात इस गणना के उद्देश्य की है। जब अधिसूचना जारी होगी तो पता चलेगा कि सरकार क्या उद्देश्य घोषित करती है। साफ है कि जाति जनगणना के पीछे दूरगामी सोच, भविष्य में उत्पन्न होने वाली प्रतिक्रियाओं को संभालने की तैयारी और उसके सदुपयोग की आधारभूमि होनी चाहिए। विपक्ष के तेवर से साफ है कि इसके बाद इसे मंडल भाग 2 बनाने की रणनीति अपनाई जाएगी। अगर जनसंख्या उनके अनुसार निकली तो आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाने पर राजनीति होगी। उस समय की परिस्थितियों को पहले की पृष्ठभूमि में देखने पर देश में सामाजिक अशांति और उथल-पुथल का डर पैदा होता है। अभी तक नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जाति, आरक्षण और अन्य मुद्दों पर दिखाई गई गंभीरता से उम्मीद की जा सकती है कि सत्ता की राजनीति करते हुए भी इसका हश्र वैसा नहीं होगा, जैसा मंडल और उसके नाम पर निकले नेताओं ने आरक्षण का किया। जाति जनगणना पर निर्णय के एक दिन पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की प्रधानमंत्री से लंबी मुलाकात हुई। इसमें जाति गणना की रूपरेखा और इससे उत्पन्न भविष्य की परिस्थितियों पर भी विस्तृत बातचीत हुई होगी। पिछले वर्ष 2 सितंबर को पलक्कड में आयोजित समन्वय बैठक में संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा था कि समाज के वंचित वर्ग के कल्याण के लिए जाति के आंकड़े इकट्ठे करने में समस्या नहीं है। लेकिन यह गंभीर मुद्दा है, राष्ट्र की एकता और अखंडता से जुड़ा है, इसलिए इसका राजनीतिक दुरुपयोग नहीं हो बल्कि उपयोग जन कल्याण के लिए हो। विपक्ष जो आरोप लगाये, संघ को व्यापक उद्देश्य से जाति गणना करने में समस्या नहीं रही है। संघ ने अपना मंतव्य सरकार के सामने स्पष्ट किया होगा। संघ का उद्देश्य हिंदू समाज के अंदर उसके स्व का भाव घनीभूत करते हुए भेदभाव समाप्त कर पूर्ण एकता स्थापित करना है। भेदभावपूर्ण जाति व्यवस्था भारत का मूल नहीं बल्कि कालांतर में विकृत होता गया भयानक सच है।

नकारात्मक मोड का पूर्वोपाय जरूरी

हिंदू समाज को विभाजित कर देश को कमजोर करने के लिए अनेक शक्तियां अंदर और बाहर सक्रिय हैं और जाति गणना की उग्र मांग के पीछे प्रत्यक्ष परोक्ष उनकी भूमिका भी है। जिस तरह राहुल गांधी या अखिलेश यादव सभाओं में पत्रकारों तक की जाति पूछते हुए डराते और शर्मसार करते देखे गए हैं वो भयभीत करने वाला है। यह समाज के वास्तविक वंचितों और पिछड़ों के कल्याण द्वारा जाति भेद समाप्त कर समता पर आधारित समाज निर्मित करने और देश की एकता व अखंडता को सशक्त करने की भूमिका तो नहीं हो सकती। सरकार, भाजपा, संघ तथा सामाजिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण में लगे दूसरे संगठनों को संपूर्ण परिस्थितियों की समझ है। इसलिए उम्मीद करनी चाहिए कि जाति के आंकड़े नए सिरे से विभाजन और जातीय विद्वेष, ईर्ष्या , घृणा उभारने का कारण नहीं बनेगा। यह जनगणना 1951 से अब तक की सबसे विस्तृत, व्यापक और समग्र गणना होगी जिसमें जाति गिनना एक भाग होगा। इसमें संभवतः एक-एक परिवार के संपूर्ण आर्थिक, वित्तीय जिसमें संपत्ति, कर्ज, वाहन, पेशा, शिक्षा आदि की संपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है। लेकिन जाति गणना का कारक राजनीतिक वक्तव्य और विमर्श में सबसे प्रबल होता जाएगा, इसकी पूरी संभावना है। मोदी सरकार और देश में सामाजिक सद्भाव तथा राष्ट्रीय एकता अखंडता में निष्ठा रखने वाले ,उसके लिए काम करने वाले संगठनों, समूहों और व्यक्तियों का दायित्व है कि उस विमर्श को नकारात्मक मोड़ लेने से रोकने का पूर्वोपाय करें।

जातिगत जनगणना के हैं बहुआयाम

दृष्टिकोण
प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ स्तंभकार

आखिरकार केंद्र सरकार ने जाति आधारित जनगणना को हरी झंडी देकर एक अच्छी पहल की है। इस गणना में धार्मिक और आर्थिक आंकड़े तो लिए ही जाएंगे, गरीबी और अमीरी के आंकड़े भी स्पष्ट तौर से रेखांकित हो जाएंगे। विभिन्न धर्मों के धर्मावलंबियों की संख्या भी सुनिश्चित हो जाएगी। हालांकि एक समय जातीय आधार पर जनगणना का विरोध कांग्रेस समेत अनेक राजनीतिक दल इसलिए कर रहे थे कि इससे जातिवाद और मजबूत होगा, जबकि एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में जाति तोड़ने के उपाय होने चाहिए। लेकिन राहुल गांधी ने जातीय जनगणना के पैरोकार बनकर ऐसे हालात पैदा कर दिए कि भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार को यह निर्णय लेना पड़ा। हालांकि भाजपा ने जातीय गिनती का कभी स्पष्ट रूप में विरोध नहीं किया। अलबत्ता देश की हकीकत यह है कि जाति तोड़ने के जितने भी सनातन उपाय किए गये हैं, वे असफल ही रहे हैं। विनायक दमोदर सावरकर ने तो हिन्दुओं का जातिगत ढांचा नष्ट करने का संकल्प भी लिया था, लेकिन वे विफल रहे। गणना की इस प्रणाली से कई अहम और नए पहलू सामने आएंगे।

मुस्लिम समाज में जातिप्रथा पर पर्दा

बृहत्तर हिन्दू समाज (हिन्दू, जैन, बौद्ध, सिख) में जिस जातीय संरचना को ब्राह्मणवादी व्यवस्था का दुष्चक्र माना जाता है, हकीकत में यह व्यवस्था कितनी पुख्ता है, इसका खुलासा होगा। मुस्लिम समाज में भी जातिप्रथा पर पर्दा डला हुआ है। आभिजात्य मुस्लिम वर्ग यही स्थिति बहाल रखना चाहता है, जिससे सरकारी योजनाओं के जो लाभ हैं वे पूर्व से ही संपन्न लोगों को मिलते रहें। जबकि मुसलमानों की सौ से अधिक जातियां हैं, परंतु इनकी जनगणना का आधार धर्म और लिंग है। अल्पसंख्यक समुदाओं में से एक पारसियों की घटती आबादी की स्थिति भी जातीय गणना से साफ होगी। क्योंकि हाल ही में इस समुदाय को प्रजनन सहायता योजना चलाकर जनसंख्या वृद्धि दर बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। पिछड़ों की समृद्ध जातियां, जाति आधारित जनगणना कराए जाने पर इसलिए दबाव डालती चली आ रही थीं, जिसमें पिछड़ों को उनकी जातीय प्रतिशत के हिसाब से आरक्षण सुविधा का लाभ मिले। आर्थिक और शैक्षिक आंकड़े सामने आने पर आरक्षण की सुविधा से यदि धनी पिछड़ों को अलग किया जाता है तो इन आंकड़ों की महत्ता सार्थक होगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को चार सौ पार रोकने में जातीय जनगणना और संविधान बदलने के मुद्दे विपक्ष के काम आए। इसी का परिणाम रहा कि उप्र में भाजपा की सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं। इसी के चलते भाजपा स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से दो सीटें पीछे रह गई। पिछड़ने के इस कारण में उप्र के पिछड़ों की नाराजगी दिखाई दी।

आरक्षण जाति उत्थान का मूल नहीं

अतएव भाजपा और संघ असमंजस की स्थिति से उबरे और जातीय आधारित जनगणना कराने का अहम निर्णय ले लिया। जातिवार जनगणना और उससे वर्तमान आरक्षण पद्धति में परिवर्तन की

उम्मीद को लेकर पिछड़े तबके के अलंबदार लालू-मुलायम-शरद का जोर था कि पिछड़ी जातियों की गिनती अनुसूचित जाति व जनजातियों की तरह कराई जाए। क्योंकि आरक्षण के संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 16 की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह पहल जरूरी थी। लेकिन आरक्षण किसी भी जाति के समग्र उत्थान का मूल कभी नहीं बन सकता। क्योंकि आरक्षण के सामाजिक सरोकार केवल संसाधनों के बंटवारे और उपलब्ध अवसरों में भागीदारी से जुड़े हैं। इस आरक्षण की मांग शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार और अब ग्रामीण अकुशल बेरोजगारों के लिए सरकारी योजनाओं में हिस्सेदारी से जुड़ गई हैं। परंतु जब तक सरकार समावेशी आर्थिक नीतियों को अमल में लाकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक नहीं पहुंचती तब तक पिछड़ी या निम्न जाति अथवा आय के स्तर पर पिछले छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार नहीं आ सकता। लेकिन यहां सवाल उठता है कि पूंजीवाद की पोषक सरकारें समावेशी आर्थिक विकास की पक्षधर क्यों होंगी? देश के राज्यों में ऐसी कई जातियां हैं जो क्षेत्रीयता के दायरे में हैं। इतनी प्रत्यक्ष जातियां होने के बावजूद मुसलमानों को लेकर यह भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि ये जातीय दुष्चक्र की गुंजलक में नहीं जकड़े हैं। दरअसल जाति-विच्छेद पर आवरण कुलीन मुस्लिमों की कुटिल चालाकी है। इनका मकसद विभिन्न मुस्लिम जातियों को एक सूत्र में बांधना कतई नहीं है। गोया, ये इस छद्म आवरण की ओट में सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं पर एकाधिकार रखना चाहते हैं, जिससे इनका और इनकी पीढ़ियों को लाभ मिलता रहे। इसलिए धर्म आधारित मुस्लिम जनगणना में जाति का खाना भी अब सुनिश्चित होगा। इससे तय होता कि किस श्रेणी की कितनी मुस्लिम आबादी है। इनकी शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति भी स्पष्ट होगी। 1931 में हुई जनगणना में बिहार और उड़ीसा में मुसलमानों की तीन बिरादरियों का जिक्र है, मुस्लिम डोम, मुस्लिम हलालखोर और मुस्लिम जुलाहे। बाकी जातियों को किस राजनीतिक जालसाजी के तहत हटाया गया, इसकी पड़ताल हो तो अच्छा है। यदि ऐसा होता है तो वास्तविक रूप से आर्थिक बदहाली झेल रही जातियों को सरकारी लाभ योजनाओं से जोड़ा जा सकेगा। अल्संख्यक समूहों में इस वक्त हमारे देश में पारसियों की घटती जनसंख्या चिंता का कारण है। इस आबादी को बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने प्रजनन सहायता योजना समेत तीन योजनाओं को इसी वित्तीय वर्ष में लागू किया है। सर्वे के मुताबिक पारसियों की जनसंख्या 1941 में 1,14000 के मुकाबले 2011 में केवल 69000 रह गई। बीते दस साल में इनकी आबादी किस हाल में है, इसका खुलासा भी जातीय गणना से होगा।

घुसपैठियों के भी आंकड़े मिलेंगे

2011 की जाति आधारित जनगणना में ऐसे उपायों का भी सख्ती से पालन होगा, जिससे बांग्लादेशी घुसपैठिए इस पंजी में दर्ज नहीं होने पाएं? लेकिन ऐसा नहीं किया गया तो इन घुसपैठियों की भी गिनती हो जाएगी। ये घुसपैठिए देश के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने और सुरक्षा की दृष्टि से भारी बोझ हैं। केंद्र सरकार ने स्वीकार किया है कि देश में दो करोड़ से अधिक बांग्लादेशी नाजायज तौर से रह रहे हैं। अपने मूल स्वरूप में जनसंख्या में बदलाव एक जैविक घटना होने के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक व आर्थिक आधारों को प्रभावित करती है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना, मध्यान्ह भोजन, बीपीएल और एपीएल के माध्यम से आहार का आधार बनाए जाने के कारण भी सटीक जनगणना है। इसलिए जातिवार जनसंख्यात्म लक्ष्य देश के गरीब व वंचित वर्ग को खाद्य और पेयजल जैसी सुरक्षा का उपाय तो बनेंगे ही, सरकारी सेवाओं में आरक्षण किस जाति और वर्ग के अधिक जरूरी है, इसकी भी झलक मिलेगी।

दोधारी तलवार है जातिगत जनगणना

दो टूक
संदीप सृजन
स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार

जातिगत जनगणना एक ऐसा विषय है जो भारत के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में लंबे समय से चर्चा का केंद्र रहा है। यह न केवल सामाजिक संरचना को समझने का एक उपकरण है, बल्कि नीति निर्माण और संसाधन वितरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि इसे सावधानीपूर्वक और जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत को एक अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की ओर ले जा सकता है। जातिगत जनगणना का इतिहास भारत में औपनिवेशिक काल से शुरू होता है। भारत में पहली बार व्यापक जनगणना 1881 में ब्रिटिश शासन के तहत आयोजित की गई थी, जिसमें जाति के आधार पर भी आंकड़े एकत्र किए गए। यह प्रक्रिया 1931 तक नियमित रूप से हर दस साल में दोहराई गई। 1931 की जनगणना में विभिन्न जातियों और उपजातियों की विस्तृत जानकारी प्रकाशित की गई, जो आज भी कई नीतियों और आरक्षण प्रणालियों के लिए आधारभूत डेटा के रूप में उपयोग की जाती है।

1951 में जातिगत गणना बंद हुई

उदाहरण के लिए, 1931 के आंकड़ों के आधार पर ही मंडल आयोग ने 1980 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी। 1941 की जनगणना में भी जाति आधारित आंकड़े एकत्र किए गए, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध और अन्य प्रशासनिक कारणों से इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। आजादी के बाद, 1951 की जनगणना में भारत सरकार ने जातिगत आंकड़े एकत्र करने को बंद करने का निर्णय लिया। केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आंकड़े एकत्र किए जाने लगे, जबकि अन्य जातियों के लिए कोई अलग डेटा संग्रह नहीं किया गया। 2011 में, यूपीए सरकार ने सामाजिक- आर्थिक और जातिगत जनगणना आयोजित की, जो 1931 के बाद पहली बार जाति आधारित डेटा संग्रह का प्रयास था। लेकिन इस सर्वेक्षण के आंकड़े पूरी तरह सार्वजनिक नहीं किए गए और इसकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से बिहार में 2023 में आयोजित जाति आधारित सर्वेक्षण ने इस मुद्दे को फिर से राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया। बिहार सरकार ने इस सर्वेक्षण को दो चरणों में पूरा किया, जिसमें पहले चरण में घरों की गिनती और दूसरे चरण में जातियों के आंकड़े एकत्र किए गए। केंद्र सरकार ने शुरू में इस सर्वेक्षण का विरोध किया, लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया। 2025 में, केंद्र सरकार ने घोषणा की कि अगली राष्ट्रीय जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी शामिल किए जाएंगे, जिसे कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिकल अफेयर्स ने मंजूरी दे दी है।

जातिगत गणना के लाभ

जातिगत जनगणना के समर्थक इसे सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण उपकरण मानते हैं। जातिगत जनगणना से विभिन्न जाति समूहों की शिक्षा, रोजगार, आय और संपत्ति के वितरण में असमानताओं का सटीक आकलन किया जा सकता है। यह डेटा

नीति निर्माताओं को उन समुदायों की पहचान करने में मदद करता है जो सामाजिक और आर्थिक रूप से सबसे अधिक हाशिए पर हैं। उदाहरण के लिए, बिहार के 2023 सर्वेक्षण ने दिखाया कि 84% आबादी सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिए पर है, जिसने नीति निर्माण में नए दृष्टिकोण को जन्म दिया। सटीक जाति आधारित डेटा के आधार पर सरकारें विशिष्ट समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बना सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी विशेष जाति समूह में शिक्षा का स्तर बहुत कम है, तो उनके लिए विशेष शैक्षिक कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। जातिगत जनगणना से यह स्पष्ट हो सकता है कि किन क्षेत्रों या समुदायों में संसाधनों की अधिक आवश्यकता है। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाया जा सकता है जो वास्तव में जरूरतमंद हैं। जातिगत जनगणना से नया डेटा मिलेगा, जिसके आधार पर आरक्षण कोटे को समायोजित किया जा सकता है। जातिगत जनगणना शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के लिए एक मूल्यवान डेटाबेस प्रदान कर सकती है, जिससे सामाजिक गतिशीलता, असमानता और विकास के विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन संभव हो सकता है। जातिगत जनगणना से वंचित समुदायों को उनकी स्थिति सुधारने का अवसर मिलेगा, जिससे सामाजिक एकता मजबूत होगी और लोकतंत्र में उनकी हिस्सेदारी बढ़ेगी। जातिगत जनगणना के विरोधी इसे सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से हानिकारक मानते हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि जातिगत जनगणना से समाज में जातिगत तनाव और ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के आधार पर समूहों में बांट सकता है, जिससे राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना में व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की जाती है, जिसके दुरुपयोग की आशंका रहती है। यदि यह डेटा गलत हाथों में पड़ता है, तो यह सामाजिक भेदभाव को और बढ़ा सकता है। जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न समुदाय आरक्षण की नई मांगें उठा सकते हैं, जिससे सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50% आरक्षण की सीमा पहले ही कई राज्यों में चुनौती का विषय है। जातिगत जनगणना जाति व्यवस्था को और मजबूत कर सकती है, क्योंकि यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के प्रति और अधिक जागरूक करेगी। इससे आधुनिक लोकतंत्र के 'सार्वभौमिक नागरिक बोध' को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना का डेटा राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति के लिए दुरुपयोग किया जा सकता है। क्षेत्रीय दल विशेष रूप से इसका उपयोग अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए कर सकते हैं।

वर्तमान स्थिति और विश्लेषण

विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट है कि जातिगत जनगणना एक दोधारी तलवार है। एक ओर, यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। यह उन समुदायों को मुख्यधारा में लाने में मदद कर सकता है जो ऐतिहासिक रूप से वंचित रहे हैं। दूसरी ओर, इसके गलत उपयोग से सामाजिक तनाव, राजनीतिक अस्थिरता और जातिगत पहचान को और मजबूत करने का खतरा है। इसलिए, जातिगत जनगणना को लागू करने से पहले कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए। पहला, डेटा संग्रह की प्रक्रिया को पारदर्शी और गोपनीय बनाया जाना चाहिए ताकि व्यक्तिगत गोपनीयता का उल्लंघन न हो। दूसरा, आंकड़ों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त कानूनी ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। तीसरा, जनगणना के परिणामों को केवल सामाजिक कल्याण और नीति निर्माण के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए।

सरगुजा जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 43 के विशनपुर क्षेत्र की घटना

सड़क हादसे में पति-पत्नी और मासूम बच्चे की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

शुक्रवार को सरगुजा जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 43 स्थित विशुनपुर क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जिसमें दुधमुंहे 3 माह के बच्चे सहित उसके माता-पिता की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, एर्टिगा कार तेज़ गति से चल रही थी। चालक संतोष पैंकरा द्वारा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने के कारण कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

बाइक पर सवार दंपति विनोद कुमार यादव, उनकी पत्नी और तीन माह का शिशु तीनों हादसे का शिकार हो गए। टक्कर के बाद तीनों बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे। गिरने से महिला और मासूम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि घायल विनोद कुमार ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त कार में आईआईटी परीक्षा देने जा रहे पांच

परीक्षार्थी (तीन युवतियां और दो युवक) सवार थे। हादसे के तुरंत बाद युवक मौके पर फरार हो गए। जबकि कार चालक संतोष पैंकरा और एक युवती को घायल अवस्था में 112 की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सीतापुर भेजा गया। मृतक परिवार दमगड़ा पेटला का निवासी था।

तीन महिलाओं को कार चालक ने मारी टक्कर, एक की मौत

शुक्रवार को हिट एंड रन की एक घटना हुई। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में अज्ञात कार चालक ने मॉर्निंग वॉक पर निकली दो युवतियों और एक महिला को तेज रफ्तार से ठोकर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि अन्य दो घायलों को मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज जारी है। मृत महिला की हालत घटना के समय से ही नाजुक बताई जा रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन आरोपी कार चालक अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर है।

हार्टअटैक से व्यवसायी की मौत

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले में शनिवार को 35 वर्षीय व्यवसायी इंद्रजीत सिंह बाबरा की हार्ट अटैक से अचानक मौत हो गई। यह पूरी घटना संगम चौक स्थित एक सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि इंद्रजीत सिंह स्कूटी स्टार्ट कर रहे थे, तभी उन्हें हार्ट अटैक आया और वे सड़क पर गिर पड़े। आसपास कई लोग मौजूद थे, पर किसी

ने तुरंत ध्यान नहीं दिया। जिससे उनकी जान बचाई जा सकती थी। परिवार इस असमय और आकस्मिक घटना से गहरे सदमे में है।

सीएम डॉ. यादव ने कहा, आम लोगों को सुशासन का लाभ दिलाएं, जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद भी करें

फौती नामांतरण में देरी होने की शिकायत पर नायब तहसीलदार को दिया नोटिस

मुख्यमंत्री ने समाधान ऑनलाइन में प्रदेश के 14 प्रकरणों की सीधी सुनवाई की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनता की संतुष्टि ही हमारा ध्येय है। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सुशासन है, इसलिए प्रदेश के हर नागरिक को सुशासन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करें और उनके सुझावों पर भी अमल करें। हरसंभव तरीके से अपनी दक्षता और क्षमता बढ़ायें। जिले में चल रही सभी प्रकार की घटनाओं पर पैनी नजर रखें। योजनाओं का समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित हो, इसके लिए बेहतर से बेहतर प्रबंधन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समाधान ऑनलाईन में आए प्रदेश के 14 जिलों के विभिन्न प्रकरणों की सीधी सुनवाई की। आवेदकों से रू-ब-रू बात कर उनके मामले के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। समाधान ऑनलाइन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 14 शिकायतों का निराकरण कराया।

मुरैना जिले के आवेदक ब्रम्हलाल सिंह ने उसके फौती नामांतरण में देरी होने की शिकायत की थी। कलेक्टर ने बताया कि इस मामले में संबंधित नायब तहसीलदार को नोटिस दिया गया है और पटवारी पर भी कार्रवाई की गई है। उमरिया जिले के आवेदक दीपक कोरी ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना के तहत उसे पेंशन न मिलने की शिकायत की थी। आवेदक ने बताया कि शिकायत करने के बाद अब उसे पेंशन मिल रही है। कलेक्टर उमरिया ने बताया कि हितग्राही को पेंशन मिलने में देरी के लिये दोषी पाए गए समग्र सामाजिक न्याय अधिकारी की एक वेतनवृद्धि रोकी गई है। ग्राम पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस दिया गया है और इस संबंध में देरी के लिए विशेष रूप से दोषी पाए गए ग्राम रोजगार सहायक से अर्थदंड की राशि तीन हजार रूपए वसूल करके आवेदक को दे दी गई है।

खास बातें

- जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सुशासन: डॉ. यादव
- जिले में सभी प्रकार की घटनाओं पर पैनी नजर रखने के दिए निर्देश
- आवेदकों से की सीएम ने बात

मनरेगा में आवेदिका को भुगतान दिला दिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाईन में आए पांढुर्णा, मुरैना, उमरिया, नीमच, भिंड, बैतूल, निवाड़ी, रायसेन, नर्मदापुरम एवं धार जिले के एक-एक मामले तथा शहडोल और सतना जिले के दो-दो मामलों (कुल 14 प्रकरणों) की सीधी सुनवाई की। पांढुर्णा जिले की आवेदिका कलावती हिंगवे ने शिकायत की थी कि उन्हें कपिलधारा कूप निर्माण, मेढ़बंधान, खेत-तालाब, भूमिशिल्प, नंदन फल उद्यान के संबंध में मनरेगा की ओर से भुगतान नहीं किया गया था। कलेक्टर पांढुर्णा ने बताया कि इस मामले में दोषी ग्राम रोजगार सहायक को पद से पृथक कर दिया गया है। पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया है। दोषी सब इंजीनियर का 15 दिन का वेतन रोगा गया और दोषी पाए गए सहायक यंत्री के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव कमिश्नर जबलपुर को भेज दिया गया है। वर्तमान में आवेदिका को उसका भुगतान दिला दिया गया है।

दो लाख रुपए की बीमा राशि का भुगतान कर दिया

निवाड़ी जिले के आवेदक चेनू कुशवाहा ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत उसे आवास राशि का लाभ न मिलने की शिकायत की थी। रायसेन जिले के आवेदक बालचंद विश्वकर्मा ने उसके बेटे की आकस्मिक मृत्यु हो जाने पर उसे बीमा राशि का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर रायसेन ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रूपए की बीमा राशि का भुगतान कर दिया गया है। नर्मदापुरम जिले के आवेदक राहुल यादव ने उसके गांव में नल-जल योजना के काम पूरे होने के बाद भी उन्हें पेयजल प्राप्त न होने की शिकायत की। धार जिले की आवेदिका सीमा दांगी के पति रामा दांगी ने बताया कि उन्हें विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी, जो उन्हें नहीं मिल सकी, इसलिए उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की थी। कलेक्टर धार ने बताया कि इस मामले में संबंधित ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया है और उससे 5 हजार रुपए का अर्थदंड भी वसूल किया गया है। शहडोल और सतना के आवेदकों की शिकायतों का समाधान भी इस अवसर पर किया गया।

आवेदक को 9 लाख 28 हजार 200 रुपए की शासकीय राशि का भुगतान

नीमच जिले के आवेदक लालाराम भील ने उसे दिए गए वनाधिकार हक प्रमाण पत्र में वन विभाग की ओर से त्रुटि किए जाने के कारण उसे लाभ न मिलने की शिकायत की थी। इस पर अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल ने बताया कि जारी किए गए वनाधिकार प्रमाण पत्र में शाब्दिक, तकनीकी त्रुटि के कारण आवेदक के साथ यह परिस्थिति बनी। परंतु अब आवेदक को उसके हक की 9 लाख 28 हजार 200 रुपए की शासकीय राशि भुगतान कर दी गई है।

छात्रवृत्ति में देरी पर क्षेत्र संयोजक पर कार्रवाई

भिंड जिले के आवेदक (छात्र) दिनेश चरकोटा ने उसे जनजातीय कार्य विभाग की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति न मिलने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर भिंड ने बताया कि आवेदक को छात्रवृत्ति मिलने में विलंब के लिए दोषी क्षेत्र संयोजक पर कार्रवाई की गई है। इसके अलावा जिला संयोजक (जो पहले से ही निलंबित चल रहे हैं) के निलंबन आरोप में इस मामले के आरोप भी जोड़ दिए गए हैं। बैतूल जिले के आवेदक (किसान) अनोखीलाल यादव ने सहकारिता विभाग की ओर से जारी उसके केसीसी किसान क्रेडिट कार्ड का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उसे कठिनाई होने की शिकायत की थी। कलेक्टर बैतूल ने मामले में अद्यतन जानकारी देते हुए बताया कि प्रबंधक पर एफआईआर की गई, फिर उससे वसूली भी की गई है।

इंदौर स्थित उनके निवास पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित कर परिजनों को बंधाया ढांढस

सीएम व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने सलूजा को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का बुधवार को इंदौर में हार्ट अटैक से निधन हो गया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने शुक्रवार को इंदौर स्थित उनके निवास पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित कर परिवारजनों को ढांढस बंधाया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश सगंठन महामंत्री हितानंद ने नरेंद्र सलूजा के निधन पर शोक व्यक्त किया।

सलूजा भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता थे: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरेंद्र सलूजा के निज निवास 195, रानीबाग मुख्य इंदौर पहुंचकर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि नरेंद्र सलूजा का असामयिक निधन भाजपा के लिए बड़ी क्षति है। सलूजा भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता थे। पार्टी ने होनहार व्यक्ति को खो दिया है यह दुखद है। मैं भगवान से कामना करता हूं कि सलूजा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

सलूजा का हमारे बीच से जाना पार्टी के लिए बड़ी क्षति : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष शर्मा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने नरेंद्र सलूजा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि नरेंद्र सलूजा का असमय निधन भाजपा परिवार के लिए बड़ी क्षति है। पार्टी ने एक अच्छे वक्ता को खो दिया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

शिक्षक के साथ खड़े अन्य लोग सुरक्षित, सरगुजा के सीतापुर की घटना

मोबाइल चला रहे शिक्षक पर गिरी बिजली, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीतापुर

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के सीतापुर में आकाशीय बिजली ने एक शिक्षक की जान ले ली। अचानक बारिश शुरू होने पर उस समय शिक्षक और छः लोग बंद होटल में शरण लिए हुए थे। तभी वहां गाज गिरी और उसने शिक्षक को अपनी चपेट में ले लिया, जबकि उनके साथ खड़े अन्य छह-सात लोगों को खरोंच तक नहीं आई।

मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षक अपने किसी रिश्तेदारी से घर लौट रहे थे। घटना ग्राम रजौटी स्थित त्रिकोण चौक में करीब एक बजे की है। जहाँ जशपुर जिले के ग्राम तमता से रिश्तेदारी निभाकर घर वापस आ रहे शिक्षक ने बारिश से बचने बंद

पड़े होटल में शरण ली थी। उस होटल में शिक्षक के अलावा पांच अन्य लोगों ने भी बारिश से बचने शरण ले रखी थी। इसी बीच तेज बारिश के साथ वहां पर गाज गिरी और मोबाइल चला रहे शिक्षक को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि वहाँ मौजूद लोग उनको लेकर भागे-भागे हॉस्पिटल पहुँचे। जहाँ डॉक्टर ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर द्वारा मृत घोषित करने के बाद भी परिजनों का मन नही माना और वो इस उम्मीद से शिक्षक को मेडिकल कॉलेज लेकर भागे। ताकि अगर थोड़ी बहुत भी संभावना हो तो वहाँ शिक्षक की जान बचाई जा सके। गाज गिरने के दौरान वहां मौजूद छह लोगों में से केवल शिक्षक इसकी चपेट में आ गए और अपनी जान गंवा दी। दरअसल बारिश के दौरान बंद पड़े होटल में शिक्षक समेत छः लोग शरण लिए हुए थे। इस दौरान शिक्षक वहाँ बैठकर मोबाइल चला रहे थे, तभी वहां पर गाज गिरी और छह लोगों में से केवल शिक्षक को अपनी चपेट में ले लिया। बाकी वहाँ मौजूद पांच अन्य लोगों का बाल भी बांका नही हुआ। वे सभी इस प्राकृतिक आपदा में बाल-बाल बच गए।

वारदात के बाद शव ईंट भट्ठे के गड्ढे में फेंका, दो गिरफ्तार

50 रुपए नहीं देने पर पत्नी की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लैलूंगा

29 अप्रैल को एक ईंट भट्ठे के गड्ढे में 42 वर्षीय महिला की लाश मिलने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतका के पति ने शराब के लिए 50 रुपये न देने पर गुस्से में उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी। लैलूंगा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर मृतका के पति बिसाहू माझी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि पैसे को लेकर हुए विवाद में उसने पत्नी को पीटा और गला दबाकर मार डाला, फिर शव को ईंट भट्ठे के गड्ढे में फेंक दिया।

पुलिस जांच में पता चला कि दंपती के बीच अक्सर झगड़े होते थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाने से मौत की पुष्टि हुई। प्रारंभिक तौर पर बिसाहू ने दावा किया था कि पत्नी गड्ढे में गिरकर मरी, लेकिन शव और घटनास्थल के निरीक्षण से

भट्टा मालिक के बेटे को थी जानकारी, साक्ष्य छिपाने के मामले में वो भी बना आरोपी

मामला संदिग्ध पाया गया। जांच में यह भी सामने आया कि भट्ठा मालिक के बेटे उमेश बंजारा (27) को घटना की जानकारी थी, लेकिन उसने पुलिस को सूचना नहीं दी और साक्ष्य छिपाने की कोशिश की। इसके लिए उसके खिलाफ धारा 239 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। मृतका और उसका पति डेढ़ महीने से भट्ठे में काम कर रहे थे और वहीं रहते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

नशे की हालत में वाहन छोड़ कर रहा था डांस

डीजे वाहन की चपेट में आने से लगभग एक दर्जन घायल

बलौदा बाजार। जिले के हीरमि गांव में बारात के दौरान एक हादसा हो गया। बारात में शामिल डीजे वाहन का चालक नशे की हालत में गाड़ी से उतरकर नाचने लगा। इस दौरान वाहन को असुरक्षित अवस्था में छोड़ दिया गया। वाहन में बैठे कुछ बच्चों ने अनजाने में गाड़ी का गियर लगा दिया, जिससे गाड़ी आगे बढ़ गई और बारातियों की भीड़ में घुस गई। इस हादसे में लगभग 10 से 12 लोग डीजे वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सभी घायलों को तुरंत बलौदा-बाजार जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है और डीजे वाहन चालक की लापरवाही को लेकर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

डॉ. यादव ने कहा, बेटियों के लिए अद्भुत है लाड़ली लक्ष्मी योजना

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ लाड़ली लक्ष्मी के नाम' अभियान में लगाए पौधे, दीं शुभकामनाएं

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सभी बेटियों, बहनों और माताओं के कल्याण के लिए सरकार हमेशा आगे रही है। बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना तैयार कर 1 अप्रैल 2007 से लागू की थी। यह योजना बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने और प्रदेश के जेंडर रेश्यो में उत्तरोत्तर सुधार के लिए विश्व की एक अद्भुत योजना है।

इसमें बेटियों के जन्म से लेकर उनकी पढ़ाई और उनका विवाह होने तक भी सरकार द्वारा अभिभावकों को आर्थिक सहायता दी जाती है, ताकि बेटियों को कोई भी माता-पिता बोझ न माने, बेटियों की पढ़ाई-लिखाई की चिंता से मुक्त रहें और सिर्फ उनके सुनहरे भविष्य के निर्माण में ही अग्रसर रहें। इस योजना को आशातीत प्रतिसाद मिलने से प्रदेश में जेंडर रेश्यो में बढ़ोतरी हुई है। डॉ. यादव शुक्रवार को लाड़ली लक्ष्मी योजना दिवस के अवसर पर स्टेट हैंगर परिसर में पौधरोपण के पश्चात लाड़ली लक्ष्मियों को संबोधित कर रहे थे।

बेटियों, बहनों और माताओं के लिए सरकार हमेशा आगे

आम, आंवला, संतरे और नींबू के पौधे लगाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान के तहत भोपाल जिले की 25 से अधिक लाड़ली लक्ष्मी के साथ आम, आंवला, संतरे और नींबू के पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर माता-पिता को अपनी बेटियों के नाम एक-एक पौधा जरूर लगाना चाहिए और उस पौधे का अपनी संतान की तरह पालन पोषण करना चाहिए। उन्होंने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रारंभ से अब तक 50 लाख 45 हजार से अधिक लाड़ली लक्ष्मियों का पंजीयन किया जा चुका है। कार्यक्रम में आईं सभी लाड़ली लक्ष्मियों ने फूल देकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया और उनके साथ पौधरोपण किया। उन्होंने प्रदेश की सभी बेटियों को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव की शुभकामनाएं देते कहा कि वे जितना अधिक हो सके, खूब पढ़-लिखकर अपने जीवन में निरंतर आगे बढ़ें। उनके भविष्य की चिंता हमारी सरकार करेगी। डॉ. यादव ने कहा कि बेटियों को हर कदम पर जरूरी मार्गदर्शन और मदद मुहैया कराई जाएगी। कार्यक्रम में नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित थे।

16 हजार किसानों ने लिया पांच रुपए कृषि पंप कनेक्शन

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अपने कार्यक्षेत्र में ग्रामीण एवं कृषि उपभोक्ताओं को मात्र पांच रुपए में स्थायी कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध करा रही है। जब से यह योजना शुरू हुई है तब से अब तक इस योजना का लाभ 16 हजार 545 ग्रामीण कृषकों को मिल चुका है। कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने कहा है कि कृषि पंपों के कनेक्शनों की संख्या बढ़ाए जाने हेतु ऐसे कृषक जो विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं उनको सुविधानुसार कनेक्शन दिया जा रहा है। नवीन कृषि पंप के लिए स्थाई विद्युत कनेक्शन का आवेदन सरल संयोजन पोर्टल से किया जा सकता है।

बिना दिमाग के जीते हैं ये समुद्री जीव, अंग के उपयोग से समझते हैं आसपास का वातावरण

स्टारफिश

स्टारफिश भी एक ऐसा समुद्री जीव है, जो बिना दिमाग के जी सकता है। यह अपने पैरों की मदद से समुद्र की सतह पर चलती है और अपने भोजन को खोजती है। स्टारफिश में एक खासियत होती है कि अगर इसका कोई हाथ कट जाए तो यह उसे फिर से उगा सकती है।इसके अलावा स्टारफिश पानी के माध्यम से भी अपने आसपास के माहौल को महसूस कर सकती है।

दिमाग को जानवरों का सबसे जरूरी अंग माना जाता है क्योंकि यह उन्हें सोचने, समझने और निर्णय लेने की शक्ति देता है। हालांकि, कुछ समुद्री जीव ऐसे होते हैं, जिनके पास दिमाग नहीं होता और फिर भी वे जीवित रहते हैं। ये समुद्री जीव अपनी रोजमर्रा की जिंदगी बिना दिमाग के जीते हैं और अपने आसपास की दुनिया को समझने के लिए अन्य अंगों का उपयोग करते हैं। आइए आज हम आपको कुछ समुद्री जीवों के बारे में बताते हैं।

जेलीफिश

जेलीफिश भी एक ऐसा समुद्री जीव है, जिसके पास वास्तव में कोई दिमाग नहीं होता। जेलीफिश अपने शरीर के झिल्लियों के माध्यम से संवेदनाओं का अनुभव करती हैं और अपने पर्यावरण के साथ बातचीत करती हैं। जेलीफिश की कुछ प्रजातियां तो बिना किसी दिमाग के कई वर्षों तक जीवित रह सकती हैं। जेलीफिश समुद्र के गहरे हिस्सों में रहती हैं इसलिए इनके शरीर में किसी भी तरह की जटिल संरचना विकसित नहीं होती है।

समुद्री मकड़ी

समुद्री मकड़ी एक अनोखा समुद्री जीव है, जो बिना किसी दिमाग के भी जीवित रहती है। यह मकड़ी समुद्र के गहरे हिस्सों में पाई जाती है और इसकी खासियत है कि यह अपने शरीर के अन्य हिस्सों के माध्यम से पोषक तत्व ग्रहण करती है। वह पानी में मौजूद ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों का इस्तेमाल करके जीवित रहती है। इस प्रक्रिया को 'डायरेक्ट अब्जॉर्प्शन' कहा जाता है।

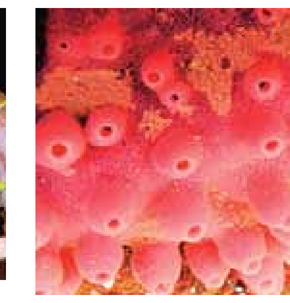

स्पंज

स्पंज एक ऐसा जीव है, जो पानी में पाया जाता है और बिना किसी दिमाग के भी जीवित रहता है। स्पंज अपनी सतह के माध्यम से पानी को अवशोषित करता है और इससे पोषक तत्वों को ग्रहण करता है। स्पंज की संरचना बहुत सरल होती है, लेकिन यह कई प्रकार के पोषक तत्वों को अपने शरीर में जमा कर सकता है। इसके अलावा स्पंज की खासियत यह भी है कि यह समुद्र की गहराइयों में पाया जाता है।

रोचक खबरें

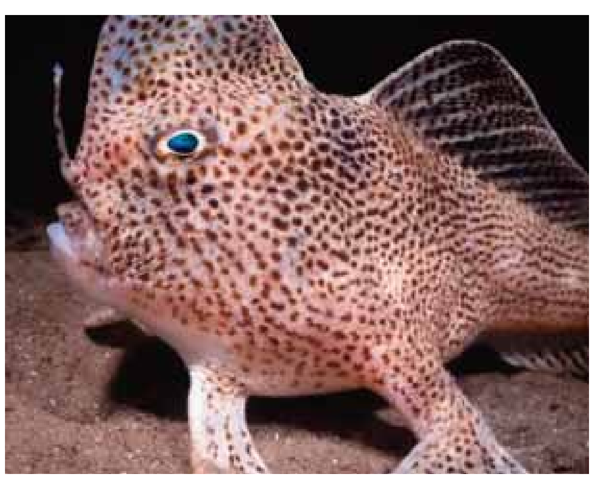

दुनिया की वो रंग-बिरंगी मछली, जो समंदर में चलती है, तैरती नहीं

नई दिल्ली। जंगल और समंदर के कुछ जीव ऐसे हैं जो अब गिने चुने बचे हैं। इन्हें विलुप्त होती प्रजातियों में रखा जाता है। ऐसी ही कुछ मछलियों को ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया द्वीप पर देखा गया है। देखने में यह अजीब सा जीव लगता है। इसके पंख हथेली की तरह दिखाई देते हैं। इसी के सहारे मछली पानी में आगे बढ़ती है। इसका नाम हैंडफिश है। पर्पल, रेड, पिंक कलर की इस फिश को आसानी से पहचाना जा सकता है। ये समंदर के नीचे तली में चलती हैं और अपने शिकार की तलाश में रहती हैं। ये छोटे कीड़े खाती हैं। इन रंगीन मछलियों को बचाने के लिए संरक्षण कार्यक्रम भी चल रहे हैं। पहली बार इन मछलियों को देखने का मौका मिले तो ऐसा लगेगा कि जैसे किसी ने पेंटिंग की हो। तस्मानिया यूनिवर्सिटी ने इसके संरक्षण के मकसद से एक वेबसाइट बनाई है और डोनेशन की पहल कर रही है। बताया गया है कि ये मछलियां ऐसे फैमिली से आती हैं जिनके 'हाथ' काफी बड़े होते हैं और ये तैरती नहीं बल्कि चलती हैं। जी हां, ये वॉक करती हैं। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में कुल 14 हैडफिश की प्रजातियां पाई जाती हैं। इनके रहने की जगह खत्म हो रही है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन भी इन्हें प्रभावित कर रहे हैं।

जापान के इस शहर में लोगों दिनभर में एक बार हंसना है अनिवार्य

जापान को दुनिया का सबसे खुशहाल देशों में से एक माना जाता है। अब यहां के यामागाटा प्रान्त ने एक अनोखा कानून बनाया है, जिसमें नागरिकों को दिन में एक बार हंसना अनिवार्य किया गया है। यामागाटा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के एक अध्ययन से प्रेरित इस कानून का उद्देश्य निवासियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाना है। शोध से पता चलता है कि हंसने से हृदय रोग का

खतरा कम होता है और दीर्घायु को बढ़ावा मिलता है। यह कानून लोगों को हंसी के लाभों के बारे में बताने और कार्यस्थलों पर हंसी से भरे माहौल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके बावजूद इसे टोरू सेकी और सटोरू इशिगुरो जैसे राजनेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ा, जिनका तर्क है कि यह संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। सेकी ने कहा कि हंसना या न हंसना मौलिक मानव अधिकार है, जबकि इशिगुरो ने बीमारी जैसे कारणों से हंसने में असमर्थ लोगों के अधिकारों पर जोर दिया। विवाद के बावजूद, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के काओरी इटो ने कानून का बचाव करते हुए कहा कि यह किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत निर्णय के सम्मान पर जोर देता है और हंसने को मजबूर नहीं करता है। स्थानीय अधिकारियों ने आगे स्पष्ट किया कि रोजाना हंसने में असमर्थ लोगों के लिए नए नियम में कोई दंड प्रावधान नहीं है।

जापान के इस बार में बॉडीबिल्डर महिलायें करती हैं ग्राहकों की पिटाई, ग्राहक देते हैं पैसे

आम तौर पर बार या रेस्टोरेंट में वेटर ग्राहकों की खूब खातिरदारी करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें कोई तकलीफ न हो। हालांकि, जापान में एक ऐसा विचित्र बार है, जहां ग्राहकों की पिटाई की जाती है। इसके लिए बार में कई बॉडीबिल्डर महिलाओं को नियुक्त भी किया गया है। ये सभी महिलायें ग्राहकों को थप्पड़ और लातें मारकर अपनी मेहमान-नवाजी दिखाती हैं। जापान के टोक्यो स्थित इस बार का नाम 'मसल गर्ल्स बार' है, जो फिटनेस थीम पर बना है। इस बार में ब्राजीलियाई जिउ-जित्सु

अभ्यासकर्ता, फिटनेस के प्रति जागरुक महिलायें, पेशेवर महिला पहलवान और अभिनेत्रियां वेट्रेस के रूप में काम करती हैं। ग्राहक वेट्रेस द्वारा थप्पड़ खाने, लात खाने या उठाकर पटके जाने जैसी सेवाओं के लिए उन्हें पैसे देते हैं। ग्राहक जापानी येन खर्च करके 'मसल मनी' खरीद सकते हैं, जो मार खाने के लिए वेट्रेस को दी जाती है। इस बार की मालकिन का नाम हरि है, जो कि एक पूर्व फिटनेस यूट्यूबर हैं। 2020 में उनका जिम बंद होने के बाद हरि ने बार खोला था। इन महिलाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली पिटाई की व्यक्तिगत सेवाओं की लागत 30,000 येन यानि करीब 17,000 रुपये तक हो सकती है। स्क्वाट करते समय ग्राहक इन महिलाओं के कंधों पर भी सवारी कर सकते हैं, जिसका शुल्क ग्राहक के वजन के आधार पर अलग-अलग होता है। हरि बचपन से ही एक उत्सुक वॉलीबॉल खिलाड़ी रही हैं, जिन्हें अपनी ताकत पर गर्व है। हरि ने एक आस्ट्रेलियन ग्राहक को थप्पड़ मारा था, जिसके बाद अन्य ग्राहक उनसे थप्पड़ खाने के लिए आने लगे थे।

दुनिया के ऐसे 5 भयानक युद्ध, जिसमें पूरा का पूरा देश ही हो गया तबाह; भारत ने भी दिखाई थी ताकत

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसा माहौल नजर आने लगा है। भारत जहां पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों को सबक सिखाने के लिए अपनी कमर कस लिया है तो वहीं पाकिस्तान अपनी गीदड़ भभकी करने से बिल्कुल बाज नहीं आ रहा है। फिलहाल, 30 अप्रैल 1975 को वियतनाम का युद्ध खत्म हुआ था, जो 1 नवंबर 1955 से शुरू हुआ था। हम आपको दुनिया की पांच उन युद्धों के बारे में बताते हैं जिसमें पूरा देश ही तबाह हो गया।

वियतनाम युद्ध (1955-1975)

वियतनाम युद्ध शीत युद्ध का हिस्सा था। कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम ने गैर-

कम्युनिस्ट दक्षिण वियतनाम पर हमला किया। अमेरिका 1961 में युद्ध में शामिल हुआ और 1973 में सैनिकों को वापस बुलाया। 1975 में, उत्तर वियतनाम ने दक्षिण पर कब्जा कर लिया। इस युद्ध में लाखों लोग मारे गए।

भारत ने दिखाया दमखम, बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम (1971)

1971 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) और पश्चिमी पाकिस्तान (अब पाकिस्तान) के बीच नौ महीने का युद्ध हुआ। भारत ने, शरणार्थियों की समस्या के कारण हस्तक्षेप किया। दिसंबर 1971 में पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया, जिससे भारत-पाक युद्ध शुरू हुआ। भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर हावी होकर 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया। यह युद्ध बांग्लादेश की स्वतंत्रता के साथ खत्म हुआ।

इराक युद्ध (2003-2011)

2003 में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराक पर हमला किया ताकि कथित सामूहिक विनाश के हथियार नष्ट किए जाएं और सद्दाम हुसैन का शासन खत्म हो। हथियारों की खबर गलत निकली, जिससे इराक में हिंसा बढ़ी। सद्दाम को पकड़कर फांसी दी गई। 2011 में राष्ट्रपति ओबामा ने अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाया, जिससे नौ साल का युद्ध खत्म हुआ।

अफगानिस्तान युद्ध (2001-2021)

9/11 हमले के बाद अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र गठबंधन ने अफगानिस्तान पर हमला किया क्योंकि तालिबान ने ओसामा बिन लादेन को सौंपने से इनकार कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने हमले की अनुमति दी। तालिबान सरकार गिरा दी गई, लेकिन तालिबान ने फिर से हमले शुरू किए। 2011 में अमेरिका ने पाकिस्तान में ओसामा को मार गिराया। 2021 में राष्ट्रपति बाइडेन ने सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की घोषणा की। 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया।

कोरियाई युद्ध (1950-1953)

25 जून 1950 को नॉर्थ कोरिया ने सोवियत संघ की सलाह पर साउथ कोरिया पर हमला किया। नॉर्थ कोरिया का लक्ष्य पूरे कोरिया को कम्युनिस्ट शासन में लाना था। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका साउथ कोरिया की मदद के लिए आया। चीन ने नॉर्थ कोरिया का साथ दिया। इस युद्ध में लगभग 25 लाख लोग मारे गए। जुलाई 1953 में युद्ध खत्म हुआ, लेकिन कोरिया आज भी दो हिस्सों में बंटा है। यह युद्ध शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और रूस के बीच बड़ा संघर्ष था।

दुनिया के सबसे जहरीले सांपों का घर है ये टापू, यहां इंसानों का बचना नामुमकिन!

धरती पर एक ऐसी जगह भी है, जहां कदम रखना मतलब मौत को बुलावा देना। यहां चारों तरफ सिर्फ जहर ही जहर फैला है। हर कोने में मौत घात लगाए बैठी है. यही है दुनिया का सबसे खतरनाक टापू!

स्नेक आइलैंड: खौफ का दूसरा नाम

इल्हा दा क्वेमादा ग्रांडे, जिसे स्नेक आइलैंड कहा जाता है, दुनिया की सबसे खतरनाक जगहों में शुमार है। यह छोटा-सा द्वीप ब्राजील के साओ पाउलो तट से 33 किमी दूर अटलांटिक महासागर में बसा है। यहां हर कदम पर सांपों का सामना होता है, और वो भी इतने जहरीले कि इंसान का बचना नामुमकिन है। इस जगह का नाम सुनते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं!

हर वर्ग मीटर में सांपों का बसेरा

स्नेक आइलैंड की सबसे डरावनी बात यह है कि यहां हर वर्ग मीटर में 3 से 5 जहरीले सांप मौजूद हैं। यानी आप जहां भी कदम रखें, सांपों से सामना तय है। अनुमान है कि इस 43 हेक्टेयर के द्वीप पर हजारों सांप रहते हैं। इनमें से ज्यादातर गोल्डन लैंचहेड वाइपर हैं।

ब्राजील सरकार का सख्त बैन

स्नेक आइलैंड की खतरनाक स्थिति को देखते हुए ब्राजील सरकार ने इस द्वीप पर आम लोगों के जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा रखा है। केवल वैज्ञानिकों और विशेष अनुमति प्राप्त लोगों को ही यहां जाने की इजाजत है। वह भी सख्त सुरक्षा और नौसेना की निगरानी में। यह बैन इस जगह को और भी रहस्यमय बनाता है।

स्नेक आइलैंड का इतिहास कहा जाता है कि स्नेक आइलैंड का नाम पुर्तगाली भाषा के शब्द "क्वेमादा" से आया है, जिसका मतलब है "जलाया हुआ"।

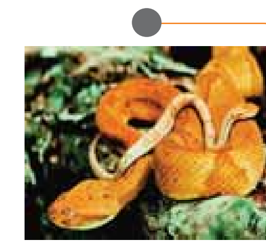

गोल्डन लैंचहेड वाइपर जहर का बादशाह

इस आइलैंड का सबसे खतरनाक निवासी है गोल्डन लैंचहेड वाइपर, जिसे दुनिया का सबसे जहरीला सांप कहा जाता है। इसका जहर इतना खतरनाक है कि यह इंसान के मांस को पिघला सकता है और कुछ ही मिनटों में जान ले सकता है। इस सांप की खासियत यह है कि यह केवल स्नेक आइलैंड पर ही पाया जाता है, और इसकी संख्या 2,000 से 4,000 के बीच मानी जाती है।

क्यों है इतना खतरनाक यह द्वीप?

स्नेक आइलैंड की खतरनाक प्रकृति का राज इसके इतिहास में छिपा है। हजारों साल पहले यह द्वीप ब्राजील की मुख्य भूमि से अलग हो गया था। उस वक्त यहां मौजूद सांपों को जीवित रहने के लिए पक्षियों का शिकार करना पड़ा।

ये जानवर है या पत्थर की फुटबॉल? शख्स ने मारी गोली, तो उल्टा ही पड़ गया दांव

नई दिल्ली। ये बात है साल 2015 की... जब सेंट्रल जॉर्जिया में 54 साल के एक शख्स ने गलती से अपनी सास को गोली मार दी। इस घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। दरअसल 54 साल के लैरी मैकलेरॉय ने अपनी 9एमएम की पिस्तौल से एक आर्माडिलो पर फायर किया था। आर्माडिलो एक ऐसा जानवर है, जिसे बुलेट प्रूफ कहा जाता है। जब पिस्तौल से निकली गोली आर्माडिलो की सख्त चमड़ी से टकराई तो वो उछल कर घर में कुर्सी पर बैठी बुजुर्ग की पीठ में लगी। आर्माडिलो दुनिया के सबसे शातिर जीवों में से एक है। ये बड़े से बड़े हमले में भी खुद को बचा लेने में माहिर है। आज हम आपको इसी विचित्र जानवर के बारे में बताएंगे।

फुटबॉल बन जाता है ये जानवर : ये जानवर साउथ अमेरिका में पाया जाता है। आर्माडिलो की खासियत यही है कि ये खतरा भांपते ही खुद को समेत के गोलाकार आकार ले लेता है। जब ये खुद को समेटता है, तो बिल्कुल एक पत्थर की फुटबॉल जैसा हो जाता है। वहीं इसकी आवरण पत्थर से भी कठोर होता है, जिसे तोड़ना नामुकिन है।

आर्माडिलो बेहद खूबसूरत जीव : आर्माडिलो बेहद खूबसूरत जीव है। इसकी 20 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं। इसके ऊपर की शैल इतनी मजबूत होती है, जिसपर बंदूक की गोली का भी कुछ असर नहीं होता। यहीं वजह से कि इसे बुलेट प्रूफ जीव कहा जाता है।

ना गंगा, ना यमुना... ये है भारत की सबसे पुरानी नदी गायब हुई नदी आज भी बह रही है धरती के नीचे!

नई दिल्ली। भारत में नदी को देवी का स्थान दिया गया है। इससे लोगों की लोक आस्था जुडी हुई है। नदी के जल से लोग पूजा पाठ भी करते हैं। अमावस्या और पूर्णिमा के दिन गंगा नदी में स्नान करने का विशेष महत्व है। इसके अलावा, गंगा सप्तमी के दिन भी मां गंगा की पूजा का महत्व है। मान्यताओं के अनुसार, गंगा नदी में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। कई लोगों की ऐसी धारणा है कि गंगा भारत की सबसे पुरानी नदी है, लेकिन आज के आर्टिकल में हम आपको यह बताएंगे कि भारत की सबसे पुरानी नदी न ही गंगा है और ना ही यमुना है। भारत की सबसे पुरानी नदी का नाम सुनकर आप सभी को आश्चर्य होगा, क्योंकि धरती के ऊपर से इसका अस्तित्व सैकड़ों साल पहले ही खत्म हो चुका है।

सरस्वती है भारत की सबसे पुरानी नदी

दरअसल, भारत में बहने वाली इस नदी का नाम सरस्वती है, जो कि सबसे पुरानी नदी मानी जाती है। जिसका अस्तित्व सैकड़ों साल पहले धरती के ऊपर से खत्म हो चुका है, लेकिन आज भी यह धरती के नीचे बह रही है। इस नदी की धारा आज भी जमीन के नीचे मौजूद है।

नदी का अवशेष

वैज्ञानिकों की खोजबीन के अनुसार, प्राचीन काल में बहने वाली इस नदी का प्रमाण भी मिला है। उनके अनुसार, हिमालय में आदि बद्री से गुजरात में कच्छ से होकर 5000 किलोमीटर तक जमीन के भीतर जल भंडार का पता चला है। वैज्ञानिकों की मानें तो, सालों पहले यहां भूकंप आने से सरस्वती नदी का पानी नीचे चला गया। हालांकि, आज भी इस नदी के अवशेष घग्गर-हकरा नदी के रुप में मौजूद है।

ग्रंथों में है उल्लेख

हिंदू ग्रंथो में सरस्वती नदी का उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद में सरस्वती नदी को यमुना के पूर्व और सतलुज के पश्चिम में बहता हुआ बताया गया है। अमूमन इस नदी का नाम तो सभी ने सुना है, लेकिन आज तक किसी ने इस नदी को देखा नहीं है। मान्यताओं के अनुसार, प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है। इसलिए इस त्रिवेणी संगम कहते हैं। महाभारत में इस नदी के गायब होने की बात लिखी गई है। जिसके अनुसार, यह नदी हरियाणा में यमुनानगर से थोड़ा ऊपर और शिवालिक पहाड़ियों से थोड़ा नीचे आदि बद्री नामक स्थान से निकलती थी।

खबर संक्षेप

होटल में आगः इंटीरियर डेकोरेटर गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता के एक होटल में लगी भीषण आग के सिलसिले में पुलिस ने शुक्रवार को एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इंटीरियर डेकोरेटर खुर्शीद आलम को पार्क सर्कस स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

महाराष्ट्र में रेल पटरी पर मिले लकड़ी के बक्से

पालघर। महाराष्ट्र के मीरा रोड रेलवे स्टेशन के पास रेलगाड़ियों को पटरियों से उतारने की साजिश के एक संदिग्ध मामले में पटरी पर लकड़ी के बक्से मिले हैं। अधिकारियों के अनुसार, पटरी निरीक्षण दल को रात करीब 9 बजे मीरा रोड और भयंदर रेलवे स्टेशनों के बीच मुंबई जाने वाले फास्ट ट्रैक पर दो बक्से मिले। बताया गया कि इस ट्रैक से थोड़ी देर बाद ही ट्रेन गुजरने वाली थी। जीआरपी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह कृत्य जानबूझकर की गई शरारत या साजिश प्रतीत होता है।

आभूषण दुकान में लूट के बाद मालिक की हत्या

आगरा। आगरा पुलिस आयुक्तालय के सिकंदरा थाना क्षेत्र में आभूषणों के शो रूम में दोपहर लूटपाट के बाद बदमाशों ने शो रूम के मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दिनदहाड़े जौहरी के शो रूम में दो बदमाशों ने लूट और हत्या की इस वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने पहले सिकंदरा थाना क्षेत्र के 'बालाजी ज्वैलर्स' के शो रूम में लूटपाट की और उसके बाद शो रूम के बाहर मालिक योगेश चौधरी (55) की गोली मारकर हत्या कर दी।

सभी खरीद, अभी बंद होनी चाहिए...

ईरान से तेल खरीदने वालों पर प्रतिबंध लगाएगा अमेरिका, ट्रंप की चेतावनी

परमाणु वार्ता स्थगित होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से तेल खरीदने वालों पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा कि ऐसे देशों को द्वितीयक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा, और इन देशों को आगे चलकर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इससे पहले ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता स्थगित होने की जानकारी दी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'रणनीतिक कारणों से हम शनिवार तीन मई को होने वाली अमेरिका-ईरान वार्ता को पुनर्निर्धारित कर रहे हैं।' अब तक तीन दौर की वार्ता में मध्यस्थता कर चुके अल-बुसैदी ने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया।

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

ट्रंप ने कहा कि ऐसे देशों को द्वितीयक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा, और इन देशों को आगे चलकर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, 'चेतावनीः ईरानी तेल, या पेट्रोकेमिकल उत्पादों की सभी खरीद, अभी बंद होनी चाहिए! कोई भी देश या व्यक्ति जो ईरान से किसी भी मात्रा में तेल या पेट्रोकेमिकल्स खरीदता है, उस पर तुरंत द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इसमें आगे कहा गया, 'उन्हें किसी भी तरह, आकार या रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस मामले पर आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद।'

ईरान पर ट्रंप प्रशासन लगातार बढ़ा रहा है दबाव

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 4 फरवरी को राष्ट्रीय सुरक्षा राष्ट्रपति ज्ञापन 2 जारी किए जाने के बाद से यह चीन स्थित एक स्वतंत्र चायदानी रिफाइनरी के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका की दूसरी कार्रवाई है। इसके अलावा, बयान में कहा गया है कि ईरान पर ट्रंप प्रशासन के अधिकतम दबाव अभियान के तहत सभी प्रतिबंधों को पूरी तरह से लागू किया जाएगा।

अमेरिका को उम्मीद है कि होगी वार्ता

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बागेई ने बयान जारी कर कहा कि वार्ता को 'ओमान के विदेश मंत्री के अनुरोध पर स्थगित किया जा रहा है।' उन्होंने कहा कि ईरान 'एक निष्पक्ष व स्थायी समझौते' पर पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेरिका ने रोम में होने वाली चौथे दौर की इस वार्ता में 'अपनी भागीदारी की कभी पुष्टि नहीं की।'

अमेरिका ने जब चीनी रिफाइनरी पर लगाए प्रतिबंध

दो सप्ताह पहले, अमेरिका ने 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के ईरानी कच्चे तेल की खरीद के लिए एक चीनी रिफाइनरी, शांदोंग शेंगक्सिंग केमिकल लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाए थे। प्रतिबंधों में ईरानी तेल को चीन भेजने में शामिल कंपनियों और जहाजों को भी निशाना बनाया गया। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, 'संयुक्त राज्य अमेरिका आज एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य के ईरानी कच्चे तेल की खरीद के लिए चीन स्थित स्वतंत्र 'टीपोट' रिफाइनरी, शांदोंग शेंगक्सिंग केमिकल कंपनी लिमिटेड पर प्रतिबंध लगा रहा है।'

अभी भी चलन में हैं दो हजार रुपए के 6,266 करोड़ मूल्य के नोट

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के दो हजार रुपये के नोट वापस लेने के दो साल बाद भी 6,266 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी भी चलन हैं। आरबीआई के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। दो हजार रुपये के बैंक नोट वैध मुद्रा बने हुए हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से हटाने की घोषणा की थी। आरबीआई ने शुक्रवार को बयान में कहा कि तीस अप्रैल, 2025 की

स्थिति के अनुसार वर्तमान में दो हजार रुपये के कुल 6,266 करोड़ रुपये मूल्य के नोट चलन में हैं। उन्नीस मई, 2023 की स्थिति के अनुसार, उस समय चलन में 2,000 रुपये के बैंक नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था।

19 बैंकों में नोट बदलने की सुविधा

चलन से हटाये गये 2,000 रुपये के बैंक नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय नौ अक्टूबर, 2023 से लोगों और इकाइयों से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए भी 2,000 रुपये के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा, लोग देश के भीतर भारतीय डाक से भी 2,000 रुपये के नोट आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में भेज सकते हैं।

सीएमएफ फ़ोन 2 प्रो की ओपन सेल कल से

जबलपुर। प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग के सब.ब्रांड सीएमएफ ने फ़्लिपकार्ट, फ़्लिपकार्ट मिनट्स, विजय सेल्स, क्रोमा और भारत के सभी प्रमुख रिटेल स्टोरों पर सीएमएफ फ़ोन 2 प्रो के ओपन सेल की घोषणा की है, जो 5 मई दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। पहले दिन एक स्पेशल इंट्रोडक्टरी ऑफ़र के रूप में, फ़ोन 2 प्रो कम से कम 16 हजार 999 रुपये (सभी ऑफ़र सहित) में उपलब्ध होगा।

इस फॉर्म में विवरणी 3 करोड़ तक का बिजनेस करने वाले भर सकते हैं

आयकर विभाग का आयकर विवरणी फॉर्म 1 और 4 जारी

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

आयकर विभाग द्वारा बहु प्रतीक्षित आयकर विवरणी फॉर्म एक एवं चार जारी कर दिए गए हैं। पहले की तरह फॉर्म एक वेतन भोगी या अन्य स्त्रोत से आय दिखाने वाले कारदाताओं के लिए है परंतु इस वर्ष इसमें अगर कैपिटल गैन से आय 125000 तक है तो वह भी इस फॉर्म का उपयोग कर सकते हैं पहले यह सुविधा इस फॉर्म में नहीं थी परंतु अगर कोई हानि को आगे ले जाना है तो उसके लिए यह फॉर्म उपयोग नहीं किया जा सकता है। विवरणी फॉर्म -4 व्यवसाय से आई दिखाने के लिए है उसमें इस वर्ष अगर व्यवसाय में लेनदेन 95 फीसदी तक डिजिटल है तो 3 करोड़ तक का बिजनेस करने वाले इस फॉर्म में विवरणी भर सकते हैं साथ ही जो प्रोफेशनल अगर डिजिटल लेनदेन कर रहे हैं उनके लिए प्राप्तियों की सीमा 75 लाख कर दी गई है।

भोपाल टैक्स लॉ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मृदुल आर्य ने कहाकि इस बार विवरणी में किसी व्यक्ति को अपने सभी चालू बचत खाते जो उपयोग किये जा रहे हैं उनकी जानकारी देना आवश्यक है। अगर कोई करदाता पुरानी कर प्रणाली का उपयोग करना चाहता है तो उसको कर छूटों के लिए उपलब्ध ड्रॉप डाउन में से चयन कर छूट की राशि भरना होगी। इस बार विभाग ने छोटे करदाताओं की सुविधा का ध्यान रखते हुए सबसे सरल फॉर्म प्रारूप एक में उनको कैपिटल गेन से प्राप्त आय को दर्शाने की सुविधा दी है जो स्वागत योग्य है।

इनकम टैक्स ने नोटिफाई किया आईटीआर-5 और आईटीआर-3 फॉर्म

इनकम टैक्स विभाग ने शनिवार को आईटीआर-5 फॉर्म नोटिफाई कर दिया। इससे पहले आईटीआर-3 फॉर्म नोटिफाई किया गया था। आईटीआर-3 फॉर्म के जरिए ऐसे इंडिविजुअल्स और हिंदू अनडिवाइडेड फैमिली इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर सकेंगे, जिनकी बिजनस या प्रोफेशन से इनकम हो। टैक्स विभाग ने कहा कि शेड्यूएल एएल के तहत असेट्स और लायबिलिटीज की जानकारी देने की सीमा 50 लाख रुपए से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दी गई है। आईटीआर के शेड्यूल्ड कैपिटल गेंस में अब पूंजीगत लाभ के बारे में यह बताना होगा कि वह 23 जुलाई 2024 से पहले का है या बाद का।

दो बांग्लादेशी महिलायें हिरासत में एक ने किया दो बार निकाह

पाटन (गुजरात)। गुजरात के पाटन जिले में दो बांग्लादेशी महिलाओं को अपनी राष्ट्रीयता छिपाकर और फर्जी दस्तावेजों के जरिये आधार कार्ड हासिल कर अवैध रूप से यहां रहने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पाटन के जिला पुलिस अधीक्षक

वी के नयी ने बताया कि दोनों की पहचान सुल्ताना (32) एवं ब्यूटी बेगम (37) के रूप में हुयी है। उन्होंने बताया कि दोनों महिलाएं 2022 में अवैध रूप से भारत में दाखिल हुईं और मूल पहचान छिपाकर पाटन शहर में बस गईं। एसपी ने बताया कि दोनों को पाटन के एक होटल में नौकरी मिल गई थी और उनमें से एक सुल्ताना ने अपने अवैध प्रवास के दौरान गुजरात में दो बार शादी भी की।

केआईआईटी में नेपाली छात्रा की मौत, भारत ने जताया दुख

नई दिल्ली। ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में बीते करीब तीन महीने से भी कम समय में हुई नेपाल की दूसरी छात्रा की मौत के मामले पर शुक्रवार को भारत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिसमें मामले पर गहरा दुख जताते हुए कहा है कि हम मुश्किल की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदनाएं प्रकट करते हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। जिसमें कहा कि इस दुखद घटना के बारे में जानकारी मिलने के बाद से वह (मंत्रालय) लगातार ओडिशा सरकार के संपर्क में है, उचित कार्रवाई की जाएगी।

नक्शा, अमृत सरोवर के साथ ही आजीविका मिशन की समीक्षा की

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को नई दिल्ली के कृषि भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत ग्रामीण विकास एवं भूमि संसाधन विभाग की योजनाओं-कार्यक्रमों की समीक्षा की। चौहान ने भूमि संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक तकनीक के जलग्रहण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में बेहतर उपयोग के निर्देश दिए, साथ ही कहा कि मृदा व नमी संरक्षण डेटा के आधार पर निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) विकसित करके ग्राम समुदाय और व्यक्तिगत किसानों को उचित सलाह दी जानी चाहिए।

दुग्ध समितियों के दुग्ध प्रदायकों से क्रय किए जाने वाले दूध क्रय दरों में हुई वृद्धि

वाणिज्य प्रतिनिधिःभोपाल। राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा 'सांची' के प्रबंधन सम्भालने के पश्चात एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (एमपीसीडीएफ) से संबद्ध सहकारी दुग्ध संघों की दुग्ध समितियों के दुग्ध प्रदायकों से क्रय किए जाने वाले दूध क्रय दरों में वृद्धि कर प्रभावशील की गई है। एमपीसीडीएफ से जानकारी के अनुसार सांची के दुग्ध प्रदायकों में नवीन दरों से दुध क्रय किए जाने पर दुग्ध प्रदायकों की आर्थिक स्थित सुदृढ होगी, और दुग्ध प्रदायकों को दुधारू पशुपालन में रूचि भी बढेगी। ग्वालियर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध समितियों के दुग्ध उत्पादकों से दूध क्रय 700 रूपए प्रति किग्रा फैट के हिसाब से किया जाता था जो अब01 मई 2025 से नवीन दर 760 रूपए प्रति किग्रा फैट पर क्रय किया जा रहा है। दूध क्रय की दर में 60 रूपए प्रति किलो ग्राम फैट की वृद्धि की गई है। बुंदेलखंड सहकारी दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध समितियों के दुग्ध प्रदायकों के लिए दूध क्रय 780 रूपए प्रति किग्रा फैट के हिसाब से किया जाता था जो अब नवीन दर 810 रूपए प्रति किग्रा फैट पर क्रय किया जा रहा है।

मप्र आईटी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में दिखी विकास की झलक

ईको सिस्टम के तेजी से हो रहे विकास में मील का पत्थर साबित होंगे एआई और स्टार्ट-अप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 का सफल आयोजन राज्य में आईटी, डेटा सेंटर, एआई और स्टार्ट-अप ईको सिस्टम के तेजी से हो रहे विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस आयोजन में कई नामी कंपनियों ने राज्य में अपने नए निवेश, विस्तार और योजनाओं की घोषणा की, जो रोजगार और नवाचार के नए अवसरों का सृजन करेगी। एक रियल्टी कंपनी ने इंदौर के सुपर कॉरिडोर में 1.2 मिलियन वर्ग फीट के आईटी और कॉमर्शियल प्रोजेक्ट की घोषणा की है।

यह कंपनी पहले से ही देशभर में 31.7 मिलियन वर्ग फीट प्रीमियम रियल एस्टेट बना चुकी है। इंदौर में यह प्रोजेक्ट आईटी और आईटीईएस कंपनियों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना राज्य में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती मांग को पूरा करेगी। इससे आईटी, आईटीएस और ईएसडीएम क्षेत्रों की कंपनियों के लिए इंदौर महत्वपूर्ण स्थान बनेगा। पंचशील ब्लैकस्टोन समूह के साथ मिलकर नवी मुंबई में भारत का सबसे बड़ा डेटा सेंटर हब बना रही है, जो 65% तक नवकरणीय ऊर्जा पर चलेगा।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड राज्य में तकनीकों का करेगा विकास

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (भेल) देश की एक प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी है, जो वर्ष 1954 से स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा दे रही है। भेल ने सशस्त्र बलों को मिशन क्रिटिकल रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम दिये हैं। भेल ने प्रदेश में अपने रक्षा सॉफ्टवेयर विकास केंद्र (एसडीसी) के विस्तार की घोषणा की है। यह केंद्र एआई, डेटा एनालिटिक्स, रडार, साइबर सुरक्षा और अन्य उन्नत तकनीकों पर काम करेगा, साथ ही स्मार्ट सिटीज, डिजिटल एग्रीकल्चर, हेल्थ मेनेजमेंट सिस्टम और ई-गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में भी योगदान देगा। भेल के सीएमडी श्री मनोज जैन ने कहना है कि हमारे एआई केंद्र का विस्तार भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और कदम है। मध्यप्रदेश का वातावरण इसके लिए आदर्श है।

सीटीआरएलएस करेगी राज्य में डेटा सेंटर स्थापित

एशिया की सबसे बड़ी रेटेड 4 डेटा सेंटर कंपनी सीटीआरएलएस डेटा सेंटर्स लिमिटेड कंपनी भारत के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित कर रही है। यह कंपनी देशभर में 15 से ज्यादा डेटा सेंटर संचालित कर रही है। यह सौर ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश कर रही है और कंपनी ने वर्ष 2030 तक कार्बन न्यूट्रल बनने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी की मध्यप्रदेश में डेटा सेंटर स्थापित करने की योजना है। कंपनी भारत की एआई क्रांति को शक्ति प्रदान करने के लिये राज्य की प्रगतिशील नीतियों, विद्युत सरपल्स स्थिति और मजबूत कनेक्टिविटी का लाभ उठा रही है। संस्थापक अध्यक्ष और एमडी, सीटीआरएलएस श्रीधर पिन्नापुरेड्डी का कहना है कि राज्य डेटा सेंटर उद्योगों को कई तरह के प्रोत्साहन और सब्सिडी प्रदान कर रहा है। हम सरकार के साथ मिलकर राज्य के डेटा सेंटर उद्योग को बढ़ावा देंगे और सशक्त करेंगे।

राशिफल

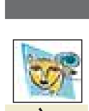

मेष कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

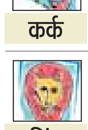

सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

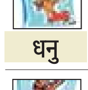

मकर आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खचें बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82/ 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉ. प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित हायर सेकेण्डरी, ग्रेजुएट, अविवाहित सजातीय हिन्दू जाति बंधन नहीं, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा। साधारण विवाह।
9131453175

वधु चाहिए- पंजाबी 30 वर्षीय युवक 5 फुट 8 इंच (B.Sc .Ag.) Sales Officer एवं व्यवसायी परिवार के इकलौते बेटे हेतु वधु चाहिए। दहेज बंधन नहीं। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7509396155 (7331)

वर चाहिए

GROOM WANTED
29Yr Muslim Doctor (Pursuing Post Graduation) from a respected family, Seeks alliance with a Well educated Muslim P.G. Doctor (any Specialization) Professionally Well settled from a deeny good family background
8435639998

वर चाहिए- रंग गोरा स्मार्ट 36 वर्षीय, हाईट 5 फुट 6 इंच व्यावसायिक लड़का (अनाथ एवं विकलांग) के लिए वधु चाहिए तलाकशुदा भी स्वीकार्य है। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- 8435278895 (7330)

मैरिज ब्यूरो

मैरिज ब्यूरो
योग्य महाराष्ट्रीयन वर वधु की तलाश हेतु श्री स्वामी समर्थ उपासना मंडल भिलाई- दुर्ग द्वारा संचालित शोध वधू-वरांचा मैरिज ब्यूरो में अपना नाम रजिस्टर करने संपर्क करें
9131455917

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5856

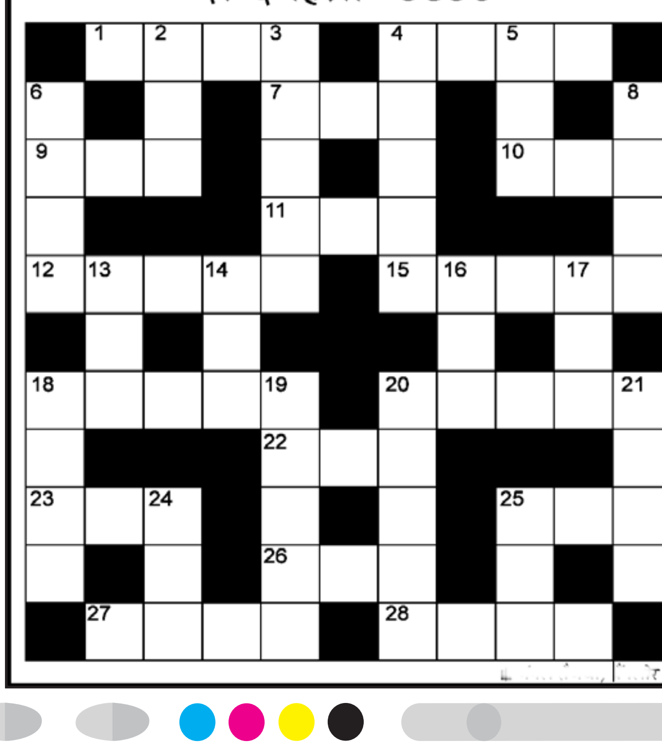

बाएँ से दाए-
1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे
2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -5855 का हल

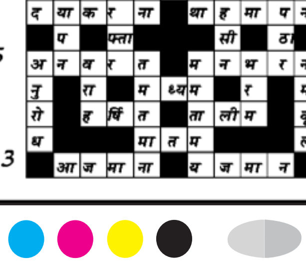

सूडोकु नवताल - 5866

★★★★☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5865 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

वर्ल्ड लाफ्टर डे स्पेशल

इस बात से शायद ही कोई असहमत होगा कि आज के दौर में हंसना सबसे कठिन होता जा रहा है। जबकि कई स्टडीज से साबित हुआ है और हेल्थ स्पेशलिस्ट भी मानते हैं कि हंसने से अनेक शारीरिक, मानसिक लाभ मिलते हैं। यही नहीं हंसने वाले लोग हर तरह की परेशानियों को बेहतर तरीके से हैंडल भी कर लेते हैं। तो आप भी जी भर हंसिए-खिलखिलाइए।

हर परेशानी को भुलाकर हंसिए-खिलखिलाइए

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

कभी-कभी यूं ही बेवजह हंसी आ जाती है
जैसे किसी पुराने दोस्त ने
बिना कहे याद कर लिया हो।
जैसे मां ने सिर पर हाथ रखकर कहा हो
सब ठीक है बेटा।
जैसे किसी शाम हवा ने अचानक खुशबू ला दी हो
जो बचपन में बगिया से आती थी।
कभी-कभी यूं ही बेवजह हंसी आ जाती है
और तब लगता है
जिंदगी इतनी भी मुश्किल नहीं...।

-गुलजार

जी हां, इस व्यस्त और तनावभरी जिंदगी में हाल के दशकों में हमने हंसी के बहुत सारे फायदे सुने, जाने और महसूस किए हैं। इसलिए हर साल मई माह के पहले रविवार को मनाया जाने वाला विश्व हास्य दिवस, हर गुजरते साल के साथ दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से लोकप्रियता की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

बेसब्री से लोग करते हैं इंतजार: साल 1998 से मनाया जाने वाला यह हास्य दिवस, कुछ गिने-चुने अंतरराष्ट्रीय दिवसों में से है, जिसका लोग महीनों से इंतजार करते हैं। हालांकि यह इंतजार तो एक बहाना होता है, इसके पीछे छिपी असली बात यह है कि आज हंसी की महत्ता सर्वसिद्ध हो चुकी है। यही वजह है कि आज हास्य दिवस अपनी उपस्थिति से विश्व शांति और वैश्विक चेतना को बढ़ावा दे रहा है। यह दिन हम सबकी जिंदगी के तनाव को कम करता है, मूड को बेहतर करता है, जितनी भी हो सके जीवन को सकारात्मकता देता है। भला इस महंगाई के दौर में हंसी से ज्यादा फायदे का सौदा और क्या हो सकता है, जिसमें एक्सरसाइज भी हो, दवा भी हो और मेडिटेशन भी। हंसने से ये तीनों चीजें एक ही समय भरपूर और पूरी तरह से मुफ्त मिलती हैं। बावजूद इसके हंसना इतना आसान नहीं है, कुदरत की यह दौलत हर किसी को नहीं मिलती। तभी तो प्रेमलाल शिफा देहलवी ने कहा है-

या तो दीवाना हंसे या तुम जिसे तौफीक दो
वर्ना इस दुनिया में रहकर मुस्कुराता कौन है

केवल हंसी नहीं लाफ्टर योगा: साल 1998 में भारत के एक चिकित्सक डॉ. मदनलाल कटारिया ने हास्य दिवस की शुरुआत की थी। उनके मुताबिक यह अपने आपमें एक योग है, इसलिए हास्य को 'लाफ्टर योगा' माना जाता है। हंसना, सेहत के लिए रामबाण है। हंसने से शरीर में खून बढ़ता है, हंसने से हमारे शरीर में एंडोर्फिन, डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे हैप्पी हार्मोंस रिलीज होते हैं। ये वही हार्मोन या रासायनिक स्राव हैं, जो हमारे दुखों, तकलीफों को चुटकी बजाकर गायब कर देते हैं और हम तरोताजा हो उठते हैं। ये हार्मोन हमारे मूड को बेहतर करते हैं, हमें हल्का-फुल्का महसूस कराते हैं। इसलिए वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि हंसी तनावनाशक है। यह तनाव पैदा करने वाले हार्मोन जैसे कि कॉर्टिसोल का खात्मा करता है।

अनेक देशों में हो रहा पॉपुलर: करीब 27 वर्ष पहले शुरू हुआ लाफ्टर डे, आज दुनिया के 72 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है, इसके पीछे उद्देश्य है गोला-बारूद और व्यापार युद्ध से झुलस रही दुनिया में भाईचारा और सद्भावना बढ़े। इस हास्य योगा मुहिम के जरिए लोग आपस में खुशियां बांटना चाहते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर उनकी तरह ही उनके आस-पास रहने वाले लोग भी हंसेंगे तो खुश रहेंगे, स्वस्थ रहेंगे, सकारात्मक रहेंगे और एक-दूसरे के काम आएंगे। यही वजह है कि आज भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में लोग पार्कों में मॉर्निंग वॉक करते हुए समूहबद्ध होकर हंसने, खिलखिलाने की खूब कोशिश करते हैं। इसीलिए हास्य दिवस की प्रासंगिकता और इसकी स्वास्थ्य संबंधी महत्ता दिन पर दिन बढ़ती जा रही है।

दिल की बीमारियां रहती हैं दूर: हंसना सिर्फ हमारे शरीर में अच्छा अनुभूत होने वाला रासायनिक परिवर्तन ही नहीं करता। यह हमें शारीरिक रूप से भी स्वस्थ करता है। हंसना एक कार्डियो एक्सरसाइज है। हंसने से हमारे दिल की धड़कनें तेज होती हैं, हंसी फेफड़ों तक ज्यादा ऑक्सीजन पहुंचाती है, एक अच्छी हंसी हमारे ब्लड प्रेशर को संतुलित रखती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का मानना है कि 10-15 मिनट की रोजाना की हंसी हमारी 30 से 40 प्रतिशत तक दिल की बीमारी की आशंका कम कर देती है। हालांकि इसके साथ कुछ और कारक भी होते हैं, लेकिन दिल की सेहत के लिए हंसना बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि हंसने से हमारा इम्यून सिस्टम भी मजबूत रहता है, शरीर की कोशिकाएं सक्रिय रहती हैं, एंटीबॉडीज का उत्पादन लगातार बढ़ता है और यह शरीर को बीमारियों से लड़ने में मजबूत बनाता है।

परेशानियों से दिलाए छुटकारा: कभी-कभी लगता है कि जैसे आज पूरी दुनिया में हंसी के विरुद्ध कोई अघोषित युद्ध चल रहा है। अगर गौर से देखें तो दुनिया की ज्यादातर हरकतें, लोगों के हंसने यानी खुश रहने के विरुद्ध हैं। दुनिया में बढ़ती महंगाई, बढ़े हुए काम के घंटों से व्याप्त तनाव, वर्क फ्रॉम होम के कारण घरों तक चला आया दफ्तर का तनाव, सोशल मीडिया पर होने वाले टेंशनफुल कमेंट्स, वीडियोज और न जाने ऐसी कौन-कौन सी हमारी रोजमर्रा की गतिविधियां हैं, जो कि हमें हंसने नहीं देतीं। हर समय डिप्रेशन और डिजिटल टॉक्सिंस में डुबोए रखती हैं। हंसी इन सबकी अकेली ऐसी काट है, जो हमें इन सब परेशानियों से छुटकारा दिलाती है और डिजिटल जहर को भी बड़ी आसानी से डिटॉक्स कर देती है। इसीलिए दुनिया की अनगिनत परेशानियों से अगर कोई एक ताकत हर समय मजबूती से लड़ते हुए दिखती है, तो वह हंसी ही है। लोमा लिंडा यूनिवर्सिटी के एक शोध में यह सिद्ध हुआ है कि जो लोग नियमित तौर पर कॉमेडी वीडियो देखते हैं, वो परेशानियों से अच्छी तरह से निपट सकते हैं और उनके शरीर की इम्यून प्रतिक्रिया उन लोगों से बेहतर होती है, जो हमेशा गंभीर और तनाव की मुद्रा में रहते हैं। यह अकारण नहीं है कि सोशल मीडिया हो या पारंपरिक टीवी मीडिया, सबसे ज्यादा हंसी ही बिकती है, सबसे ज्यादा कॉमेडी शोज ही देखे जाते हैं। *

कारगर हो रही लाफ्टर थेरेपी

हम सब इस बात से अवगत हैं कि हाल के सालों में जिस तरह से हमारी लाइफस्टाइल ज्यादा व्यस्त, ज्यादा आत्मकेंद्रित हुई है, उसी तरह से हम पर कई तरह के मानसिक अवसादों और विकारों ने हमला किया है। आप यकीन मानिए, आज दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य की सबसे असरदार और सबसे सटीक दवा हंसना ही है। पूरी दुनिया में डॉक्टर लाफ्टर थेरेपी को मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे कारगर दवा मानते हैं। इसे ह्यूमर थैरेपी कहा जाता है और आज यह भारत में बड़े-बड़े संगठनों और कॉरपोरेट मीटिंग्स का हिस्सा बन गया है। अमेरिका से लेकर यूरोप तक आज ह्यूमर थैरेपी या लाफ्टर क्लब 10 बिलियन डॉलर से बड़ा बिजनेस बन चुकी है। इसलिए अगर कोई कहे कि हंसने से क्या मिलता है, तो कहिए यह एक्सरसाइज है, मेडिसिन है और मेडिटेशन भी है यानी थ्री इन वन है। जो हमें खुशी देती है और रोमांचित करती है।

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक-मानसिक गतिविधि माना जाता है। लेकिन हास्य को योगा का स्वरूप देकर पूरी दुनिया में पॉपुलर बनाने वाले डॉक्टर मदन कटारिया ने इसे स्वस्थ-खुशहाल जीवन की कुंजी बना दिया है।

हंसना-योगा साथ-साथ सिखाने वाले डॉ. मदन कटारिया

पर्सनालिटी
शैलेंद्र सिंह

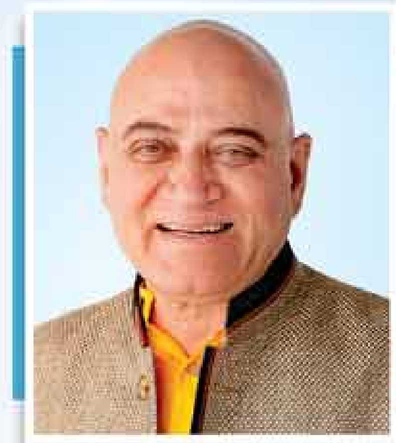

डॉक्टर मदन कटारिया, जिन्हें 'लाफ्टर गुरु' या 'गिगलिंग गुरु' के नाम से भी जाना जाता है, को अगर आधुनिक भारत का हास्य योगाचार्य कहें तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। पारंपरिक योग की तरह ही आज पूरी दुनिया में हास्य योग की लोकप्रियता भी बढ़ती जा रही है। इसे पॉपुलर बनाने में सबसे बड़ी भूमिका रही है डॉक्टर मदन कटारिया की।

31 दिसंबर 1955 को महाराष्ट्र के एक गांव में पैदा हुए मदन कटारिया ने साल 1979 में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर से मेडिकल स्नातक की डिग्री हासिल की और एक सामान्य चिकित्सक की तरह मुंबई के एक अस्पताल में प्रैक्टिस करने लगे। लेकिन उसी दौर से वे मानने लगे थे कि हास्य एक औषधि के रूप में हमें स्वस्थ रखने में सहायक हो सकती है। जिसका सार यह था कि हंसी शरीर में एंडोर्फिन बढ़ाती है और तनाव कम करती है। डॉ. कटारिया को इन शोध ने गहराई से प्रभावित किया। हालांकि यह रिसर्च मूलरूप से उनकी नहीं थी, उन्होंने भी इसे किसी विश्वविद्यालय की रिसर्च के रूप में पढ़ा था, लेकिन इसे पढ़कर उन्हें खुद बहुत खुशी मिली थी और तभी उन्होंने तय कर लिया था कि वह इसे एक चिकित्सा पद्धति के रूप में विकसित करेंगे। इस तरह अपने मन में पल रहे लक्ष्य को पूरा करने में वह जुट गए।

ऐसे हुई शुरुआत: 13 मार्च 1995 को डॉ. मदन कटारिया ने मुंबई में अंधेरी वेस्ट के लोखंडवाला पार्क में महज 5 लोगों के साथ हंसी के स्वास्थ्य लाभों पर आधारित लाफ्टर क्लब की शुरुआत की थी। आज दुनिया के लगभग 120 देशों में लाफ्टर क्लब्स, जिनकी संख्या 6 हजार से ऊपर है, चल रहे हैं। पूरी दुनिया उन्हें न सिर्फ लाफ्टर गुरु बल्कि हंसी को अमृत चिकित्सा में बदल देने वाला डॉक्टर मानते हैं।

जान लिया था हंसी का रहस्य: वास्तव में अपनी युवावस्था में ही डॉ. कटारिया ने यह रहस्य पा लिया था कि हंसी महज इंसानी गतिविधि भर नहीं है बल्कि यह अपने आप में इंसान को कुदरत से मिला वरदान है। इसलिए उन्होंने आज के इस व्यस्त और तनावग्रस्त दुनिया में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे एक आंदोलन का रूप दिया, जो आज पूरी दुनिया में लाफ्टर मूवमेंट के नाम से जाना जाता है। डॉ. कटारिया का लाफ्टर क्लब की स्थापना के पीछे एक सीधा सा विचार था कि हंसी, दुनिया की सबसे अच्छी दवा है। यदि लोग बिना किसी चुटकुले या कॉमेडी सुने-देखे भी हंसते हैं तो उन पर इस हंसी का सकारात्मक असर पड़ता है।

शुरू किया हास्य योगा: जब डॉ. कटारिया ने देखा कि लोगों को उनकी बातों में आकर्षण महसूस हो रहा है तो उन्होंने अपने इस हंसी योग में सांस लेने की तकनीक को भी शामिल किया और इसे प्राणायाम के साथ जोड़ लिया। जिस कारण आज हास्य योग, बेहद वैज्ञानिक योग में परिवर्तित हो चुका है। हास्य योग हंसने की एक ऐसी वैज्ञानिक विधि है, जो लाफ्टर योगा के रूप में दुनिया के सामने आई है। डॉ. कटारिया ने इस हास्य योग को एक सुप्रबंधित वैज्ञानिक प्रक्रिया में बदलने के लिए हास्य पर कई किताबें भी लिखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है- लाफ फॉर नो रीजन। उन्होंने टेड टॉक्स, बीबीसी और नेशनल जियोग्राफिक जैसे कई अंतरराष्ट्रीय चैनलों में अपने इस हास्य योग के संबंध में लंबे व्याख्यान भी दिए हैं। हंसने को लेकर उनका एक प्रेरणाप्रद विचार है, 'हम हंसते नहीं क्योंकि हम खुश हैं, हम खुश होते हैं, क्योंकि हम हंस सकते हैं।'

ईजाद की नई तकनीक: वास्तव में आज पूरी दुनिया, हंसने को खुश और संतुष्ट रहने का साइंस मानती है। लेकिन शुरू में जब डॉ. मदन कटारिया मुंबई के पार्कों में लोगों को हंसी का महत्व बताया करते थे, तो लोग उनकी बात को मजाक मानकर एक कान से सुनते और दूसरे कान से निकाल देते थे। फिर भी डॉ. कटारिया अपने इस मिशन से पीछे नहीं हटे। कुछ समय बाद डॉ. मदन कटारिया ने जान-बूझकर हंसने यानी सिमुलेटिड लाफ्टर तकनीक विकसित की, जो आज एक योग के प्रारूप में लोगों द्वारा हर दिन अभ्यास की जाती है। लाफ्टर योगा केवल भारत में ही नहीं रुका बल्कि इसकी ख्याति देखते ही देखते साल 2023 तक 110 देशों में फैल चुकी थी। साल 2023 में ही पूरी दुनिया में लाफ्टर योगा कराने वाले क्लबों की संख्या 6 हजार से ज्यादा हो चुकी थी। आज हंसाने वाले उनके ये क्लब स्कूलों, वृद्धाश्रमों, जेलों और मल्टीनेशनल कंपनियों तक में चलते हैं और डॉक्टर मदन कटारिया को आज की दुनिया का हास्य गुरु बनाते हैं। *

हास्य कविता
हरीश कुमार 'अमित'

इक आम न मिलता

कुछ लोगों को काम न मिलता,
लेकिन हमको आराम न मिलता।
दफ्तर की कुर्सी पे दो घंटे,
सोने का इंतजाम न मिलता।
भर-भर थैले फल घर लाऊं,
खाने को इक आम न मिलता।
भरा कबाड़ से है घर सारा,
बेचूं कैसे, सही दाम न मिलता।
पन्ने भर-भर लिखी शायरी,
पर हमको कभी नाम न मिलता।

दर्द-ए-सिर भला भागे कैसे,
ढूंढे पर भी बाम न मिलता।
प्रेम पत्र तो अनगिन भेजे,
उत्तर में पैगाम न मिलता।
खूब लगाते मक्खन अफसर को,
फिर भी कोई ईनाम न मिलता।
रोज न पड़ती डांट अफसर की,
सुबह जो ट्रैफिक जाम न मिलता।
उधार चुकाने वाला हमको,
किसी सुबह, किसी शाम न मिलता।

व्यंग्य
अंशुमाली रस्तोगी

कुछ तो लोग कहेंगे

किसी को कुछ भी कह देना, हम भारतीयों की जन्मजात फितरत रही है। चाहे सामने वाले से मतलब हो या न हो, फिर भी उसके बारे में हम कुछ भी कहने की छूट ले ही लेते हैं और, किसी के बुरा मानने की तो हम परवाह ही नहीं करते।

कुछ लोग कहते हैं। लेकिन क्यों कहते हैं, वे भी नहीं जानते। कहना उनकी आदत है। कहना उनकी बीमारी है। नहीं कहेंगे तो उनका दो वक्त का खाना हजम नहीं होगा। जुबान में अटकाहट-सी महसूस होगी। पेट में किसिम-किसिम की मरोड़ें पैदा होंगी।

किसी को कुछ भी कह देना, हम भारतीयों की जन्मजात फितरत रही है। चाहे सामने वाले से मतलब हो या न हो, फिर भी उसके बारे में हम कुछ भी कहने की छूट ले ही लेते हैं और, किसी के बुरा मानने की तो हम परवाह ही नहीं करते। परवाह करने लगे तो जमीर टोकेगा कि क्या हो गया है तुम्हें!

वैसे, लोगों के कुछ भी कहने पर एक शोध अवश्य होना चाहिए। आखिर पता तो लगे कि लोग क्यों कुछ भी कह देते हैं? अपने निजी अनुभव के आधार पर कह रहा हूं कि कहने वालों में सबसे बड़ी तादाद पढ़े-लिखे लोगों की होती है। पढ़ी-लिखी जमात ऐसा मानती है कि वो कुछ भी कहने के लिए स्वतंत्र है। अच्छा देखेगी तो कुछ कहेगी। खराब देखेगी तो कुछ कहेगी। गंदा देखेगी तो कुछ कहेगी। महसूस करेगी तो कुछ कहेगी। मतलब, उसे हर वक्त कुछ न कुछ कहना ही है, कहने को वो अपनी शान समझती है। कभी खामोश नहीं रहती। उसके आगे तो प्रायः कैंची भी फेल हो जाया करती है। अकसर सोचता हूं कि यह जमात आखिर ऐसा क्या खाती है, जो कुछ भी कहती रहती है हर वक्त!

जानते हैं, मुझसे लोग इसलिए परेशान रहते हैं कि मैं कभी कुछ क्यों नहीं कहता? मुझे कुरेदते हैं, मुझे उलहाना देते हैं। मुझे लालच तक देते हैं, लेकिन मैं कभी कुछ नहीं कहता। कुछ न कहना, मेरी फितरत में शामिल हो चुका है।

लेखक लोग अपनी किताबें मुझे भेजते हैं। फिर कहते हैं कि मैं उन पर कुछ कहूं। जब कुछ नहीं कहता तो बुरा मान जाते हैं। मुझे मनघुन्ना तक साबित कर देते हैं। तब भी मैं उनसे कुछ नहीं कहता। सोचता हूं कि क्या कहूं? कहने वालों की भीड़ में एक शख्स ऐसा भी तो होना चाहिए, जो कुछ न कहे। कहने वालों को और कहने वालों की, सिर्फ सुने। यही तो मैं करने की कोशिश किया करता हूं। किंतु लोग हैं कि बुरा मान जाते हैं। मेरे कुछ न कहने को 'अदरवाइज' ले लेते हैं। अब जो ले लेते हैं तो लें, मैं ऐसा ही हूं! क्या करूं।

यू नो, लोगों के पास बहुत समय है, लेकिन दूसरों के लिए नहीं, आपस में मिलने-जुलने और बतियाने के लिए नहीं, कुछ भी किसी को भी कहने और लंबी-लंबी बेतुकी चर्चाओं के लिए। कुछ भी कहने के मामले में सोशल मीडिया का हाल सबसे बुरा है। किसी के पन्ने या दीवार पर जैसे ही दस्तक दीजिए, कुछ न कुछ आड़ा-तिरछा कहता हुआ ही मिलेगा। यहां लोग सार्थक बहुत कम लिखते या कहते हैं, ज्यादातर सिर्फ खुन्नस निकालते हैं। वे इसी में खुश हैं, उन्हें लगता है कि ऐसा कर वे बहुत महान काम कर रहे हैं। महान लोगों से सोशल मीडिया का मंच खदबदा रहा है।

आज की तारीख में कुछ भी कहना, दुनिया भर में एक लाइलाज बीमारी-सी बनती जा रही है। जुबान कैंची से अधिक खतरनाक हो चली है। दिल फरेबी हो गए हैं, आंखें शातिरता का पैमाना बन गई हैं। मन कुटिलता में तब्दील होते जा रहे हैं। भावना, संवेदना, सहनशीलता, इंसानियत की बातें किताबों में ही सिमट कर रह गई हैं। अच्छा और मीठा कहते-बोलते लोग कम मिलते हैं। तरह-तरह के उपदेश, प्रवचन और ज्ञान हर किसी के पास बहुत है, मगर व्हाट्सएप के स्टेटस पर चढ़ाने के लिए ही।

कम बोलते लोग मुझे भाते हैं। उनसे ही बोलना मुझे अच्छा भी लगता है। उनके बीच जाकर मुझे सुकून मिलता है। इसीलिए मैं भी कम ही कहता और बोलता हूं ताकि फिजा में प्रदूषित शब्दों का जहर कम घुल सके। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि विगत लगभग एक सदी में मुंशी प्रेमचंद हिंदी के सर्वाधिक पढ़े जाने वाले कथाकार हैं। इसकी वजह है कि जीवन के लगभग हर पक्ष और संवेदना पर उन्होंने मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनकी लगभग 300 कहानियों में से 15 व्यंग्यात्मक कहानियों का संकलन 'प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं' हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इसमें हम (मोटेराम जी शास्त्री, शादी की वजह, दो बैलों की कथा, निमंत्रण, सत्याग्रह, रसिक संपादक, गुरुमंत्र, स्वांग) समेत कई ऐसी मशहूर कहानियां पढ़ सकते हैं, जिसमें समाज, राजनीति, व्यवस्था में व्याप्त विद्रूप और इंसानी चरित्र की निकृष्टता और उसके दोहरेपन पर कटाक्ष किया गया है। इनमें प्रेमचंद बेहद सहजता से चुटकी लेकर पाठक को बहुत कुछ सोचने पर विवश करते हैं। आमतौर पर जीवन की विडंबनाओं से उपजने वाली तकलीफ और करुणा को अपनी कहानियों का विषय बनाने वाले प्रेमचंद की व्यंग्य कथा-लेखक की भी छवि, इन कहानियों से निर्मित होती है। पुस्तक की भूमिका में संपादक ने उचित ही कहा है, 'प्रेमचंद की इन कहानियों में जीवन के अनेक रंग हैं, जो सहज हास्य और शिष्ट व्यंग्य की पगडंडी पर दौड़ते दिखते हैं।' *

पुस्तक: प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं, **संपादन:** पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

ब्रुइन ने दिलाई मैनचेस्टर सिटी को महत्वपूर्ण जीत

मैनचेस्टर। केविन डी ब्रुइन के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने शुक्रवार रात को यहां वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स पर 1-0 से महत्वपूर्ण जीत हासिल की जिससे वह इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर पहुंच गया। बेल्जियम के रहने वाले डी ब्रुइन इस सत्र के आखिर में मैनचेस्टर सिटी को छोड़ देंगे लेकिन उन्होंने लीग के पिछले छह मुकाबलों में जीत हासिल करने वाली टीम के खिलाफ 35वें मिनट में गोल करके साबित कर दिया कि वह अब भी टीम के लिए काफी मायने रखते हैं। इस जीत से मैनचेस्टर सिटी के 35 मैच में 64 अंक हो गए हैं और वह तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस तरह से वह चैंपियंस लीग में जगह बनाने का प्रबल दावेदार बन गया है। मैनचेस्टर सिटी अब दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल से तीन अंक पीछे है जिसके 34 मैच में 67 अंक हैं।

रूड और ड्रेपर में होगा खिताबी मुकाबला

मैड्रिड। कैस्पर रूड ने दर्द निवारक दवाइयों की मदद से पसली की चोट पर काबू पाकर फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को सीधे सेटों में हराया और मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। रूड ने मैच के दौरान तीन बार अपनी पसली का इलाज करवाया और काजा मैगिका सेंटर कोर्ट पर 6-4, 7-5 से जीत हासिल की। नॉर्वे के 15वीं रैंकिंग के खिलाड़ी रूड ने अर्जेंटीना के 21वीं रैंकिंग के खिलाड़ी सेरुंडोलो के खिलाफ 18 में से 15 ब्रेक प्वाइंट बचाए।

आईपीएल : 10 मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर किंग्स

कप्तान पंत फेल, फार्म में श्रेयस अय्यर लखनऊ का पंजाब से मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶ धर्मशाला

लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत की बल्ले से खराब फॉर्म और पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की शानदार लय के कारण इन दोनों टीमों के बीच रविवार को यहां होने वाले आईपीएल मैच को रोचक बन गया है। पंजाब के कप्तान अय्यर आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं और उन्होंने अभी तक एक कप्तान और बल्लेबाज दोनों रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह अभी तक इस प्रतियोगिता में चार अर्धशतक लगा चुके हैं और उनकी टीम 10 मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। दूसरी ओर पंत ने बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन किया है और उन्होंने 10 मैचों में कुल 110 रन बनाए हैं जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेली गई 63 रन की पारी भी शामिल है। इस बीच वह छह पारियों में दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच पाए। उनके इस खराब प्रदर्शन का असर टीम पर पड़ रहा है जो वर्तमान में 10 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है।

अय्यर अपेक्षाओं पर खरे

अय्यर ने पिछले सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिताब जीतने के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन मेगा नीलामी से पहले उन्हें रिलीज़ कर दिया गया था। पंजाब किंग्स ने उन्हें 26.75 करोड़ रुपए में खरीद कर कप्तान नियुक्त किया था और वह अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा उतर रहे हैं।

लखनऊ विश्राम के बाद तरोताजा

जहां तक लखनऊ का सवाल है तो उसकी टीम एक सप्ताह के विश्राम के बाद तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। पिछले मैच में तेज गेंदबाज मयंक यादव की वापसी सकारात्मक रही, फिर भी उसे मुंबई इंडियंस से 54 रन से हार का सामना करना पड़ा, जिससे मिशेल मार्श, एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन और डेविड मिलर जैसे पावर-हिटर्स से भरी बल्लेबाजी इकाई की खामियां उजागर हो गईं। लखनऊ की बल्लेबाजी पूरन (377 रन), मार्श (344), और मार्क्रम (326) पर बहुत निर्भर रही है और रविवार को होने वाले मैच में भी इनका प्रदर्शन काफी मायने रखेगा।

केकेआर की निगाह जीत पर, समीकरण बिगाड़ने की कोशिश करेगा रॉयल्स

कोलकाता। गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में रविवार को यहां जब राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य जीत हासिल करके प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीद को जीवंत रखना होगा। केकेआर को लीग चरण के अब चार मैच खेलने हैं और प्लेऑफ के लिए उसका समीकरण सीधा है। चारों मैच जीत कर 17 अंक तक पहुंचना। इससे वह अंतिम चार में पहुंचने के लिए अगर मगर से बच जाएगा। कागजों पर यह आंकड़ा भले ही सीधा नजर आता है लेकिन वास्तविकता में यह काफी मुश्किल है।

खास खबर

किरण को निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण

नई दिल्ली। पुरुष राइफल थ्री-पोजीशन के मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन किरण अंकुश जाधव ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक निशानेबाजी चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता। अगले महीने म्यूनिख में होने वाले विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नौसेना के इस निशानेबाज ने 24 निशानों से 251.5 अंक हासिल कर सेना के विवेक शर्मा को 1.4 अंक से पीछे छोड़ा। सेना के ही विशाल सिंह (230.1) ने कांस्य पदक जीता। महाराष्ट्र के पार्थ राकेश माने ने पुरुषों के जूनियर वर्ग का खिताब 0.1 अंक के मामूली अंतर से अपने नाम किया।

भारत के लिए अच्छा कप्तान बनेगा गिल

मुंबई। अफगानिस्तान के टी20 कप्तान राशिद खान ने शनिवार को कहा कि शुभमन गिल इंडियन प्रीमियर लीग में सिर्फ गुजरात टाइटंस के लिये ही नहीं बल्कि भारत के लिये भी बहुत अच्छे कप्तान साबित होंगे। गिल ने गुजरात टाइटंस की मोर्चे से अगुवाई करते हुए इस सत्र में दस मैचों में अब तक 465 रन बनाये हैं। राशिद ने कहा, 'शुभमन गिल का कप्तानी करते हुए यह दूसरा साल है। वह लगातार बेहतर हो रहा है। भविष्य में वह भारत के बेहतरीन कप्तानों में से होगा। सिर्फ गुजरात टाइटंस के लिए नहीं बल्कि भारत के लिए भी। उसके पास कौशल और प्रतिभा है।'

वैभव को अपने तरीके से खेलने की छूट

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग के सबसे युवा शतकवीर राजस्थान रॉयल्स के किशोर खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को अपने तरीके से खेलने की 'आजादी' दी गई है। टीम के तेज गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने कहा, 'उसे अपने तरीके से खेलने की थोड़ी बहुत छूट मिली है। उसने अब तक एक 14 वर्षीय खिलाड़ी के तौर पर वाकई कमाल का काम किया है। मुझे लगता है कि कोचिंग स्टाफ ने वैभव के साथ चीजों को बहुत ज्यादा जटिल बनाने की कोशिश नहीं की है। वह पिछले मैच में चूक गया था लेकिन हम इतने कम उम्र के खिलाड़ी को लेकर वास्तव में घबराना नहीं चाहते।'

मैं डोपिंग के कारण अस्थाई तौर पर निलंबित हूं

जोहानिसबर्ग। दुनिया के शीर्ष तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने शनिवार को चौंकाने वाला खुलासा किया कि 'नशे में मौज-मस्ती' के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रतिबंधित ड्रग के सेवन के कारण वह अस्थायी निलंबन झेल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने पिछले महीने गुजरात टाइटंस के लिए दो मैच खेलने के बाद निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल छोड़ दिया था। रबाडा इस महीने के आखिर में 30 साल के हो जाएंगे। उन्होंने 'दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर्स एसोसिएशन' के माध्यम से एक बयान जारी किया। रबाडा ने इस बयान में अपनी गलती के लिए माफी मांगते हुए कहा, 'जैसा की खबरों में बताया गया है कि मैं निजी कारणों से आईपीएल में भाग लेने के बाद दक्षिण अफ्रीका लौटा हूं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि जांच में ऐसे प्रतिबंधित पदार्थ की पुष्टि हुई है।

कार्यालय क्षेत्र संचालक, कान्हा टाईगर रिजर्व, मण्डला (म. प्र.)
Ph. No. 07642-250760, Fax. No. 07642-251266 E-mail: fdknp.mdl@mp.gov.in

ई-निविदा संक्षिप्त आमंत्रण सूचना

वन विभाग मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत टाईगर रिजर्व हेतु क्रय किये गये नवीन 06 नग शासकीय वाहनों के चेसिस (मॉडल T-19 ULTRA SLR 49 CBC 210B6M6XD BSIV) में वन्यप्राणियो के परिवहन हेतु बॉडी मॉडीफिकेशन किये जाने के संबंध में ऐसे निमार्ताओं / उत्पादको अथवा उनके अधिकृत विक्रेताओं जिन्हे वन्यप्राणियों के परिवहन हेतु वाहनों के बॉडी बनाने का अनुभव हो तथा जिनकी सर्टिफाईड फैक्ट्री हो तथा फेब्रिकेशन सुविधा के लिये सुस्थापित वर्कशॉप हो, से निर्धारित प्रारूप में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है, जिनका विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। उक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा पत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगें तथा ऑनलाईन ही स्वीकार्य किया जावेगा । धरोहर राशि ऑनलाईन जमा किया जाना अनिवार्य है। निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 21.05.2025 समय 14.00 PM बजे होगी। निविदा दिनांक 22.05.2025 को समय 15.00 PM बजे खोली जायेगी । उपरोक्त वेबसाईट के माध्यम एवं दूरभाष क्रमांक 07642-250760 पर प्राप्त की जा

उप संचालक
कान्हा टाईगर रिजर्व मण्डला
G-12344/25 "स्वच्छता ही सेवा"

पुलिस अधीक्षक कार्यालय जिला पांढुर्णा (म.प्र.)
दूरभाष क्रमांक: 07164-299199 ई-मेल: sp pandhurna@mppolice.gov.in

क्र./पु/पांढुर्णा/392/2025 **(विज्ञप्ति)** दिनांक: - 29/04/2025

वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिला पांढुर्णा में स्थित पुलिस विभाग के प्रशासकीय एवं आवासीय भवनों के जीर्णोद्धार / मरम्मत कार्य (जैसे:- प्लास्टर, पुट्टी, पुताई, टाईल्स लगाना, बिजली फिटिंग, वाटर प्रुफिंग, सीवेज लाईन मरम्मत, प्लम्बिंग, खिड़की दरवाजों की मरम्मत आदि कार्य) लघु निर्माण कार्य, फर्नीचर मरम्मत कार्य एवं सभी प्रकार की मशीनों एवं उपकरणों का मरम्मत इत्यादि कार्य हेतु दिनांक 20 मई 2025 तक पंजीकरण कराने हेतु नियम एवं शर्तें पुलिस अधीक्षक पांढुर्णा की वेबसाइट https://pandhurna.mppolice.gov.in पर भी पंजीकरण हेतु उपलब्ध है। **नियम एवं शर्तें**- 1. जिला पांढुर्णा स्थित पुलिस विभाग के प्रशासकीय भवनों का जीर्णोद्धार / मरम्मत कार्य म. प्र. पुलिस हाउसिंग द्वारा प्रदाय प्राक्कलन में दर्शित मापदंड / गुणवत्ता के अनुरूप होना आवश्यक है । 2. भवनों का जीर्णोद्धार / मरम्मत संबंधी समस्त कार्य कायार्देश में निर्धारित अवधि के भीतर पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा। 3. भवनों के जीर्णोद्धार / मरम्मत का समस्त कार्य निर्माण सामग्री सहित किया जाना होगा इस कार्यालय द्वारा पृथक से कोई भी सामग्री प्रदाय नही की जावेगी । 4. फर्नीचर एवं मशीन उपकरणों का मरम्मत कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा । 5. निर्धारित समयावधि/विस्तारित समयावधि में कार्यपूर्ण न होने की स्थित में नियमानुसार विलंब शुल्क (पेनल्टी) प्रस्तुत देयक की राशि में से काटी जावेगी । 6. कायार्देश के अनुरूप कार्य पूर्ण होने के उपरांत 03 प्रतियों में देयक मय बैंक खाता विवरण के साथ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा । 7. प्रस्तुत देयकों का भुगतान म.प्र. शासन द्वारा समय-समय पर जारी निदेर्शों के तहत ही किया जावेगा । 8. इस कार्यालय द्वारा किसी भी प्रकार का भाड़ा या अतिरिक्त व्यय का भुगतान नही किया जावेगा । 9. निविदाकार को फर्म के समस्त दस्तावेज जैसे जीएसटी नम्बर, पेन नम्बर, आधारकार्ड, निर्माण / भवन मरम्मत कार्य की स्थिति में लोक निर्माण विभाग में पंजीकरण प्रमाण पत्र, मोबाईल नम्बर एवं बैंक खाता पासबुक की छायाप्रति/कैंसिल चैक इस कार्यालय में पंजीकरण हेतु जमा किया जाना आवश्यक होगा। 10. किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में पुलिस अधीक्षक पांढुर्णा का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा ।

पुलिस अधीक्षक
जिला पांढुर्णा
G-12347/25 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय नगरपरिषद कैमोर जिला- कटनी (म.प्र.)
E-mail : cmokemore@mpurban.gov.in - phon no-07626272353

क्रमांक/ 80/ राजस्व./न परि/2025-26 **सार्वजानिक सूचना** कैमोर, दिनांक : 23/04/2025

पी. आई. सी द्वारा पारित निर्णय अनुसार 2025-26 की दरों का सूचना प्रकाशन

मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा पी आइ सी समिति के समक्ष प्रकरण प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया गया की म प्र नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 127 (क) के तहत संपत्तिकर के अधिरोपण हेतु म. प्र. शासन नगरीय विकास विभाग भोपाल द्वारा जारी राजपत्र क्रमांक 46 भोपाल शुक्रवार दिनांक 13 नवम्बर 2020 के प्रावधानों अनुसार नगरीय निकाय के संपत्तिकर निर्धारण कलेक्टर गाइडलाइन द्वारा निर्धारित भवन भूमि मूल्य के साथ सांगत किया गया है जिसको वर्तमान में तीन परिक्षेत्रों जोन में विभाजित किया गया है। जो निम्नानुसार है।

क्र	क्षेत्र जोन	वार्ड क्रमांक अथवा सम्मिलित क्षेत्र
1	प्रथम	ACC (अडानी) सम्पूर्ण क्षेत्र और एवेरेस्ट इंडस्ट्री सम्पूर्ण क्षेत्र ए सी सी (कैमोर सीमेंट वर्क्स) कम्पनी का सम्पूर्ण क्षेत्र एवं एवेरेस्ट इंडस्ट्रीज़ लि. कैमोर का सम्पूर्ण क्षेत्र
2	द्वितीय	वार्ड क्र 01 श्री मोहन रिछारिया के भवन से मुख्य मार्ग के उत्तर की ओर रेलवेलाइन तक पुलिस थाना तक वार्ड क्रमांक 02,03,04,05, एवं वार्ड क्रमांक 06 का सम्पूर्ण क्षेत्र वार्ड क्र 10 वार्ड क्र 12, 13 एवं 14 का सम्पूर्ण क्षेत्र (परिक्षेत्र 01 को छोड़कर)
3	तृतीय	वार्ड क्र 01 में रेलवे लाइन उत्तर का क्षेत्र पनिहाई बस्ती वार्ड क्र 08 वार्ड क 05 शिवानगर वार्ड क्र 10 कैलाश नगर वार्ड क्र 07 करापार सम्पूर्ण क्षेत्र वार्ड क्र 12 सरकार बाबू की दफाई बस्ती एवं वार्ड क्र 15 का सम्पूर्ण क्षेत्र (परिक्षेत्र 01 को छोड़कर)

उपरोक्त संकल्प के प्रत्येक क्षेत्र में निर्माण कि गुणवत्ता एवं संपत्ति की अवस्थिति आधार पर निम्नानुसार दरें लागू हैं

जोन क्र.	भवन निर्माण का प्रकार	व्यावसायिक उपयोग के भवन भूमि हेतु अवधारित दरें प्रतिवर्ग मीटर			आवासीय उपयोग हेतु अवधारित दरें प्रतिवर्ग मीटर		
		मुख्य बाजार	मुख्य मार्ग	अन्य	मुख्य बाजार	मुख्य मार्ग	अन्य
1	पक्का भवन	288	211	165	187	145	126
	कच्चा भवन	166	144	96	126	86	67
	भूमि	71	71	50	43	43	43
2	पक्का भवन	280	206	161	181	140	123
	कच्चा भवन	161	139	94	123	83	65
	भूमि	68	68	49	42	42	42
3	पक्का भवन	280	206	161	181	140	123
	कच्चा भवन	161	139	68	123	83	65
	भूमि	68	68	49	42	42	42

प्रकरण प्रस्तुत होने के पश्चात् पी.आइ. सी समिति के समक्ष मु न पा अधिकारी द्वारा दी गयी जानकारी पर गहन विचार विमर्श किया गया तथा वित्तीय वर्ष 25-26 में नगर परिषद् क्षेत्र अंतर्गत स्वनिधांरण प्रक्रिया से संपत्तिकर की राशि जमा करने हेतु म प्र न पा (भवनों भूमियो के कर योग्य संपत्ति मूल्य का निर्धारण) नियम 2020 के नियम 6 के तहत निम्नानुसार निर्णय पारित किया जाता है।
उपनियम -6- म. प्र. न. पा. अधि. धारा 127 (A)
(1) अनुसार करयोग्य संपत्ति मूल्य 4800=00 वार्षिक से अधिक होने पर निम्नानुसार संपत्तिकर की रकम देय होगी।
(05) कर योग्य संपत्ति मूल्य निर्धारण की दर :-

(क)	कर योग्य संपत्ति मूल्य 4800 रूपए तक	संपत्तिकर से मुक्त (केवल समेकित कर)
(ख)	कर योग्य संपत्ति मूल्य 4801 से 10000 तक	6% छह प्रतिशत
(ग)	कर योग्य संपत्ति मूल्य 10000 से अधिक	10% दस प्रतिशत

(06) संपत्ति कर से संलग्न अन्य कर:- सम्पत्तिकर से संलग्न अन्य कर निम्नानुसार देय होंगे।

(अ)	अनिवार्य समेकित कर	120 /- प्रत्येक संपत्ति पर
(ब)	समेकित कर (सम्पत्तिकर युक्त सम्पत्तियो पर)	सम्पत्तिकर का 10% +120
(स)	शिक्षा उपकर	कर योग्य संपत्ति मूल्य का 05%
(द)	नगरीय विकास उपकर	कर योग्य संपत्ति मूल्य का 01% आवासीय 02% व्यावसायिक की दरें अवधारित की जाती हैं

30 सितंबर 2025 तक स्वनिधांरण विवरणी तथा संपत्तिकर राशि न जमा करने पर 2% मासिक अधिभार देय होगा।

श्रीमती मनीषा अजय शर्मा, अध्यक्ष — श्री संतोष कुमार केवट, उपाध्यक्ष — श्री रामकिंकर तिवारी, राजसव प्रभारी — श्री धर्मेन्द्र शर्मा, मु.न.पा. अधिकारी, नगर परिषद् कैमोर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड - नरसिंहपुर (म. प्र.)

प्रकाशन क्र. 001 / 2025-26 **निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त)** दिनांक 01.05.2025

म. प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्यो की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल http://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित हैं। विस्तृत निविदा प्रपत्र एवं भविष्य में होने वाले समस्त संशोधन केवल ऑन-लाइन पोर्टल http://www.mptenders.gov.in ही देखे जा सकेंगे। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैं :-

स. क्र.	निविदा सूचना क्र./ दिनांक	ई- निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	कुल अनुमानित लागत (रू. लाख में)	कुल अमानती राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ऑन लाइन निविदा क्रय/प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	समयावधि
1	001/ 01.05.2025	2025_PHED_ 420339_1	MODERNIZATION & EXTENSION OF SCOPE AND SUPPLY OF EQUIPMENTS FOR EXISTING ISO/IEC 17025:2017, ACCREDIATED DISTRICT WATER TESTING LABORATORY OF PHE DIVISION |NARSINGHPUR DISTT - NARSINGHPUR (2nd Call)	4.02	8040.00	2000.00	16.05.2025	180 दिवस वर्षा ऋतु सहित

G-12343/25 कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड नरसिंहपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म. प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 04/व.ले.लि./ 2025-26 **निविदा आमंत्रण - सूचना** बालाघाट, दिनांक 28.04.2025

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है । उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं. क्र.	टेण्डर क्र.	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWDRB _419890	बालाघाट	कंटगी नंदोरा, कटेदरा चौखंडी, खांदीटोला बोलडोगरी, कोसुंबा भंडेरवा, लखनवाडा सिरपुर बालाघाट चौकी, लखनवाडा वरुड भजीयापार, महकेपार कोडबी, सुकली जामुनटोला मार्ग लम्बाई 27.05 कि.मी. का निर्माण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	490.22	490300.00	15000.00	10 माह वर्षा ऋतु सहित
2	2025_PWDRB _419892	बालाघाट	भौरगढ़ से टेमनी मार्ग, कटोरी लिलामा मार्ग, कटोरी फूलचूर शंकर पिपरिया मार्ग, कटोरी भण्डाराबोड़ी कच्चेखानी मार्ग, कटोरी चोर बालाघाट पिंडकेपार रानी मोहगांवघाट मार्ग, सालेटेका घुबडगोंदी मार्ग, कटेदरा जर्राहमोहगांव मार्ग लम्बाई 27.36 कि.मी. का विशेष मजबूतीकरण कार्य ।	प्रथम आमंत्रण	448.65	448700.00	15000.00	10 माह वर्षा ऋतु सहित
3	2025_PWDRB _419894	बालाघाट	आलेझरी कासपुर, गर्रा एकोडी, कालागोटा बालाघाट पिपरिया बारा आलेझरी मार्ग लम्बाई 11.70 कि. मी. का विशेष मजबूतीकरण कार्य।	प्रथम आमंत्रण	408.49	408500.00	15000.00	8 माह वर्षा ऋतु सहित
4	2025_PWDRB _419895	बालाघाट	उमरी - सावंगी - अजुर्नी बाहकल मार्ग लम्बाई 4. 45 कि.मी. का कार्य ।	प्रथम आमंत्रण	363.44	363500.00	15000.00	8 माह वर्षा ऋतु सहित
5	2025_PWDRB _419898	बालाघाट	चोरपिण्डकेपार से टूईयापार मार्ग लम्बाई 3.10 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	प्रथम आमंत्रण	238.64	238700.00	15000.00	8 माह वर्षा ऋतु सहित
			कुल योग		1949.44			

उपरोक्त वेबसाइट आर्नेलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा । निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 16 /05 / 2025 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगें । विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है ।

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 1 बालाघाट
G-12342/25 "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

केनरा बैंक भारत सरकार का उपक्रम — Canara Bank A Government of India Undertaking — सिंडिकेटबैंक SyndicateBank

वसूली विभाग, अंचल कार्यालय
7वां तल, अंसल टॉवर, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019
फोन: 011-26292604, 26419921

ई-नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को और विशेष रूप से ऋणी(यों) व गारंटरों को सूचित किया जाता है, कि प्रतिभूति ऋणदाताओं को बंधक/दृष्टिबंधक/प्रभारित नीचे वर्णित चल/अचल सम्पत्ति, जिस पर केनरा बैंक, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा लिया गया है, को "जहां है जैसी है", "जो है कैसी है" और जैसी भी है" के आधार पर नीचे वर्णित दिनांकों को बंधक सम्पत्ति की बिक्री आयोजित की जाएगी। प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और 9 के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन धारा अधिनियम 2002 के अधीन बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए कृपया https://baanknet.com/ (मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड),, (सम्पर्क नं. 8291220220, ईमेल: Support.BAANKNET@psballiance.com या केनरा बैंक की वेबसाइट www.canarabank.com में दिए गए लिंक "ई-नीलामी" को देखें। आरक्षित मूल्य की 10% ईएमडी राशि मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड https://baanknet.com/ पोर्टल के ई-वॉलेट में सीधे जमा की जानी है या चालान बनाकर उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करना है।

क्र. सं.	शाखा का नाम / कर्जदार/गारंटर्स/बंधककर्ता का नाम एवं पता	चल/अचल संपत्ति का विवरण और कब्जे की स्थिति	कुल बकाया राशि	a. आरक्षित मूल्य (रु.) b. धरोहर राशि (रु.) c. बोली वृद्धि (रु.) d. बिक्री सूचना की तिथि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय (प्रत्येक 5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ) / ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी से पूर्व अपोइंटमेंट लेकर सम्पत्ति का निरीक्षण किया जा सकता है और सम्पर्क व्यक्ति का नाम
1	दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन शाखा दिल्ली 1. मैसर्स योगराज इंफ्रास्ट्रक्चर लि., पंजीकृत कार्यालय और कॉर्पोरेट कार्यालयः बी-63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली-110057 2. मैसर्स योगराज इंफ्रास्ट्रक्चर लि., यूनिटः गांव चावरपाटा, तहसील तेंदूखेड़ा, जिला नरसिंहपुर, एमपी- 487330 3. श्री योगेंद्र सिंह (गारंटर), बी-63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली-110057 4. श्रीमती रितु सिंह (गारंटर), बी-63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली-110057	3.61 एकड भूमि साथ में खसरा नं. 226 में शेड बिल्डिंग, जोकि गाँव ग्राम चावरपाठा, तहसील - तेंदूखेड़ा, जिला नरसिंहपुर मध्यप्रदेश-487330 में स्थित, यह सम्पत्ति मैसर्स योगराज इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा लि. के नाम पर है। भौतिक कब्जे के तहत	रु. 18,69,35,40,971.90 दिनांक 01.05.2025 तक प्लस ब्याज एवं लागत इत्यादि	a. 1,33,00,000/- b. 13,30,000/- c. 1,00,000/- d. 01.05.2025	20.05.2025 पूर्वा. 11:30 बजे से अपराह्न 01.30 बजे के बीच 19.05.2025 अपराह्न 05.00 बजे तक	16.05.2025 पूर्वाह्न 11.30 बजे से सायं 3.30 बजे के बीच श्री अमित कुमार, प्रबंधक (मो. 8979872232), श्री रजनीश कुमार सहायक महाप्रबंधक (मो. 9557966005)

इच्छुक बोलीदाता अन्य विवरण और संपत्तियों के निरीक्षण के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान संपर्क कर सकते हैं।

दिनांक 03.05.2025, स्थान : नई दिल्ली — प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

शादी में आई बच्ची को अगवा कर किया था दुष्कर्म

4 साल की मासूम से दरिंदगी करने वाला दबोचा गया

हरिभूमि, जबलपुर।

मझगवां थाना अंतर्गत ग्राम खागामउ में आयोजित एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए आई महिला की चार वर्षीय बच्ची अचानक लापता हो गई, जिससे हड़कंप मच गया। विवाह स्थल से करीब दो सौ मीटर दूर बच्ची सड़क पर मिली, जिसकी हालत गवाह दे रही थी कि उसके साथ हैवानियत की गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रेप सहित पाक्सो एक्ट का मामला दर्ज कर विवेचना शुरु की। इस दौरान पुलिस ने संदिग्धों का डीएनए टेस्ट कराने का फैसला किया। इससे पहले की पुलिस की जांच आगे बढ़ती मुखबिर की सूचना पर पुलिस के हाथ आरोपी लग गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि मझगवां थाना अतंर्गत ग्राम खागामउ में पान उमरिया से एक बारात आई थी। विवाह समारोह में शामिल होने एक महिला अपनी चार साल की बच्ची के साथ आई थी। महिला ने अपनी बच्ची को तैयार किया, जिसके बाद बच्ची ऊपर वालें हिस्से में रहने वाली ताई के घर गई थी फिर वहां से नीचे आने के बाद लापता हो गई थी। बच्ची की मां भी तैयार होने के बाद विवाह समारोह में शामिल होने चली गई थी। बच्ची के नहीं मिलने पर उसकी तलाश की गई। रात लगभग 10 बजे बच्ची घर से लगभग दो सौ मीटर दूर सड़क में मिली थी। परिजन बच्ची को लेकर घर पहुंचे पता चला कि उसके गुप्तांग से खून निकल रहा है। इसके बाद परिजनों ने घटना की रिपोर्ट मझगवां थाना में दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर बच्ची को उपचार के लिए जबलपुर स्थित एलगिन महिला अस्पताल में भर्ती कराया था। वहीं पुलिस ने आरोपी के संबंध में जानकारी एकत्र करने खुफिया तंत्र सक्रिय करते हुए कुछ संदिग्ध व्यक्तियों का डीएनए टेस्ट भी कराने का निर्णय लिया।

इसी बीच पुलिस को पता चला कि घटना गत 26 अप्रैल की शाम करीब 7.30 बजे कमलेश लोधी उर्फ करिया लोधी निवासी ग्राम खागामउ भी प्रीतिभोज में जानें के लिए पीड़िता के घर के सामनें से निकला था। जांच में पाया गया कि पीड़िता को बगैर परिजनों की जानकारी के बहला फुसलाकर कमलेश अपने साथ ले गया। जो प्रीतिभोज (शादी के कार्यक्रम) में न जाकर प्राथ.शाला स्कूल के पीछे अंधेरे में खेत मे ले जाकर पीड़िता बच्ची के साथ मारपीट करते हुए दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी कमलेश उर्फ करिया लोधी को गिरफ्तार किया, जिसने पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिसनरे आरोपी का डाक्टरी परीक्षण कराये जानें के उपरांत उसे न्यायाधीश पाक्सो एक्ट अपर सत्र न्यायालय सिहोरा में पेश किया। न्यायालय द्वारा आरोपी 32 वर्षीय कमलेश उर्फ करिया लोधी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

ट्रांसफर के साथ दूसरी पत्नी के साथ रहने लगा पति

हरिभूमि, जबलपुर।

> इधर पत्नी को पति के अलावा सास भी कर रही प्रताड़ित

रांझी थाना अतंर्गत न्यू शोभापुर में एक महिला ने अपने पति व सास के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि पति व सास मिलकर छोटी छोटी घरेलू बातों को लेकर शारीरिक व मानसिक रुप से परेशान करते है। यह भी आरोप है कि पति रायपुर में दूसरी औरत के साथ रहता है। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू शोभापुर रांझी निवासी 36 वर्षीय श्रीमति ऋचा विश्वकर्मा ने 2018 में पंकज विश्वकर्मा से प्रेम विवाह किया था। बेटा होने के बाद पति पंकज विश्वकर्मा एव सास कमला देवी उसे घरेलू छोटी छोटी बातों को लेकर आये दिन शारीरिक एव मानसिक रूप से प्रताड़ति करने लगे। इसी दौरान उसके पति का ट्रांसफर रायपुर हो गया जो वर्तमान में रायपुर में रह रहे है। गत दिवस रायपुर से उसका पति घर आये जिसे समझाने वह ससुराल गयी तो उसका पति नहीं माना और उसके साथ लड़ाई झगड़ा कर मारपीट कर चोटें पहुंचा दी। ऋचा को जानकारी मिली है कि उसका पति किसी दूसरी महिला के साथ रायपुर में रह रहा है। पुलिस ने आरोपी पति और सास के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 85, 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

साइबर ठग ने वाट्स एप पर फोटो भेज मोबाइल किया हैक

फोटो डाउनलोड करते ही अकाउंट से 2 लाख पार

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर में हर रोज साइबर ठग नए-नए तरीकों से लोगों के साथ ठगी कर रहे हैं। ताजा मामला कोतवाली थाना पुलिस के सामने आया जिसमें एक व्यवसायी के मोबाइल पर वाट्स एप्प पर किसी साइबर ठग ने पहले एक फोटो भेजकर फोटा डाउनलोड कर पहचानने के लिए कहा। व्यवसायी के फोटो डाउनलोड करते ही साइबर ठग ने व्यवसायी का मोबाइल फोन हैक कर उनके अकाउंट से 2 लाख 1 हजार रुपयों पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित अशोका हॉल स्कूल के पास शिवनगर कॉलोनी निवासी 63 वर्षीय प्रदीप जैन की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने साइबर ठग के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर मामला विवेचना में लिया हैं। पीड़ित वृद्ध श्री जैन ने बताया कि उनका खाता कैनरा बैंक, खोवामंडी शाखा में चौधरी प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स के नाम से संचालित हैं।

28 मार्च की सुबह वे जब नर्मदा नर्सरी स्कूल के पास स्थित अपनी दुकान चौधरी प्रिंटर्स एण्ड स्टेशनर्स में थे तभी साइबर ठग ने एक अज्ञात मोबाइल नंबर से उन्हें कॉल कर कहा कि उसने श्री जैन के मोबाइल पर वाट्स एप्प पर एक फोटो भेजी हैं। साइबर ठग ने श्री जैन को फोटो डाउन लोड करने की बात कर कहा कि वे बताएं कि क्या फोटो में दिखाए व्यक्ति को वे पहचानते हैं। श्री जने ने जैसे ही फोटो डाउनलोड की उसी दौरान उनके मोबाइल पर कस्टमर सपोर्ट एप्प अपने आप डाउन लोड हो गया और साइबर ठग ने उनके मोबाइल को हैक कर लिया। इसी दौरान पहले साइबर ठग ने उनके खाते में एक रूपये की राशि जमा की इसके बाद दुबारा फोन किया कि इस फोटो को पहचानते हो तो श्री जैन ने काल रिसीव कर मना कर दिया। इसी दौरान उनके खाते से 2 बार में अलग अलग 1 लाख रूपये तथा 1 लाख 1 हजार रूपये की राशि ट्रांसफर कर ली गई। शिकायत में पुलिस ने जांच में पाया कि मोबाइल के व्हाटसएप पर फोटो भेजकर तथा फोटो डाउन लोड कराकर फोन हैक करते हुये आरोपी साइबर ठग द्वारा एकाउण्ट से 2 बार में 2 लाख 1 हजार रूपये की राशि ट्रांसफर कर ली गयी। जांच पर अज्ञात मोबाइल नम्बर धारक के विरूद्ध धारा 319(2), 318(4) बीएनएस तथा 66 सी, 66 डी सूचना प्रौधौगिकी अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

संपति बटवारे की रंजिश पर युवक ने साले के साथ मिलकर भाई पर किया चाकू से वार

जबलपुर। हनुमानताल थाना अतंर्गत हड्डी गोदाम दादामियां गेट के पास संपत्ति के बटवारे की रंजिश पर छोटे भाई ने अपने साले के साथ मिलकर बड़े भाई के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार हड्डी गोदाम दादामिया गेट के पास निवासी 40 वर्षीय मजदूर मोह. नदीम कुरैशी गत रात लगभग 11.30 बजे अपने घर के सामने खड़ा था, तभी उसका छोटा भाई फईम कुरैशी अपने साले सोहेल के साथ आया और संपत्ति बटवारे की रंजिश पर उससे खर्चे के लिए 5 हजार रुपए की मांग करने लगा, रुपए देने से मना करने पर सोहेल ने उसके साथ मारपीट कर दी और फहीम ने चाकू से उसकी कलाई पर हमलाकर कर घायल कर दिया औश्र जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

रंगदारी वसूलने ओमती, हनुमानताल और गोहलपुर में मारपीट

चाकूबाजी की वारदातों में 3 घायल

हरिभूमि जबलपुर।

ओमती, हनुमानताल और गोहलपुर थाना क्षेत्रों में मारपीट की तीन वारदातें सामने आई हैं। शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने तीन युवकों पर चाकू व पंच से हमला कर घायल कर दिया। ओमती पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुराही बिल्डिंग के सामने अधारताल निवासी 50 वर्षीय दूध डेयरी संचालक अमित कुमार गत दिवस स्कूटी से अपने काम से अपने मामा अशोक के घर आदर्श नगर से वापस घर आ रहा था, रात लगभग 10 बजे पर्यट तिराहा के पास रूका, तभी बाईक से मुंह में कपड़ा लपेटे दो अज्ञात लड़के आए और उससे शराब पीने के लिये पैसों की मांग करने लगे, उसने पैसे देने से मना किया तो दोनों गाली गलौज करते हुए एक लड़के ने चाकू से उसके जांघ पर हमलाकर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 119(1), 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

इसी प्रकार हनुमानताल अंबेडकर कालोनी निर्भयनगर निवासी 21 वर्षीय कबाड़ी मोह. तन्शीर गत रात लगभग 11 बजे अपनी पत्नी आफरीन को छोड़ने जा रहा था जैसे ही मोहरिया रोड़ पर पहुँचा वहां पर खड़े रिहान, फैजान, आमीन, अकरम ने उसे आवाज देकर रोके और कबाड़ में बहुत पैसे कमा रहा है कहते हुए 10 हजार रूपये की मांग करने लगे, उसने रुपए देने से मना किया तो रिहान और आमीन उसके साथ गाली गलौज करने लगे। उसी समय उसका छोटा भाई मोह. तौकिर आया और गालियां देने से मना किया तो आमीन ने मारपीट कर दी और अकरम ने चाकू से उसके जांघ पर हमला0 कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने चारों आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240